जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 | वर्षः 32 | संख्याः 21 | प्रभात | उदयपुर, शनिवार 23 नवम्बर, 2024 | आर.जे. 7202 | पृष्ठ 6 | मूल्य 2.50 रु.

डॉक्टर पहले अपना इलाज़ तो कर लें!

गौतम अडानी आदि के खिलाफ अमेरिकी कोर्ट में आरोप पत्र प्रस्तुत करना व इन लोगों की गिरफ्तारी की मांग करना, अमेरिका की दादागिरी का सबूत है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 नवम्बर। यू.एस. डिपार्टमैंट ऑफ जस्टिस (डी.ओ.जे.) द्वारा भारतीय अरबपति गौतम अडानी पर लगाए गए भ्रष्टाचार व रिश्वत के अभियोग का महत्व जनता को पूरी तरह समझ नहीं आया है।

पूरे विश्व में आर्थिक व सामरिक मामलों में अपनी ही चलाने की अमेरिका की प्रवृत्ति को यहाँ समझना जरुरी है। यह, अमेरिका के महत्व का उसके प्रभाव से अधिक फैलाव है।

अमेरिका के कानून तंत्र ने एक अभियोग और गिरफ्तारी का वॉरंट जारी किया है, जो एक भारतीय नागरिक द्वारा भारत में कुछ परियोजनाओं के लिए किए गए कथित अपराध को लेकर है। याद रहे, यह एक ऐसे देश से आया है, जहाँ एक शीर्ष कानून प्रवर्तन अधिकारी, जिसे अमेरिका के नए निर्वाचित राष्ट्रपति ने चुना था, को सैक्स के लिए पैसे देने और नाबालिग के साथ यौन संबंध बनाने के आरोपों का सामना करना पड़ा था, जहाँ जीतने वाली रिपब्लिकन पार्टी ने, राष्ट्रपति द्वारा चुने गए लोगों के जीवन के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा करने से इन्कार कर दिया था।

- पर, अमेरिका का यह कृत्य आधारहीन नहीं, अमेरिका के कानून की दृष्टि से। अमेरिका के शेयर बाजार से शेयर जारी कर पैसा इकट्ठा करने की एक शर्त है, कि शेयर जारी करने वाला अपनी कम्पनी के बारे में पूरी जानकारी जनता के समक्ष रखेगा, शेयर जारी करने से पहले।
- अडानी ने इस शर्त का उल्लंघन किया है, क्योंकि, उसने अपनी कम्पनी के बारे में इस तथ्य को छुपाया, यानि उजागर नहीं किया कि अमेरिका के कानून मंत्रालय ने एक ''इनक्वायरी'' खोल रखी है।
- अमेरिका के विधि मंत्रालय के अनुसार, जब तक कोई भी विदेशी कम्पनी अमेरिका के शेयर मार्केट में अपना शेयर नहीं बेचती, तब तक, उसने किस को कितनी रिश्वत दी, उससे अमेरिका के कानून व्यवस्था की जिम्मेवारी सम्भालने वाले विभाग को कोई रूचि नहीं, पर जब उसने अमेरिका के स्टॉफ एक्सचेंज में अपना शेयर बेचकर, पैसा इकट्ठा करने का प्रयास किया, तब अमेरिका के ''कानून व्यवस्था'' के नियम कायदे उस पर लागू हो जाते हैं।
- अडानी ग्रुप की यह गलती उन्हें भारी पड़ेगी।
- यह भी सच है, कि, अगर भारत ऐसा ही कानून अपने संसद में पारित कर लेता है, तो क्या, वह उस कानून की, अमेरिका में अवेहलना करने वाले अमेरिकी नागरिक के खिलाफ न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल कर गिरफ्तारी की मांग कर सकता है?

एक ऐसे देश से नैतिकता के उपदेश सुनना मुश्किल है। वैसे भी, भारत में जो भी हो रहा है वो अमेरिका के अधिकार क्षेत्र में नहीं है, रिश्वत या कुछ और, चाहे वह भारतीयों और भारत देश के लिए कितना भी हानिकारक क्यों ना हो।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चीन कैसे जीता प्रदूषण के खिलाफ युद्ध

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 22 नवम्बर। भारत में जहरीली हवा ने दिल्ली वालों का दम घोंट रखा है और यह चर्चा तक नहीं हो रही है कि दिल्ली को बचाने के लिए क्या किया जाए। वहीं बीजिंग को विश्व के टॉप टैन सर्वाधिक प्रदूषित शहरों के दायरे से निकालने के लिए चीन ने वर्ष 2013 में जंग छेड़ी थी और 100 अरब डॉलर का प्रोजैक्ट शुरू किया था, और अब बीजिंग विश्व के प्रदूषित शहरों में नहीं है जबकि दिल्ली इसमें टॉप पर है।

- एशिया के दो प्रमुख देश, चीन और भारत प्रदूषण से पीड़ित, पर चीन ने अपने लोगों को प्रदूषण से बचा लिया वहीं भारत बेबसी से सब देख रहा है, कहां कमी रह गई।

ज़हरीली धुंध से भरा आकाश जिसमें कई दिनों तक सूरज के दर्शन नहीं होते हैं। स्कूल बंद हैं लोग खांस रहे हैं गले में जलन है। यह है 2024 की दिल्ली और कुछ ऐसा ही था 2013 का बीजिंग।

पूरे एक दशक से एशिया के इन दोनों बड़े देशों में भारी प्रदूषण झेला पर जहां चीन अपने नागरिकों को बचाने की कोशिश में जुट गया, वहीं भारत अपने लोगों को धीरे-धीरे मौत के करीब जाते हुए देख रहा है।

'बुरे दिन बीते रे भैय्या, सावन आयो रे'

गहलोत ने अपने निवास पर कांग्रेस सेवा दल, महिला सेवादल व युवा सेवा दल के जिलाध्यक्षों की बैठक बुलाई, जिसमें टीकाराम जूली, संगठन सचिव ललित लूनवाल व अन्य पदाधिकारी मौजूद थे

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 नवम्बर। 20 नवंबर को पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा अपने निवास पर कांग्रेस सेवा दल, महिला सेवा दल और युवा सेवा दल के जिलाध्यक्षों की बैठक बुलाने पर सवाल उठ रहे हैं। इस बैठक में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पीसीसी संगठन महासचिव ललित तूनवाल का भी सेवा दल के प्रदेश पदाधिकारियों के साथ मंच पर उपस्थित रहना यह इंगित करता है कि प्रदेश कांग्रेस आज भी अशोक गहलोत के नियंत्रण में है। गोविंद सिंह डोटासरा अशोक गहलोत की कठपुतली बनकर 25 सितंबर 2022 को तनोट चले गए थे, शायद वे आपसी समझ में इस बैठक से दूर रहे लेकिन गहलोत और डोटासरा इस तरह की बैठकों के जरिए आलाकमान को संदेश देना चाह रहे हैं कि वे अभी भी 25 सितंबर 2022 की तारीख पर खड़े हैं। कोई आश्चर्य नहीं होगा अगर भविष्य में इस तरह से युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, एनएसयूआई के पदाधिकारियों की भी बैठकें अशोक गहलोत के घर आयोजित हों या विधायकों की भी बैठकें उनके घर आयोजित हों।

- दूसरी ओर मुम्बई और कोंकण में सीनियर आब्ज़र्वर की भूमिका में गहलोत ने मुंबा देवी में एक सभा रखी थी, जिसमें मात्र दो सौ लोग थे, जबकि मंच पर गहलोत के साथ राजस्थान के नेता डोटासरा, जूली, जितेन्द्र सिंह, रघु शर्मा आदि मौजूद थे।
- जयपुर एयरपोर्ट पर जिस तरह से गहलोत अपने साथ धर्मेंद्र राठौड़ को ले गये, और राहुल गाँधी से हाथ मिलवाया, इससे साबित हो गया कि कांग्रेस राजस्थान के प्रति बिल्कुल गंभीर नहीं है।

अशोक गहलोत को अब आलाकमान से डर इसलिए भी नहीं लगता कि वे अपने जीवन की आखिरी पारी के लिए कुछ भी दांव पर लगा सकते हैं और डोटासरा उनके मुट्ठी में शायद इसलिए हो सकते हैं कि शिक्षा मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल की बहुत सी कमजोरियों के प्रमाण अशोक गहलोत ने जुटा रखे हों।

मुंबई और कोंकण के सीनियर आब्ज़र्वर की भूमिका में अशोक गहलोत ने मुंबा देवी में एक सभा रखी थी जिसमें मात्र दो सौ लोग थे जबकि मंच राजस्थान के जनाधार विहीन नेताओं गहलोत, डोटासरा, जूली, जितेंद्र सिंह, रघु शर्मा से भरा हुआ था।

एक कांग्रेसी नेता ने सवाल उठाया है कि महाराष्ट्र में पृथ्वीराज चव्हाण, मध्यप्रदेश में कमलनाथ, छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल अगर इस तरह की बैठकें आयोजित करके आलाकमान के सामने ये दिखाने का प्रयास करें कि कांग्रेस का संगठन उनके साथ है तो खड़गे का क्या रुख रहेगा या इन राज्यों के कांग्रेस प्रभारियों की क्या प्रतिक्रिया होगी। चूंकि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उदयपुर : रॉन्ग साइड जा रही कार की ट्रोले से टक्कर में 5 मरे

पांचों युवक जिस कार में थे, उसे 4-5 दिन पहले ही सैकण्ड हैण्ड खरीदा गया था

उदयपुर, 22 नवम्बर (कासं)। शहर के सुखेर थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात को रोंग साइड जा रही एक कार को सामने से तेज गति में आ रहे एक ट्रोले ने टक्कर मार दी, जिससे कार सवार पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने सभी का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों के सुपुर्द कर दिए। मृतकों में एक हैड कांस्टेबल का बेटा भी शामिल है। पांचों मृतक जिस कार में सवार थे, उस सैकंड हैंड कार को चार-पांच दिन पहले ही खरीदा था। पुलिस ने ट्रोले को जब्त कर चालक को गिरफ्तार किया है।

- कार अम्बेरी से देबारी रॉन्ग साइड पर जा रही थी। अम्बेरी पुलिया पर तेज गति से आ रहे ट्रोले से कार की सीधी टक्कर हुई। कार बुरी तरह ट्रोले में फंस गई।

थानाधिकारी हिमांशु सिंह राजावत ने बताया कि गुरुवार देर रात 10 बजे गौरव (24) पुत्र भंवरलाल जीनगर निवासी रामपुरा चौराहा हाल ढीकली वाडा, हिम्मत (34) पुत्र मोहनलाल खटीक निवासी इन्द्रा कॉलोनी देलवाडा, गोपाल (27) पुत्र गेहरीलाल नंगारची निवासी हनुमान कॉलोनी फतहपुरा, पंकज (31) पुत्र दिलीप नंगारची निवासी कुम्हारों का मोहल्ला छोटा बेदला, नारायणलाल (22) पुत्र मांगीलाल गमेती निवासी कानपुर खेडा एक कार में सवार होकर अम्बेरी से देबारी की तरफ रोंग साइड जा रहे थे। तभी अम्बेरी पुलिया पर सामने से तेजगति में आ रहे ट्रोले का चालक एकदम से कार के सामने आने से ट्रोले को काबू में नहीं कर पाया और उसने कार को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे कार सवार पांचों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। कार इस ट्रोले में बुरी तरह से फंस गई थी। सूचना मिलने पर, मौके पर थाने से जाब्ता पहुंचा और स्थानीय लोगों की सहायता से सभी को बाहर निकलवाकर एम.बी. चिकित्सालय पहुँचाया, जहां पर चिकित्सकों ने सभी को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शवों को मोर्चरी में रखवाकर परिजनों को सूचित किया। इधर, पुलिस ने रात्रि को मौके से ही ट्रोला जब्त किया और चालक को गिरफ्तार कर लिया। मृतकों में गौरव जीनगर के पिता भँवरलाल जीनगर उदयपुर पुलिस में हैड कांस्टेबल के पद पर कार्यरत हैं। सूचना मिलने पर सुबह मृतकों के परिजन आए और पुलिस ने सभी के पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों के सुपुर्द कर दिये।

शिंदे फिर मुख्यमंत्री बनेंगे!

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 22 नवम्बर। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के परिणाम शनिवार को घोषित हो रहे हैं शिवसेना के एकनाथ शिंदे की नज़र मुख्यमंत्री की कुर्सी पर है। समर्थक उन्हें दोबारा मुख्यमंत्री बनाने पर जोर दे रहे हैं। हालांकि भाजपा के देवेन्द्र फड़नवीस की नज़र भी मुख्यमंत्री की कुर्सी पर

- शिंदे समर्थक यह दावा कर रहे हैं, पर देवेन्द्र फड़नवीस की नज़र भी मुख्यमंत्री की कुर्सी पर है।

क्योंकि अगर महायुति गठबंधन जीता तो जीत का श्रेय भाजपा को जाता है। कांग्रेस नीत गठबंधन महाविकास अघाड़ी को भी अच्छे नतीजे की उम्मीद है क्योंकि ज्यादा वोटिंग हुई है। भाजपा का गठबंधन झारखंड में भी आगे बढ़ता दिख रहा है।

शरद पवार पर नारायण राणे की टिप्पणी आकस्मिक जरूर है, पर आधारहीन नहीं लगती

नारायण राणे ने कहा है कि चुनाव नतीजे आने के बाद शरद पवार भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन में आ जाएंगे

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 नवम्बर। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) ने भाजपा सांसद नारायण राणे द्वारा एक स्थानीय मराठी टी.वी. समाचार चैनल को दिये गये इस बयान का आज यहाँ अधिकृत रुप से खण्डन किया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव परिणामों की घोषणा के बाद, एन.सी.पी. (एस.पी.) अध्यक्ष शरद पवार कांग्रेस के नेतृत्व वाले समर्थित ''महा विकास अघाड़ी'' को छोड़कर, भाजपा- नेतृत्व वाले ''महायुति'' से हाथ मिला सकते हैं।

एन.सी.पी. (एस.पी.) के अधिकृत प्रवक्ता, मुम्बई-निवासी क्लाइड क्रास्ट्रो ने ऐसी किसी भी संभावना से साफ इनकार किया और ''द स्टेट्समैन'' को शुक्रवार को बताया कि ''नारायण राणे ऐसे बेतुके बयान देने के लिये कुख्यात हैं तथा कोई भी उनके बयानों को गम्भीरता से नहीं लेता है। महा विकास अघाड़ी के विरोधी ऐसे राजनेता, जो अब प्रासंगिक नहीं रहे हैं, एक बात तो पक्के तौर पर जानते ही हैं। वे इस बात को जानते हैं कि अगर वे शरद पवार के बारे में कोई बयान देते हैं तो उन्हें मुफ्त में ही कुछ प्रसिद्धि निश्चित रुप से मिल जायेगी। इसलिये, नारायण राणे मुफ्त में प्रसिद्धि पाने तथा खबरों में बने रहने के लिये ही शरद पवार के नाम का उपयोग कर रहे हैं।

- चर्चा है कि इस खबर के पीछे अडानी फैक्टर है। यह कहा जा रहा है कि कांग्रेस और शिवसेना (उद्धव गुट) शुरू से ही अडानी के खिलाफ हैं और लगातार आलोचना करते रहे हैं फिलहाल अडानी को ''धारावी'' की जमीन दिए जाने पर इन दोनों दलों ने अडानी के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है।
- पर शरद पवार और अडानी के सम्बंध पुराने एवं गहरे रहे हैं और वे इस विरोध एवं आलोचना का हिस्सा नहीं बनना चाहते हैं।
- मतगणना से एक दिन पहले आए, नारायण राणे के इस बयान से महाराष्ट्र की राजनीति में खलबली मच गई है, हालांकि शरद पवार ने महायुति में जाने का खंडन किया है पर इस खंडन पर लोग ज्यादा भरोसा नहीं कर रहे हैं।

आज सुबह, महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री तथा पूर्व केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री नारायण राणे, जो इस समय रत्नागिरि-सिन्धुदुर्ग लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, ने एक स्थानीय टी.वी. समाचार चैनल को यह सनसनीखेज बयान दिया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव परिणामों की घोषणा हो जाने के बाद, एन.सी.पी. (एस.पी.) प्रमुख शरद पवार कांग्रेस समर्थित महा विकास अघाड़ी को छोड़कर, भाजपा -समर्थित महायुति से हाथ मिला सकते हैं।

भाजपा नेता नारायण राणे ने एक स्थानीय मराठी टी.वी. समाचार चैनल को बताया, ''विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद, शरद पवार अपना रास्ता बदल सकते हैं। शरद पवार, उद्धव ठाकरे और कांग्रेस के साथ नहीं रहेंगे। शरद पवार राज्य के हित तथा अपनी पार्टी के विधायकों के लाभ के लिये महायुति से हाथ मिला सकते हैं। उद्धव की पार्टी को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 10-12 से ज्यादा सीटें नहीं मिलेंगी। इसलिये, किसी भी हालत में राज्य में महा विकास

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सरकारी गवाह बन क्षमादान का कटारा का प्रार्थना पत्र खारिज

जयपुर, 22 नवंबर। एसआई भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे आर.पी. एस.सी. के पूर्व सदस्य बाबूलाल कटारा ने सरकारी गवाह बनकर क्षमादान चाहने की मंशा जताते हुए निचली अदालत में प्रार्थना पत्र पेश किया है, हालांकि अदालत ने कटारा के इस प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया है।

- आर.जी.एस.सी. के पूर्व सदस्य बाबूलाल कटारा द्वारा पेपर लीक मामले में सरकारी गवाह बन कर क्षमादान प्राप्त करने के लिए दिया गया प्रार्थना पत्र अति. सत्र न्यायालय ने खारिज किया।

अतिरिक्त सत्र न्यायालय क्रम-1 महानगर द्वितीय के पीठासीन अधिकारी बी.एल. चंदेल ने प्रार्थना पत्र को खारिज करते हुए कहा कि मामले में पूर्व में 67 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र पेश हो चुका है। अदालत ने कहा कि कटारा को अन्य आरोपी रामूराम राइका व अन्य के साक्ष्य के आधार पर गिरफ्तार किया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली में स्कूल बंद करने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे अभिभावक

अभिभावकों द्वारा दायर याचिका में कहा गया है कि सभी के पास वर्चुअल क्लास के लिए तकनीकी व्यवस्था नहीं है

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 22 नवम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार कहा कि वह अगले हफ्ते विचार करेगा कि प्रदूषण से संबंधित कुछ उपायों में छूट दी जा सकती है क्या खासकर स्कूलों के संबंध में। वर्तमान में प्रदूषण की वजह से दिल्ली-एन. सी. आर. ग्रेडेड रैस्पॉन्स एक्शन प्लान फोर्थ (जी. आर. ए. पी. फोर्थ) के दायरे में है इसलिए स्कूल भी बंद हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने स्कूल बंद होने के खिलाफ अभिभावकों द्वारा दायर याचिका पर विचार करते हुए कहा कि सभी घरों में वर्चुऑल क्लास के लिए जरूरी तकनीकी सिस्टम नहीं होते हैं।

जस्टिस अभय एस. ओझा और ऑगस्टिन जॉर्ज मसीह की बैंच ने कहा कि जी. आर. ए. पी. के परिवार बहुत हानिकारक है।

बैंच ने यह टिप्पणी कुछ अभिभावकों के द्वारा स्कूल बंद होने और ऑनलाइन कक्षा चलाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका की सुनवाई करते हुए की। वर्तमान में दिल्ली एन. सी. आर. के स्कूल बंद हैं, कारण है भारी प्रदूषण तथा बच्चों को ऑनलाइन क्लास लेनी पड़ रही है।

बैंच दिल्ली में प्रदूषण के सम्बंध में केस की सुनवाई कर रही थी। खासकर हरियाणा, उत्तर प्रदेश, और पंजाब में पराली जलाने के खिलाफ उठाए गए कदमों पर।

शुक्रवार को वरिष्ठ वकील एम. गुरुस्वामी ने अभिभावकों के एक समूह की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की उन्होंने कहा कि स्कूल बंद होने के पीछे यह धारणा है कि घरों के अंदर हवा साफ होती है।

गुरुस्वामी ने कहा, हमारे पास वर्चुअल क्लास के लिए तकनीकी सिस्टम नहीं है, हमें कोर्ट से मदद चाहिए।

- अभिभावकों ने अपनी याचिका में यह भी कहा कि स्कूल बंद करने के पीछे की यह सोच तर्क संगत नहीं है कि घरों में हवा शुद्ध है।
- अभिभावकों ने कहा कि सुबह सबसे ज्यादा प्रदूषण होता है, तो स्कूलों का समय 9 बजे से रखा जा सकता है। और प्रदूषण की स्थिति अति गंभीर हो तब दो सप्ताह के लिए स्कूल बंद किए जा सकते हैं।
- अभिभावकों ने कहा कि अदालत सरकार को निर्देश दे कि स्कूलों में एन-95 मास्क बंटवाए जाएं। यही नहीं, प्रदूषण की स्थिति में जिन बच्चों को अस्थमा (सांस की तकलीफ) है उनके लिए ऑनलाइन क्लास चलाई जा सकती है।
- सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सभी सुझावों पर 2 दिसम्बर को विचार किया जाएगा।

जब कोर्ट ने कामकाजी माता पिता की समस्याएं पूरे करने के लिए सुझाव मांगा तो गुरुस्वामी ने कहा, इस देश के गरीब लोग अपने बच्चों को पास के स्कूल भेज देंगे।

लेकिन एडिशनल सॉलिसिटर जनरल अर्चना दवे ने कहा कि राज्य को इस चिंताओं के प्रति सहानुभूति है पर जी. आर. ए. पी.चतुर्थ लागू होने से बच्चे भी प्रभावित होंगे ही।

इस पर वरिष्ठ वकील इसमें बच्चों को स्कूल लाने-ले जाने वाली बसों का भी मसला है। इस पर गुरु स्वामी ने कहा, मुझे खेद सहित कहना पड़ रहा है कि इस देश के गरीब माता-पिता अपने बच्चों को बस से स्कूल नहीं भेजते हैं इन्हें पास ही के स्कूल में पढ़ाते हैं।

कोर्ट ने कहा इस मसले 2 दिसंबर को विचार किया जाएगा। यह याचिका आठ अभिभावकों के समूह ने दायर की है उनका तर्क है कि दिल्ली जी. सी. आर. के प्रदूषण का इलाज स्कूल बंद करना नहीं है। स्कूल बंद होने से बच्चों का शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार भी छिनता है।

याचिका कहती है कि बच्चों के लिए ऑनलाइन स्कूल का कोई अर्थ नहीं है, जिन बच्चों के पास मोबाइल नहीं है या बहुत छोटे हैं बच्चे जो मोबाइल इस्तेमाल नहीं करते हैं उनके लिए ऑनलाइन क्लास का कोई अर्थ नहीं है।

ऑनलाइन क्लास स्कूल की भरपाई नहीं कर सकती है।

याचिका में अभिभावकों ने निम्न आग्रह किए हैं।

- सरकार को स्कूलों के लिए स्पष्ट गाइडलाइन्स जारी करनी चाहिए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एस.आई. भर्ती-2021 : हाईकोर्ट ने यथा स्थिति 10 दिसम्बर तक बढ़ाई

जयपुर, 22 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एस.आई. भर्ती-2021 पर गत 18 नवंबर को दिए यथास्थिति के आदेश को दस दिसंबर तक बढा दिया है। अदालत ने मामले में राज्य सरकार को जवाब पेश करने के लिए समय दिया है। इसके साथ ही, अदालत ने मामले में कुछ ट्रेनी एस.आई. को भी पक्षकार बना

- अतिरिक्त महाधिवक्ता ने जवाब पेश करने के लिए 4 सप्ताह का समय मांगा, हाईकोर्ट ने युवाओं के भविष्य से जुड़े मामले के कारण दो सप्ताह का समय दिया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

संयम और परिश्रम मनुष्य के दो सर्वोत्तम चिकित्सक हैं। परिश्रम से भूख तेज़ होती है और संयम अतिभोग से रोकता है। -रूसो

एंटी माइक्रोबाइल रेजिस्टेंस वैश्विक स्वास्थ्य के लिए गंभीर चेतावनी है

वैश्विक स्वास्थ्य के लिए दवाओं का बेअसर होना गंभीर संकट की और इशारा है। दुनिया के चिकित्सा जगत् से जुड़े विशेषज्ञ आज इस बात को लेकर चिंतित है कि मरीज को बीमारी में दी जा रही दवाओं को बेअसर होने का आंकड़ा दिन-प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। कोई इसे भविष्य की महामारी का कारक मान रहे हैं तो कोई इसे मेडिकल इमरजेंसी तक कहने में हिचक नहीं रहे हैं। मजे की बात यह है कि दवाओं का बेअसर होने से गरीब और अविकसित व विकासशील देश तो है ही इनके साथ ही विकसित देश भी कमोबेस इससे दो चार हो रहे हैं। भले ही उनके यहां अनावश्यक दवाएं कम लिखी जा रही हो या फिर दवाओं की बिना चिकित्सक की पर्ची के उपलब्धता लगभग नहीं के बराबर हो। आज जीवनदायिनी दवाएं तेजी से बेअसर होती जा रही है, इसका एक बड़ा कारण जहां एंटीबायोटिक दवाओं का अत्यधिक सेवन है तो दूसरा कारण दवाएं लेने के तौर-तरीके से अनविज्ञ होना या फिर जान-बूझकर लापरवाही बरतने के साथ ही खान-पान से जुड़ी गलतियां भी है। डॉक्टरों की भाषा में बात करें तो एएमआर यानी कि एंटी माइक्रोबाइल रेजिस्टेंस का चिंतनीय खतरा हो गया है। देश-विदेश के चिकित्सक एएमआर को वैश्विक महामारी का नाम देने लगे हैं। देखा जाए तो आज सबसे अधिक मौत का कारण दवाओं का बेअसर होना है। कोरोना के बाद तो एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग बहुत अधिक बढ़ा है। दरअसल कोरोना के बाद जहां एक और आम व्यक्ति स्वास्थ्य के प्रति अत्यधिक सजग हुआ है तो एंटीबायोटिक दवाओं का उपयोग भी बढ़ा है। सर्दी, जुकाम, खांसी आदि वायरल बीमारियों में यदि भारत की बात की जाए तो 95 प्रतिशत तक एंटीबायोटिक दवाओं को ईलाज में शामिल किया जा रहा है। यह 95 प्रतिशत का आंकड़ा अतिशयोक्ति पूर्ण भले ही हो सकता है पर इसमें कोई दो राय नहीं कि चिकित्सकों द्वारा एंटीबायोटिक दवाएं धडल्ले से लिखी जा रहा है। यह तो तब है जब मेडिकल से जुड़े विभिन्न मंचों व शोध निष्कर्षों में यह खुलासा हो चुका है कि एंटीबायोटिक दवाओं का अत्यधिक उपयोग स्वास्थ्य को नुकसान ही पंहुचाने लगा है तो दूसरी और बैक्टिरिया में प्रतिरोधी क्षमता विकसित होने से दवाओं का असर कम होने लगा है। भारत सरकार बार-बार यह एडवाइजरी जारी करती जा रही है कि एंटीबायोटिक दवाएं अत्यधिक आवश्यकता में ही लिखी जाएं और एंटीबायोटिक दवाएं लिखते समय मरीज को कारण और उपयोग के तरीके से अवश्य बताया जाए। इसी से हालात की गंभीरता को समझा जा सकता है। जहां तक योरोपीय देशों की बात है वहां सर्दी, जुकाम, खांसी आदि वायरल बीमारियों में एंटीबायोटिक का उपयोग ना के बराबर होता है।

आज जीवनदायिनी दवाएं तेजी से बेअसर होती जा रही है, इसका एक बड़ा कारण जहां एंटीबायोटिक दवाओं का अत्यधिक सेवन है तो दूसरा कारण दवाएं लेने के तौरतरीके से अनविज्ञ होना या फिर जानबुझकर लावपरवाही बरतने के साथ ही खान-पान से जुड़ी गलतियां भी है। डॉक्टरों की भाषा में बात करें तो एएमआर यानी कि एंटी माइक्रोबाइल रेजिस्टेंस का चिंतनीय खतरा हो गया है। देश-विदेश के चिकित्सक एएमआर को वैश्विक महामारी का नाम देने लगे हैं।

दवाओं के तेजी से बेअसर होने को लेकर देश-दुनिया के स्वास्थ्य विशेषज्ञ अत्यधिक चिंता में हैं। मेडिकल से जुड़े जर्नल द लैसेंट में इस संबंध में एक के बाद एक चेतावनी भरे लेख सामने आ रहे हैं। यहां तक कि एएमआर को मेडिकल इंमरजेंसी के रुप में देखा जाने लगा है। दरअसल कोरोना के बाद लोग थोड़ा सा स्वास्थ्य खराब होते ही डॉक्टर की शरण में जाने को वरियता देने लगे है। यह अच्छी बात भी है पर जिस तरह से कोरोना के दौरान और उसके बाद एंटीबायोटिक का उपयोग अधिक बढ़ा है वह चिंतनीय हो गया है। हालात यहां तक हो गए हैं कि प्रति व्यक्ति 30 प्रतिशत अधिक मात्रा में एंटीबायोटिक का उपयोग होने लगा है। दवाओं का बेअसर होने का सीधा-सीधा असर किडनी, लीवर, ब्रैन, हार्ट आदि प्रभावित होने लगे हैं। इन गंभीर बीमारियों में एंटीबायोटिक दवाओं का असर कम होने लगा है।

दिल्ली एम्स के पूर्व निदेशक डॉ. एमसी मिश्रा का कहना है कि एंटीबायोटिक दवाओं को धडल्लें से बिना डॉक्टर की प्रेसक्रेप्सन के भी सहज उपलब्धता एक प्रमुख कारण है। एएमआर के लिए किसी एक को दोष नहीं दिया जा सकता है। इसके लिए चिकित्सक, केमिस्ट, आम आदमी और सरकार सभी कमोबेस जिम्मेदार है। योरोपीय देशों व अमेरिका में बिना डॉक्टर के प्रेसक्रेप्सन के केमिस्ट या अन्य स्थान से दवा उपलब्ध ही नहीं हो सकती। हमारे यहां हालात विपरीत है। ऐसे में दवाओं के बेअसर होने के खतरें को टालने के लिए समन्वित प्रयास करने होंगे। डॉक्टर, दवा विक्रेता, आम नागरिकों और सरकार को समन्वित प्रयास करने होंगे। आवश्यकता नहीं होने पर एंटीबायोटिक का प्रयोग नहीं करने, दवा विक्रेताओं द्वारा मौखिक रुप से मांगने पर दवा नहीं देने, आम नागरिकों को सजग और स्वास्थ्य के प्रति गंभीर होना होगा। इसके साथ ही सरकार को भी थोड़ी सख्ती करनी ही होगी ताकि सेहत के लिए जरुरी दवाएं अपना असर खोने से बच सके। नहीं तो हालात जिस तरह के आएंगे उसकी कल्पना ही नहीं की जा सकती है। केवल कहने से कि एंटीबायोटिक बेअसर होती जा रही है उससे कोई सकारात्मक समाधान नहीं हो सकेगा। अधिकांश लोग इन हालातों से अनजान है ऐसे में सरकारी व गैरसरकारी संस्थाओं को जागरुकता अभियान चलाना होगा और इस पूरे चक्र को लाईन पर लाने के लिए डॉक्टरों, दवा विक्रेताओं, सरकार और आम नागरिकों को समन्वित प्रयास करने होंगे। नहीं तो आने वाले समय में एएमआर गंभीर हालातों की और इशारा करने लगी है और कहीं ऐसा नहीं हो कि हालात हमारे हाथ से निकल जाएं। यह सीधे-सीधे भविष्य के खतरे का संकेत है और ऐसे में समय रहते समाधान खोजना ही होगा।

-अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल शनिवार 23 नवम्बर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, अष्टमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2081, मघा नक्षत्र सायं 7:27 तक, ऐन्द्रयन योग दिन 11:41 तक, कौलव करण सायं 7:58 तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-कर्क, बुध-वृश्चिक, गुरू-वृष, शुक्र-धनु, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज श्री काल भैरवाष्टमी, कालाष्टमी, प्रथमाष्टमी है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:16 से 9:35 तक, चर 12:13 से 1:32 तक, लाभ-अमृत 1:32 से 4:10 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:57, सूर्यास्त 5:30

मेष
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

सिंह
मन:स्थिति ठीक रहेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों में वृद्धि होगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त कार्य करना पड़ सकता है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

वृष
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति में प्रगति होगी।

कन्या
आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। घर-गृहस्थी के खर्चों में वृद्धि होगी। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी।

मकर
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

मिथुन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है और मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

तुला
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। चलते व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

कुंभ
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगी। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक मामलों में संयम रखना ठीक रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग बढ़ेगा।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

यूजीसी के ग्रेजुएशन डिग्री के लिए समय सीमा में बदलाव: एक विस्तृत विश्लेषण

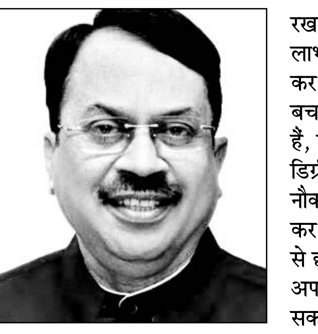

प्रो. अशोक कुमार

2020 में भारत सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 जारी की, जो देश की शिक्षा प्रणाली में एक क्रांतिकारी बदलाव लेकर आई । यह नीति पिछले 34 सालों में भारतीय शिक्षा प्रणाली में सबसे बड़ा बदलाव लिया है। इस नीति का प्रमुख उद्देश्य शिक्षा को छात्र-केंद्रित, बहु-विषयक और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है। इसी क्रम में, स्नातक कार्यक्रमों की अवधि को 4 वर्ष करने का निर्णय लिया गया है। 4 साल की अवधि छात्रों को अपने विषय का गहन अध्ययन करने का अवसर प्रदान करती है। इससे छात्रों को व्यापक ज्ञान और कौशल प्राप्त करने में मदद मिलेगी। लेकिन यह जान कर आश्चर्य हुआ की हाल ही मे यूजीसी ने अगले सत्र से स्टूडेंट्स समय से पहले ग्रेजुएशन की डिठी हासिल कर पाएंगे।

यूजीसी ने आईआईटी मद्रास के डायरेक्टर वी कामकोटि के नेतृत्व वाली कमेटी के द्वारा सिफारिश को मंजूर कर दिया, जिसके तहत अब स्टूडेंट्स तय समय से पहले स्नातक की डिग्री हासिल कर सकेंगे। इसमें 4 वर्ष वाले स्टूडेंट्स को 3 वर्ष में और 3 वर्ष वाले स्टूडेंट्स को 2.5 वर्ष में डिग्री हासिल करने का मौका रहेगा। इसके साथ ही 3 वर्ष वाले छात्र चाहें तो 4 वर्षीय डिग्री प्रोग्राम में इसे बदल सकेंगे। यूजीसी ने यह बदलाव राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के तहत किया है। अगले सत्र से डिग्री प्रोग्राम में एंट्री और एक्जिट प्वाइंट का प्रावधान किया जायेगा। इसके तहत ऐसे छात्र जो जो जल्दी सीखने और समझने की क्षमता रखते हैं वे आसानी से इस योजना का लाभ उठाकर समय से पहले डिग्री प्राप्त कर पायेंगे। इससे मेधावी छात्रों को समय बचत होगी। इस बदलाव के कई फायदे हैं, जैसे कि छात्र कम समय में अपनी डिग्री पूरी कर पाएंगे, जिससे वे जल्दी नौकरी या उच्च शिक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं। डिग्री की अवधि कम होने से छात्रों को कम फीस देनी होगी। छात्र अपनी पढ़ाई को अपने अनुसार ढाल सकते हैं और अपनी रुचि के अनुसार विषयों का चयन कर सकते हैं।

हालांकि, इस बदलाव के कुछ चुनौतियाँ भी हैं, जैसे कि:- डिग्री की अवधि कम होने से पाठ्यक्रम में कमी आ सकती है, जिससे छात्रों को सभी महत्वपूर्ण विषयों को नहीं पढ़ने का मौका मिल पाएगा। जल्दी डिग्री पूरी करने के चक्कर में शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। अन्य देशों में ग्रेजुएशन की अवधि आमतौर पर तीन या चार साल होती है, इसलिए भारतीय डिग्री की मान्यता को लेकर कुछ सवाल उठ सकते हैं।

क्या यह बदलाव सही है?

यह एक जटिल सवाल है जिसका जवाब व्यक्तिगत राय पर निर्भर करता है। कुछ लोगों का मानना है कि यह बदलाव छात्रों के हित में है क्योंकि इससे उन्हें समय और पैसा बचेगा। वहीं, कुछ लोगों का मानना है कि यह बदलाव शिक्षा की गुणवत्ता को प्रभावित कर सकता है।

यह बदलाव क्यों?

वैश्विक प्रतिस्पर्धा: भारतीय छात्रों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार करना। रोजगार के अवसर: छात्रों को जल्दी रोजगार प्राप्त करने में मदद करना। उच्च शिक्षा में सुधार: उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और पहुंच में सुधार करना।

इस बदलाव के क्या प्रभाव हो सकते हैं?

सकारात्मक प्रभाव:- छात्रों को जल्दी रोजगार मिल सकता है। उच्च शिक्षा अधिक किफायती हो सकती है। उच्च शिक्षा में अधिक विविधता आ सकती है। नकारात्मक प्रभाव: शैक्षणिक गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। कुछ छात्रों को जल्दबाजी में डिग्री पूरी करने के लिए दबाव महसूस हो सकता है।

विभिन्न विश्वविद्यालयों में नए नियमों का क्रियान्वयन अंतर-विश्वविद्यालय भिन्नता: विभिन्न विश्वविद्यालयों ने यूजीसी के नए नियमों को अलग-अलग तरीकों से अपनाया है। कुछ विश्वविद्यालयों ने इन नियमों को पूरी तरह से लागू कर दिया है, जबकि अन्य ने अभी भी कुछ बदलावों को लागू करना शुरू किया है। पाठ्यक्रम में बदलाव: कई विश्वविद्यालयों ने अपने पाठ्यक्रमों में बदलाव किए हैं ताकि वे कम समय में अधिक से अधिक विषयों को कवर कर सकें। सेमेस्टर सिस्टम: कई विश्वविद्यालयों ने सेमेस्टर सिस्टम को अपनाया है ताकि छात्रों को अधिक लचीलापन मिल सके और वे अपनी पढ़ाई को अपने अनुसार ढाल सकें। ऑनलाइन शिक्षा: कई विश्वविद्यालयों ने ऑनलाइन शिक्षा को बढ़ावा दिया है ताकि छात्र कहीं से भी और कभी भी पढ़ सकें।

समर्थन में तर्क-लचीलापन और छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण: कई विशेषज्ञों का मानना है कि ये नियम उच्च शिक्षा को अधिक लचीला और छात्र-केंद्रित बनाएंगे। छात्र अपनी गति से पढ़ाई कर सकेंगे और अपनी रुचि के अनुसार विषयों का चयन कर सकेंगे।

समय और धन की बचत: विशेषज्ञों का मानना है कि इन नियमों से छात्रों का समय और धन दोनों बचेगा। वे कम समय में अपनी डिग्री पूरी कर पाएंगे और जल्दी नौकरी या उच्च शिक्षा के लिए आवेदन कर सकेंगे।

अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप: कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि ये नियम भारतीय उच्च शिक्षा को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बनाएंगे।

नवाचार को बढ़ावा: ये नियम विश्वविद्यालयों को नए पाठ्यक्रम और शिक्षण विधियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे, जिससे नवाचार को बढ़ावा मिलेगा।

आलोचना में तर्क---शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होना: कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि इन नियमों से शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होगी। छात्रों को कम समय में अधिक पाठ्यक्रम पूरा करना होगा, जिससे उनकी समझ कमजोर हो सकती है। पाठ्यक्रम में कटौती: डिग्री की अवधि कम होने से कई महत्वपूर्ण विषयों को पाठ्यक्रम से हटाना पड सकता है। अन्यायपूर्ण प्रतिस्पर्धा: कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि ये नियम उन छात्रों के लिए अन्यायपूर्ण होंगे जो धीमी गति से पढ़ते हैं या जिनकी व्यक्तिगत परिस्थितियां उन्हें पूरी तरह से पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने से रोकती हैं। अंतरराष्ट्रीय मान्यता: कुछ विशेषज्ञों को चिंता है कि इन नियमों से भारतीय डिग्री की अंतरराष्ट्रीय मान्यता कम हो सकती है।

छात्रों की प्रतिक्रिया :- मिश्रित प्रतिक्रियाएं: छात्रों की प्रतिक्रियाएं मिश्रित रही हैं। कुछ छात्रों को लगता है कि नए नियमों से उन्हें समय और पैसा बचेगा, जबकि अन्य छात्रों को लगता है कि शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होगी। चुनौतियाँ: कई छात्रों को पाठ्यक्रम में बदलाव और अधिक काम के बोझ के कारण मुश्किलें आ रही हैं। अवसर: कुछ छात्रों को नए नियमों के कारण नए अवसर मिल रहे हैं, जैसे कि जल्दी नौकरी या उच्च शिक्षा के लिए आवेदन करने का मौका।

अन्य देशों में उच्च शिक्षा के लिए समय सीमा

अधिकांश विकसित देशों में ग्रेजुएशन की अवधि तीन या चार साल होती है। हालांकि, कुछ देशों में दो साल की ग्रेजुएट डिग्री भी उपलब्ध हैं। यहां कुछ उदाहरण दिए गए हैं: संयुक्त राज्य अमेरिका: अधिकांश अमेरिकी विश्वविद्यालयों में ग्रेजुएशन की अवधि चार साल होती है। यूनाइटेड किंगडम: यूके में कई विश्वविद्यालय तीन साल की ग्रेजुएट डिग्री प्रदान करते हैं। ऑस्ट्रेलिया: ऑस्ट्रेलिया में भी अधिकांश विश्वविद्यालय तीन साल की ग्रेजुएट डिग्री प्रदान करते हैं। भारत की तुलना: भारत में ग्रेजुएशन की अवधि कम करने से भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली अन्य देशों की उच्च शिक्षा प्रणाली से अधिक प्रतिस्पर्धी बन सकती है।

मान्यता: हालांकि, यह भी ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि भारत की डिग्री को अन्य देशों में मान्यता मिलती है या नहीं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता क्या है।

यूजीसी के नए नियमों पर विशेषज्ञों की राय

यूजीसी के नए नियमों को लेकर विशेषज्ञों की राय काफी विविध है। कुछ विशेषज्ञ इन नियमों का समर्थन करते हैं तो कुछ इनकी आलोचना करते हैं। आइए जानते हैं विभिन्न विशेषज्ञों के क्या विचार हैं:-

विभिन्न मत: विशेषज्ञों की राय भी इस मामले में विभाजित है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि नए नियम छात्रों के हित में हैं, जबकि अन्य विशेषज्ञों का मानना है कि शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होगी।

चिंताएं: कई विशेषज्ञों को इस बात की चिंता है कि जल्दी डिग्री पूरी करने के चक्कर में छात्रों को व्यावहारिक अनुभव और कौशल हासिल करने का पर्याप्त मौका नहीं मिलेगा।

सुझाव: विशेषज्ञों ने सुझाव दिया है कि विश्वविद्यालयों को नए नियमों को लागू करते समय छात्रों की जरूरतों और क्षमताओं को ध्यान में रखना चाहिए।

निष्कर्ष:--यूजीसी के नए नियमों ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक नई बहस छेड़ दी है। यह बदलाव छात्रों, विश्वविद्यालयों और विशेषज्ञों सभी के लिए एक चुनौती है। यह समय के साथ ही पता चलेगा कि ये नए नियम छात्रों के लिए फायदेमंद साबित होते हैं या नहीं। यह छात्रों, विश्वविद्यालयों और समाज पर दीर्घकालिक प्रभाव डालेगा।

-प्रो. अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय,
विभागाध्यक्ष राजस्थान
विश्वविद्यालय

वासुदेव देवनानी का राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के सम्मेलन से लौटने पर नागरिक अभिनंदन

'ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, सिंगापुर और जापान की यात्रा में भारतवंशियों, विदेशियों और खासकर राजस्थानियों का बड़ा स्नेह मिला'

अजमेर, (कासं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का आस्ट्रेलिया में राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के सम्मेलन एवं इंडोनेशिया, जापान व सिंगापुर के स्टडी टूर से लौटने पर शुक्रवार को अजमेर में भव्य स्वागत किया गया। देवनानी जिले के पहले व्यक्ति हैं, जिन्होंने राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के सम्मेलन को सम्बोधित किया। उनके लौटने पर बड़ी संख्या में समर्थक व आमजन जुटे।

जानकारी के अनुसार विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का शुक्रवार को अजमेर लौटने पर विजयलक्ष्मी पार्क में नागरिक अभिनंदन किया गया। दर्जनों समाजों, संस्थाओं, हजारों समर्थकों ने उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए देवनानी ने कहा कि राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के सम्मेलन में भारत, राजस्थान, अजमेर और खासकर अजमेर उत्तर के प्रतिनिधि के रूप में शामिल होना, सम्बोधन करना मेरे लिए गर्व की बात है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज पूरे विश्व में भारत की पहचान एक सशक्त राष्ट्र के रूप में है। भारतीयों को आज पूरे विश्व में एक अलग सम्मान और स्नेह प्राप्त है।

देवनानी ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, सिंगापुर और जापान की यात्रा में भारतवंशियों, विदेशियों और खासकर राजस्थानियों का बड़ा स्नेह मिला। इन सभी देशों में भारतीय संस्कृति को बड़े सम्मान और आदर के रूप में देखा जाता है। जापान में रासलीला, कत्थक एवं कालबेलिया नृत्य बड़े प्रचलित हैं। इसी तरह सिंगापुर यूनिवर्सिटी में भी भारतीयता की झलक दिखाई दी। इंडोनेशिया व ऑस्ट्रेलिया में भी भारतीयता पूरी तरह सम्मानित नजर आई। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में भारतीय लोकतंत्र सबसे मजबूत लोकतंत्र है। जिस तरह भारत में मानवता, समानता और आपसी प्रेम है, वह इन देशों में भी देखने को मिला। उन्होंने कहा कि भारतीय लोगों से इतना प्रेम करते हैं इन चारों देशों में सत्रह दिन की यात्रा में प्रतिदिन किसी न किसी भारतवासी के निवास पर बना भोजन ही किया। यह अतिथि देवो भव: की हमारी विपुल संस्कृति है जो विदेशों में भी कायम है। लोग घरों से टिफिन बना कर लाते थे। इन देशों में भारतीय आध्यात्म, योग एवं सनातन धर्म का भी विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि मैं आजीवन देश, समाज, राजस्थान और अजमेर उत्तर के लोगों की सेवा करता रहूंगा।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का अजमेर में स्वागत किया गया।

- **विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी जिले के पहले व्यक्ति हैं, जिन्होंने राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के सम्मेलन को सम्बोधित किया है**
- **जिस तरह भारत में मानवता, समानता और आपसी प्रेम है, वह इन देशों में भी देखने को मिला : वासुदेव देवनानी**

देवनानी का अजमेर आगमन पर किशनगढ़ में सभापति दिनेश सिंह, गेगल टोल पर महेन्द्र सिंह रावत, यूनिवर्सिटी तिराहे पर रमेश सोनी एवं अमित भंसाली ने समर्थकों के साथ सहित जिले की कई संस्थाओं और सामाजिक संगठनों ने स्वागत किया।

हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन की बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन, जोधपुर के पदाधिकारियों की बैठक एसोसिएशन के अध्यक्ष रतनाराम ठोलिया की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया।

- **बैठक में उच्च न्यायालय में न्यायाधिपतिगणों की नियुक्त किये जाने का निवेदन करने सहित विभिन्न मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया**

अध्यक्ष रतनाराम ठोलिया ने बताया कि बैठक में प्रमुख रूप से राजस्थान उच्च न्यायालय में स्वीकृत पदों के अनुरूप न्यायाधिपतिगणों की नियुक्ति नहीं होने से न्याय प्राप्ति में हो रही देरी को दृष्टिगत रखते हुए राष्ट्रपति, सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति एवं उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति के नाम से प्रतिवेदन प्रेषित कर उच्च न्यायालय में न्यायाधिपतिगणों की नियुक्त किये जाने का निवेदन किया गया। साथ ही उल्लेखित किया गया कि आगामी वर्ष में लगभग चार से पांच न्यायाधिपति सेवानिवृत होंगे जिससे नियुक्त न्यायाधिपतिगणों की संख्या में ओर कमी होगी इसलिये शीघ्रता से ही नये न्यायाधिपतिगणों की नियुक्ति की जाये, जिससे मुवकिलों को शीघ्रता से न्याय प्राप्त हो सके।

बैठक में किराया अधिकरण के न्यायालय के संबंध में विचार-विमर्श करते हुए उच्च न्यायालय प्रशासन को प्रतिवेदन प्रेषित किया गया, जिसमें मांग की गई कि वर्तमान में किराया अधिकरण का एक ही न्यायालय कार्यरत है, लेकिन किराया अधिकरण के मामलों की संख्या को दृष्टिगत रखते हुए सभी मामलों की समय पर सुनवाई नहीं हो पाती, जिससे मामलो में अनावश्यक रूप से देरी होती है व मुवकिलों को न्याय प्राप्ति में बाधा उत्पन्न होती है, इसलिये जोधपुर महानगर न्याय क्षेत्र के लिए एक अतिरिक्त किराया अधिकरण के न्यायालय का गठन किया जाये।

इस अवसर पर आयोजित बैठक के दौरान एसोसिएशन के अध्यक्ष रतनाराम ठोलिया, उपाध्यक्ष धीरेन्द्र दाधीच, महासचिव शिवलाल बरवड़, सहसचिव विजेन्द्र पुरी, पुस्तकालय सचिव कांता राजपुरोहित, कोषाध्यक्ष विमल कुमार माहेश्वरी सहित कई अधिवक्ता उपस्थित रहे।

पशुपालक की 59 भेड़ों को जंगली जानवर ने मारा

घटना की जानकारी मिलने पर पटवारी ने मौका मुआयना किया

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर जिले के खुईयाला गांव की कायम की ढाणी के एक पशुपालक की 59 भेड़ों को किसी जंगली जानवर ने मार डाला। घटना के दो दिन बाद पशुपालक रोजे खान को जानकारी मिलने पर उसके होश उड़ गए। रोजे खान की एक साथ 59 भेड़ों को मार डालने से उस पर रोजी-रोटी का संकट आ गया है। वहीं अन्य पशुपालक भी इससे दहशत में है।

खुईयाला गांव की कायम की ढाणी के पशुपालक रोजे खान पुत्र सुमार खान ने बताया कि उनकी 72 भेड़ें थी, जो चरने के लिए खुईयाला के निकट चारागाह की तरफ गई थी। दो दिन बीतने के बाद भी जब भेड़ें वापस नहीं लौटी तो भेड़ों की तलाश शुरू की। खुईयाला से करीब तीन किलोमीटर दूर एक स्थान पर बड़ी संख्या में भेड़ें मृत पाई गई, जिनके शरीर को पूरी तरह से नोचा हुआ था। यह मंजर देख कर उसके होश उड़ गए। रोजे खान ने आशंका जताई कि उनकी भेड़ों को किसी जंगली जानवर ने अपना शिकार बनाया है। रोजे खान ने जब भेड़ों की गिनती की तो 72 में से 59 भेड़ें मृत पाई गई। खुईयाला क्षेत्र के पशु पालकों को जब इस घटना का पता चला तो उनमें भी डर व्याप्त हो गया है। पशुपालकों ने जिला प्रशासन से अज्ञात जंगली जानवर का पता लगाकर राहत दिलाने की गुहार लगाई है। घटना की जानकारी मिलने पर पटवारी आदि ने मौका मुआयना कर मामले की जानकारी ली।

सार-समाचार

बच्ची को सर्जरी से दी सुंदर मुस्कान

उदयपुर, (कासं)। दांतों की सुन्दरता केवल सौंदर्य का सवाल नहीं, बल्कि एक स्वास्थ्य संबंधी जरूरत बन गई है। बढ़ती हुई डेंटल समस्याओं के साथ ऑर्थोडॉन्टिक ट्रीटमेंट (ब्रेसेस) का चलन बढ़ता जा रहा है। और ऐसी ही समस्या से पीडित एक 18 वर्षीय लड़की को ऑर्थोडॉन्टिक ब्रेसेस और ली फोर्ट 1 ऑस्टियोटॉमी सर्जरी के माध्यम से सुन्दर और स्वस्थ मुस्कान दी हैबेदला स्थित पेसिफिक डेन्टल कॉलेज एण्ड रिसर्च सेन्टर एवं पीएमसीएच की टीम ने। दसअसल यह लडकी कटे तालु से जुड़ी कार्यात्मक और सौंदर्य संबंधी समस्या से पीड़ित थी। लडकी की मैक्सिलरी कमियों को ठीक करने और चेहरे की समरूपता में सुधार करने के लिए ली फोर्ट 1 ऑस्टियोटॉमी सर्जरी की गई। इस सफल इलाज में पेसिफिक डेंटल कॉलेज और रिसर्च सेंटर की सर्जिकल टीम ने ऑर्थोडॉन्टिक्स विभाग डॉ.पीयूष बोल्या के मार्गदर्शन में ऑर्थोडॉन्टिक ब्रेसिज उपचार सफलतापूर्वक किया, इसके बाद कटे होंठ और कटे तालु एवं जबडे की विकृति और चेहरे की समरूपता के सुधार के लिए ली फोर्ट 1 ऑस्टियोटॉमी सर्जरी की गई जिसमें बर्न,कॉस्मेटिक एवं प्लास्टिक सर्जन डॉ.गुरूभूषण, मैक्सिलोफेशियल सर्जन डॉ.प्रियंक राय, ऐनिस्थिशिया विभाग के डॉ.प्रकाश औदिच्य, डॉ.स्वाति शर्मा, मनोज, पायल और जिमी की टीम का सहयोग रहा। ऑर्थोडॉन्टिक्स विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ.पीयूष बोल्या ने बताया कि यह सर्जरी मरीज की ठीक से चबाने, बोलने और सांस लेने की क्षमता को बढाने के साथ चेहरे के समग्र सौंदर्य में सुधार के लिए महत्वपूर्ण है। मैक्जिलरी ली फोर्ट 1 ऑस्टियोटॉमी एक उन्नत सर्जिकल प्रक्रिया है, जिसका उपयोग ऊपरी जबडे (मैक्जिला) की संरचनात्मक समस्याओं को ठीक करने के लिए किया जाता है। यह सर्जरी मुख एवं दंत चिकित्सा में क्रांति लाने वाली प्रक्रियाओं में से एक मानी जाती है। बच्ची के परिजनों ने पीएमसीएच के चेयरमैन राहुल अठावाल,सभी चिकित्सकों, मैनेजमेंट, नर्सिंग कर्मियों व स्टॉफ का आभार जताया।

हत्यारे को गिरफ्तार करने की मांग

उदयपुर, (कासं)।शहर के समीप नाई थाना क्षेत्र के 26 अक्टूबर को एक युवक की हत्या कर दी थी। पुलिस द्वारा अभी तक हत्यारे को गिरफ्तार नहीं करने पर कलाल समाज में आक्रोश व्याप्त है और इसी को लेकर समाज के लोगों ने कलेक्ट्री पर प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया। जानकारी के अनुसार पन्नालाल पूर्बिया की पिछले माह 26 अक्टूबर को उंदरी में हत्या हो गई थी। हत्यारे की अभी तक गिरफ्तारी नहीं होने से कलाल समाज में भारी रोष व्याप्त हैं। नवंबर को कलाल समाज ने प्रशासन को ज्ञापन दिया था और शीघ्र गिरफ्तार करने की मांग की गई थी, परंतु करीब एक माह बीत जाने के बाद भी किसी की गिरफ्तारी नहीं होने से कलाल समाज में भारी रोष व्याप्त है। शुक्रवार को कलाल समाज के महिला एवं पुरुषों ने कलेक्ट्रेट के सामने धरना प्रदर्शन दिया एवं हत्यारे को शीघ्र गिरफ्तार की मांग की। पूर्बिया समाज उदयपुर ईकाई अध्यक्ष दिनेश पूर्बिया व चौधरी मेवाडा समाज के केन्द्रीय अध्यक्ष लोकेश चौधरी के नेतृत्व में पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाडा को ज्ञापन दिया और शीघ्र ही हत्यारे को गिरफ्तार करने की मांग की गई। इस मौके पर हरीश सुहालका, सुर्य प्रकाश पूर्बिया, नोजी राम पूर्बिया, मुकेश पूर्बिया, नन्द लाल पूर्बिया, मोहन लाल पूर्बिया, रेवंती लाल पूर्बिया, कमल पूर्बिया सहित कई लोग उपस्थित थे।

हादसे में युवक की मौत, एक घायल

उदयपुर, (कासं)। शहर के सविना थाना क्षेत्र में ट्रोले की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस के अनुसार रूपेश कुमार (24) पुत्र शिवाजी दास निवासी भगवानपुर वेनी उर्फ गंगापुर वेनी बिहार जो अपने अन्य साथियों के साथ सूर्या नगर तितरडी में रहता था और डाकनकोटडा में एक फैक्ट्री में मजदूरी करता था। यह युवक 19 नवम्बर को अपने एक साथी जितेन्द्र के साथ बाईक पर सवार होकर डाकनकोटडा से अपने कमरे की ओर आ रहा था। इस दौरान रास्ते में डाकनकोटडा पैट्रोल पंप के पास में सामने से तेजगति में आ रहे ट्रोले ने इसे टक्कर मार दी, जिससे बाईक सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को एमबी चिकित्सालय लेकर गए, जहां पर उपचार के दौरान रूपेश कुमार की मौत हो गई। जितेन्द्र घायलावस्था में भर्ती है। मृतक के परिजनोंके आने पर एएसआई नवीन ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

खेर की लकड़ी से भरा ट्रक जब्त

उदयपुर, (कासं)। शहर के समीप टीडी थाना पुलिस ने एक ट्रक में अवैध रूप से परिवहन कर ले जाई जा रही 10 टन खेर की लकडी के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी फैलीराम ने बताया कि सूचना मिली कि एक ट्रक में अवैध रूप से खैर की लकडी परिवहन कर ले जाई जा रही है। इस सूचना पर थानाधिकारी के नेतृत्व में हैड कांस्टेबल करतार सिंह, कांस्टेबल चन्द्र कुमार, गजेन्द्र, पुष्पराज, नेमीचंद की टीम ने नाकाबंदी की। नाकाबंदी के दौरान एक ट्रक आता दिखा जिसे रुकवाने का प्रयास किया तो चालक ने ट्रक को भगाने का प्रयास किया गया। जिसका पिछा कर रूकवाकर ट्रक में सवार लोगों से पूछताछ की तो चालक ने अपना नाम वारिश निवासी तिजारा व उसके पास बैठे व्यक्ति ने अपना नाम राहुल खान निवासी रामगढ अलवर होना बताया। ट्रक के उपर से तिरपाल को हटाकर देखा तो अंदर खैर की गीली लकडी का भरी थी। पुलिस ने दोनो को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है।

रास्ते जाते युवकों से मारपीट

उदयपुर, (कासं)। शहर के सूरजपोल थाना क्षेत्र में एक युवक ने तीन युवको के खिलाफ रोककर मारपीट करने का मामला दर्ज करवाया है। जानकारी के अनुसार प्रकाश पुत्र शंकर ने रिपोर्ट दी कि वह अपने एक साथी के साथ बापू बाजार से होकर निकल रहा था। इस दौरान हमारे पीछे से तीन लडके आएख जिनमे एक का नाम भावेश व दुसरे का नाम कमलेश था। उसके साथ एक दो ओर बदमाश थे। इन चारों ने उसे बख्तावर लाल हॉस्पीटल बापू बाजार के सामने उसे रोका मारपीट कर दी। शोर मचाने पर मौके पर लोग एकत्रित हो गए और लोगों को एकत्रित होता देखकर आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राष्ट्रीय एकता व अखंडता को बनाए रखने का महत्व बताया

राजसमंद, (निसं)। विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने जिले के डुमखेडा (महासतियों की मादडी), बिनोल और गाछालों का गुडा (सुंदरचा) गांवों के दौरे के दौरान राष्ट्रीय एकता और अखंडता को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बंटेंगे तो कटेंगे का संदेश इतिहास की सच्चाई है। जब-जब देश बंटा है, तब-तब यह खंडित हुआ है। आज का संदेश है कि एक रहेंगे, सेफ रहेंगे। एक रहेंगे, सेफ रहेंगे का मंत्र आज जन-जन की आवाज बन चुका है। यह केवल नारा नही, बल्कि हर भारतीय की सुरक्षा और समृद्धि की गारंटी है।

> ■ माहेश्वरी ने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगियों की नीतियां राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए घातक हैं

राजसमंद के गचालो का गुडा (सुन्दरचा) में विधायक दीप्ति माहेश्वरी (बीच में) ने देवनारायण मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शिरकत की।

विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने कांग्रेस और उसके गठबंधन सहयोगियों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वे अंग्रेजों और मुस्लिम आक्रांताओं की बांटो और राज करो की नीति पर चल रहे हैं। उन्होंने ग्रामवासियों को कांग्रेस की हिंदू द्रोह की नीति से सतर्क रहने का आव्हान किया और कहा कि यह नीति देश की एकता और अखंडता के लिए घातक है। उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास इस बात का गवाह है कि जब हम बंटे, तो हमने अपनी संप्रभुता और अखंडता को खोया। आज जरूरत है कि हम एकजुट रहें और राष्ट्र विरोधी षड्यंत्रों से सावधान रहें। डुमखेडा (महासतियों की मादडी), बिनोल और गाछालों का गुडा (सुंदरचा) गांवों के दौरे पर विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने कांग्रेस और उसके गठबंधन सहयोगियों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति के कारण ये पार्टियां कट्टरपंथी जिहादी विचारों का समर्थन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि ये दल हिंदू सभ्यता और संस्कृति के प्रतीक चिन्हों का षड्यंत्र पूर्वक अपमान कर रहे हैं। जिससे देश की सांस्कृतिक जडों पर प्रहार हो रहा है।

एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे और बटेंगे तो कटेंगे का संदेश इन जिहादी राजनीति करने वालों को विचलित कर रहा है। विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने ग्रामवासियों को आगाह करते हुए कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगियों की नीतियां राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए घातक हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास इस बात का साक्षी है कि जब भी देश को बांटा गया तब-तब इसकी संप्रभुता और अखंडता को गहरी चोट पहुंची है। माहेश्वरी ने कहा कि जिहादी विचारधारा का समर्थन करने वाली यह राजनीति केवल समाज को विभाजित करने और अपनी सत्ता की लालसा पूरी करने के लिए की जा रही है। उन्होंने ग्रामवासियों से इन षड्यंत्रों से सावधान रहने और देश की एकता व अखंडता को मजबूत बनाए रखने की अपील की।

ओरा फोटोग्राफी केम्प आज से

उदयपुर, (कासं)। योगा प्राणा एनर्जी रिसर्च चेरिटेबल फाउन्डेशन, अहमदाबाद की ओर से उदयपुर में पहली बार 23 और 24 नवंबर को ओरा फोटोग्राफी केम्प का आयोजन किया जा रहा है। फाउंडेशन के धवल ढोलकिया ने बताया कि ओरा फोटोग्राफी के माध्यम से हम बीमारी से पहले बीमारी के संकेत के बारे में पता कर सकते हैं। इस तकनीक को एक रुसी वैज्ञानिक ने इजाद किया है।

यह फोटोग्राफी एक मशीन के माध्यम से होती है। इसमें शरीर के सभी अंगों की अंदरुनी फोटोग्राफी होने के बाद शरीर के सभी अंगों की रिपोर्ट तैयार की जाती है। रिपोर्ट यह बताती है कि आपके शरीर के किस अंग में क्या कमजोरी है और आने वाले वक्त में क्या बीमारी हो सकती है। इससे पहले से ही प्राणायम, योगासन या अन्य विधा से हम अपना इलाज शुरु कर बीमारी को रोकने के लिए जागरुक हो सकते हैं। यह कैंप सुबह 10 बजे से नटराज डाइनिंग हॉल के पीछे होटल ओप्युलेंस इन में आयोजित होगा।

बैठक सम्पन्न

उदयपुर, (कासं)। श्री लक्ष्मीनारायण युवा परिषद कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक अशोक नगर स्थित कार्यालय पर सम्पन्न हुई। संस्थापक हीरालाल एवं परिषद अध्यक्ष जमनाशंकर धुलावत ने बताया कि लक्ष्मीनारायण का अन्नकूट महोत्सव 1 दिसम्बर को लक्ष्मीनारायण भगवान मंदिरमें करने की चर्चा कर समितियों का गठन कर कार्य सौंपा।

मोगरा को नारी शक्ति अवार्ड

उदयपुर, (कासं)। इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ मटीरियल्स मैनेजमेन्ट की नेशनल अवार्ड कमेटी ने नेशनल काउंसलर प्रिया मोगरा को नारी शक्ति 2024 अवार्ड से सम्मानित किया । राष्ट्रीय स्तर का यह अवार्ड मोगरा को दूसरी बार प्राप्त हुआ है। विगत 5 वर्ष के इतिहास में प्रिया मोगरा प्रथम महिला हैं जिन्हें आईआईएमएम की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति में भी सम्मिलित होने के गौरव प्राप्त हुआ है।

अवार्ड समारोह में बेस्ट चेयरमैन अवार्ड आईआईएमएम की उदयपुर शाखा को मिला और अनिल मिश्रा मुख्य महाप्रबन्धक जेके टायर को सम्मानित किया गया।एससीएम के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए अविनाश भटनागर को प्रतिष्ठित मेम्बरशिप अवार्ड से सम्मानित किया। भिवाडी में आयोजित इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ मटीरियल्स मैनेजमेन्ट् के स्वर्ण जयन्ति वर्ष समारोह एवं राष्ट्रीय सम्मेलन नेटकॉम 2024 के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष एल.आर. मीणा द्वारा यह अवार्ड प्रदान किए गए। इस समारोह में देश के लगभग 500 वरिष्ठ सप्लाई चेन मैनेजमेन्ट प्रोफेशनल्स, पदाधिकारी एवं आईआईएमएम के सदस्य सम्मिलित हुए।

बैठक स्थगित

उदयपुर, (कासं)। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में 23 नवम्बर को उदयपुर में प्रस्तावित बैठक अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दी गई है। अतिरिक्त संभागीय आयुक्त छोगाराम देवासी ने बताया कि 23 नवम्बर को सुबह 10 बजे मुख्य सचिव की अध्यक्षता में प्रस्तावित उदयपुर एवं बांसवाड़ा संभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक अपरिहार्य कारणों से अग्रिम आदेशों तक स्थगित कर दी गई।

'जीवन में आगे बढ़ने के लिए लक्ष्य निर्धारित कर कार्य करें'

प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए।

बांसवाड़ा, (निसं)। हर आदमी को जीवन में सफलता की ओर जाने के लिए लक्ष्य निर्धारित कर उस दिशा में सकारात्मक सोच के साथ काम कर आगे बढना चाहिए। केन्द्र सरकार की इच्छाशक्ति और संकल्पशक्ति के कारण ही असंभव लगने वाले लक्ष्य भी अब पूर्ण हो रहे हैं। यह उद्‌गार बांसवाडा पंचायत समिति के प्रधान बलवीर सिह रावत ने व्यक्त किए।

रावत केंद्रीय संचार ब्यूरो, क्षेत्रीय कार्यालय-डूंगरपुर, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से बांसवाड़ा शहर में 20 नवम्बर से चल रही विकसित भारत 2047 मल्टीमीडिया प्रदर्शनी के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। उन्होने विकसित भारत बानाने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हर नागरिक को अपनी भागीदरी निभानी होगी।

> ■ सांस्कृतिक प्रस्तुति से योजनाओं का संदेश दिया

समापन समारोह के प्रारंभ में सहायक निदेशक रामेश्वर लाल मीणा ने मल्टीमीडिया प्रदर्शनी के आयोजन का उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए प्रदर्शनी में पिछले तीन दिनों के दौरान की गई विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होने बताया की बांसवाड़ा शहर में संचालित सभी सरकारी विधालयो, महाविद्यालयों, नर्सिंग कॉलेज, नगर निगम के कार्मिको, महिला एवं बाल विकास विभाग की कार्यकर्ताओ, सहायिकाओ, महिला अधिकारिता विभाग की साथिनो, एनसीसी, स्काउट गाइड, एनएसएस सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियो, जिला प्रशासन के अधिकारियों ने सहयोग किया संचालन और आभार क्षेत्रीय प्रचार सहायक नरेश कुमार ने किया। प्रदर्शनी के दौरान लगभग 20 प्रतियोगिता तथा 12 संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। इसके अलावा प्रदर्शनी में केन्द्र एवं राज्य सरकार के अनेक विभागों कृषि विभाग, जिला परिषद, भारतीय डाक विभाग, जिला अग्रणी बैंक, महिला एवं बाल विकास विभाग, सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग, महिला अधिकारिता विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्टाल लगाई गई स्टालो पर नियुक्त कर्मियों को विभाग की तरफ से स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। विभाग के पंजीकृत दल माही लोक कला मंडल के कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर सरकारी योजनाओं का संदेश दिया।

सार-समाचार

सूने फ्लैट से जेवरात व नकदी चोरी

उदयपुर, (कासं)। शहर के सुखेर थान क्षेत्र में भुवाणा स्थित राजकमल होटल के पीछे कमलश्री अपार्टमेंट के थर्ड फ्लोर स्थित फ्लैट में शुक्रवार को दिनदहाडे बदमाशों ने घर में घुसकर लूट कर दी। बदमाशों ने इस फ्लैट से लाखों के जेवरात और नकदी लेकर भागने ही वाले थे कि घर में रहने वाली महिला आ गयी। बदमाशों ने महिला के साथ मारपीट की उनका पर्स भी छीन लिया और फिर उन्हें धक्का देकर घर से लूटे जेवर व नकदी लेकर फरार हो गए। महिला के चिल्लाने पर पडोसी आए, महिला को उठाया। बाद में पुलिस मौके पर पहुँची। पुलिस अपार्टमेंट में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज से बदमाशों को चिह्नित करने का प्रयास कर रही है।मिली जानकारी के अनुसार पीडिता भुवाणा स्थित कमलश्री अपार्टमेंट के थर्ड फ्लोर के 301 फ्लैट निवासी ज्योति शर्मा ने बताया कि उनके पति सुभाष शर्मा पेसिफिक हॉस्पिटल भीलों के बेदला में ऑपरेशन थिएटर इंचार्ज हैं। शुक्रवार को पति काम से भीलवाडा गए थे, बच्चा स्कूल गया था। सुबह करीब 11 बजे महिला कुछ सामान लेने घर पर ताला लगाकर निकलीं। वे एक घंटे में करीब 12 बजे सामान लेकर वापस आयीं और जैसे ही घर में दरवाजे पर पहुंची और टूटा हुआ ताला देखा तो घबरा गई। महिला ज्योति ने जैसे ही घर के अंदर जाने के लिए दरवाजा खोला तो अंदर से एकदम से बदमाश बाहर निकले। ज्योति ने उन्हें पकडने का प्रयास किया तो बाहर निकले दोनों बदमाशों ने महिला के साथ मारपीट कर उनका पर्स छीना और धक्का देकर वहां से फरार हो गए। महिला के चिल्लाने की आवाज सुनकर पडोसी आए तो महिला ने पूरी घटना बतायी। महिला घर के अंदर गई तो पूरे घर का सामान बिखरा हुआ था और बदमाश अलमारी के रखे जेवर-नकदी भी लूट ले गए। पडोसियों ने पुलिस को सूचना दी।

समोर बाग में सजा तिब्बती बाजार

उदयपुर, (कासं)।सर्दी को लेकर अब उदयपुर शहर के समोर बाग में तिब्बती मार्केट सज गया है। उदयपुर के स्थानीय लोगों के साथ ही टूरिस्ट भी खरीददारी कर रहे है। यहां बाजार लगाने वाले बरसों से इस सीजन में यहां आ रहे है। करीब 57 दुकान लगी है। वेडिंग सीजन में भी सर्दी को लेकर विंटर वियर्स की मांग ज्यादा है। समोर बाग में गर्म कपडों के सबसे बडे तिब्बती मार्केट में लोग नइ-नई वैरायटी खरीदने पहुंचने लगे हैं। सुबह 8.30० बजे से रात 10 बजे तक बाजार खुला रहता है। तिब्बती मार्केट के अध्यक्ष शाओ के अनुसार हर साल फैशन का ट्रेंड बदलता है। ऐसे ही गर्म कपडों में भी बडा बदलाव आता है। वे बताते है कि हम भी पूरे साल इस ट्रेंड के मुताबिक नए कपडे तैयार करते हैं। यहां हर एज ग्रुप के लिए ट्रेंडिंग कपडे हैं। शाओ धोनदूप ने बताया पार्टी वेयर ड्रेसेस में वन पीस के साथ लॉन्ग फ्रेंच कोट या ओवर साइज नीटेड स्वेटर्स हैं।

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर

टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001

दुरभाष स. 0294-2421255, 2420013, Helpline no.0294-2426262 वेबसाइट- www-udaipurmc.org

क्रमांकः- एस.के./2024.25/01/204 दिनांक :- 21.11.24

ई-बोली आमन्त्रण सूचना संख्या-ई- 01/2024-25

नगर निगम उदयपुर द्वारा विभिन्न अवसरों पर आवश्यकता अनुसार, अल्पाहार, भोजन व पानी के केम्परो की आपूर्ति कार्य की दर संविदा हेतु निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा की अनुमानित लागत 30.00 लाख है। ऑनलाइन निविदा फार्म मिलने की प्रारंभ दिनांक 25.11.24 अंन्तिम दिनांक 05.12.24 तथा खुलने की दिनांक 06.12.24 रहेगी।

UBN No. UNP2425WSRC00140

राज.संवाद/सी/24/8154

आयुक्त
नगर निगम, उदयपुर

Vidya Bhawan Society, Udaipur
(Vidya Bhawan Polytechnic College, Udaipur DANIDA IWRM Project)

Ref No.-VBP/DANIDA/FCRA/63 Dated:23-11-2024

Tender Notice

Vidya Bhawan Society, Udaipur invites open tender quotations from eligible manufacturers for one of each (1) Multi-Probe Sensor and (2) Colorimeter for water quality testing with required accessories for the IWRM DANIDA Project of Vidya Bhawan Polytechnic College, Udaipur, submit till 30 Nov.2024 by 5.00 PM. Full specifications and details are available at https://vidyabhawan.in/.
Contact: [9414386148], [Dashora.yogita@gmail.com].

ऋण वसूली प्राधीकरण

पहली मंजिल, सुधर्मा ।।, लाल कोठी शापिंग सेन्टर, टोंक रोड, जयपुर-302015

केस नं. ओए/770/2024

एक्ट के सैक्शन 19 के सब सैक्शन (4) ऋण वसूली प्राधीकरण (प्रक्रिया) नियम, 1993 के साथ पठित के तहत सम्मन

ईएक्सएच.नं. 13201

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लि.
बनाम
मै.जय लक्ष्मी फर्नीचर उद्योग

प्रेषित,
1. मै. जय लक्ष्मी फर्नीचर उद्योग, कार्यालय, मकान नं.23, कल्याण विहार, भीलाडी माता के पास, एच पी गैस गोदाम के पास, गिरवा, उदयपुर, राजस्थान-313001
2. दिलीप शर्मा पुत्र बसन्ती लाल शर्मा, निवासी मकान नं.23, कल्याण विहार, भीलाडी माता के पास, एच पी गैस गोदाम के पास, गिरवा, उदयपुर, राजस्थान-313001
3. कुसुम शर्मा पत्नी दिलीप शर्मा, निवासी मकान नं. 23, कल्याण विहार भीलाडी माता के पास, एच पी गैस गोदाम के पास, गिरवा, उदयपुर, राजस्थान-313001

सम्मन

जैसा कि, ओए/770/2024 माननीय पीठासीन अधिकारी/रजिस्ट्रार के समक्ष 05.08.2024 को सूचिबद्ध था,
जैसा कि, यह माननीय प्राधीकरण आपके खिलाफ रु. 9890022/- (आवेदन तथा दस्तावेजों की प्रतियाँ आदि संलग्न) के ऋण की वसूली के लिये, एक्ट के सैक्शन 19(4) के तहत दायर अकत आवेदन (ओ.ए.) पर सम्मन / नोटिस जारी करता है।
एक्ट के सैक्शन 19 के सब सैक्शन (4) के अनुसार, आप प्रतिवादी को निम्न अनुवाद निर्देशित किया जाता है-
(i) सम्मन प्राप्त होने के तीस दिन में कारण बताये कि प्रार्थना की गयी राहत क्यों नहीं दी जाये।
(ii) आवेदक द्वारा मूल आवेदन में क्रम संख्या 3ए के तहत वर्णित सम्पत्तियों तथा परिसम्पतियों के अतिरिक्त अन्य सम्पत्तियों अथवा परिसम्पत्तियों के विवरण प्रकट करें।
(ii) सम्पत्तियों की कुर्की के लिये किये गये आवेदन की सुनवायी तथा निस्तारण के लम्बित रहते सिक्योर्ड सम्पत्तियों अथवा मूल आवेदन में क्रम संख्या 3ए के तहत वर्णित अन्य परिसम्पत्तियों तथा सम्पत्तियों का लेन-देन अथवा बिक्री करने से आप प्रतिबन्धित है।
(iv) किसी भी परिसम्पत्ति जिन पर सिक्योर्ड हित बन चुका है, तथा/अथवा मूल आवेदन में क्रम संख्या 3ए के तहत वर्णित अथवा प्रकट अन्य परिसम्पत्तियों तथा सम्पत्तियों को आप व्यापार की सामान्य प्रक्रिया के अलावा, बिक्री, लीज अथवा अन्य प्रकार से प्राधीकरण की पूर्व अनुमति के बिना, ट्रांसफर नहीं करेंगे।
(v) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में सिक्योर्ड परिसम्पत्तियों अथवा अन्य परिसम्पत्तियों तथा सम्पत्तियों बिक्री के लिये तथा ऐसी बिक्री राशी को ऐसी परिसम्पत्तियों पर सिक्योर्ड हित रखने वाले बैंक अथवा वित्तीय संस्थान के खाते में जमा कराने के लिये आप उत्तरदायी होंगे।
आपको निर्देशित किया जाता है कि लिखित जवाब दायर करें व उसकी प्रति आवेदक को उपलब्ध करें तथा रजिस्ट्रार के समक्ष 24.01.2025 को प्रातः 10.30 बजे उपस्थित हो, अन्यथा आवेदन आपकी अनुपस्थिति में सुचना जायेगा व निर्णय किया जायेगा।
इस प्राधीकरण की सील तथा मेरे द्वारा इस तिथी 17.08.2024 को जारी किया गया।

रजिस्ट्रार
ऋण वसूली प्राधीकरण, जयपुर

गांव के शहरीकृत क्षेत्रों को नगर निगम सीमा में शामिल कर जनता को राहत दे सरकार : चौधरी

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर नगर निगम सीमा के पास की पेरा.फेरी क्षेत्र की पंचायतों को परिसीमन कर नगर निगम में शामिल करने की मांग को लेकर शुक्रवार को उदयपुर देहात जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा राजस्थान के मुख्यमंत्री को जिला कलेक्टर के माध्यम से ज्ञापन दिया गया।

उदयपुर देहात जिला कांग्रेस प्रवक्ता डॉ संजीव राजपुरोहित ने बताया कि वर्षो से लंबित इस मांग को लेकर आज उदयपुर देहात जिला कांग्रेस अध्यक्ष कचरू लाल चौधरी के नेतृत्व में उदयपुर देहात जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा ज्ञापन दिया गया।ज्ञापन में मांग राज्य सरकार से मांग करते हुए कहा कि आज इन पेरा फेरी की पंचायतों में नगर विकास प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत कॉलोनियों में हजारों स्थानीय निवासी निवास कर रहे है। लेकिन पंचायतों के पास फंड के अभाव में ये कॉलोनीवासी मूलभूत सुविधाओं जैसे पानी एवं सडक से वंचित है। ऐसे में इन कॉलोनियों का विकास तभी संभव है जब इन शहरीकृत क्षेत्रों को परिसीमन में नगर निगम की सीमा में शामिल कर लिया जाए और अधिकांश ग्राम पंचायतों ने इसके लिए अपनी स्वीकृति भी दे दी है। अब सिर्फ राज्य सरकार को चाहिए कि वो आने वाले नगर निगम चुनाव से पहले नगर निगम का परिसीमन कर इन पंचायतों को नगर निगम की सीमा में लेने का आदेश प्रदान करे जिससे कि इन क्षेत्रों का समुचित विकास हो सके। ज्ञापन देने के बाद मीडिया को अपना वक्तव्य देते हुए उदयपुर देहात जिला कांग्रेस अध्यक्ष कचरू लाल चौधरी ने कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदेश में स्थानीय निकाय चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी गई है। लेकिन राज्य सरकार की ओर से निकायों के परिसीमन को लेकर अब तक कोई प्रक्रिया शुरू नहीं करी गई है। जबकि नगर निगम की ओर से वर्ष 2012 में ही राज्य सरकार को शहरी सीमा विस्तार के प्रस्ताव भिजवाए जा चुके है। और उदयपुर नगर निगम की सीमा का विस्तार अंतिम बार 1969 में हुआ था। पिछले 55 वर्षो से शहर की सीमा का विस्तार नहीं हुआ है। जबकि पिछले दस से पंद्रह वर्षो से शहर से नजदीक बसी हुई ग्राम पंचायतों का शहरीकरण हो चुका है। और ग्राम पंचायतों के पास समुचित विकास फंड ना होने के कारण इन क्षेत्रों का विकास भी नहीं हो पा रहा है। और इन ग्राम पंचायतों के जनप्रतिनिधियों द्वारा नगर निगम सीमा में शामिल किए जाने की मांग भी कई बार की जा चुकी है। विकसित ग्राम पंचायतों को नगर निगम सीमा में शामिल ना किए जाने से लोगों को कई परेशानियों का सामना करना पड रहा है। ऐसे में परिसीमन कर इन सीटों को नगर निगम की सीमा में शामिल करने से ही विकास हो पाएगा।

> ■ उदयपुर देहात जिला कांग्रेस कमेटी ने ज्ञापन दिया

उदयपुर देहात जिला कांग्रेस प्रवक्ता डॉ संजीव राजपुरोहित ने अपने वक्तव्य में कहा कि इन क्षेत्रों में कालोनीवासियों को अपनी मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पडता है। किसी समस्या के निवारण के लिए निगम में जाने पर उस क्षेत्र को पंचायत में होने का हवाला देकर टाल दिया जाता है और पंचायतों के पास इतना फंड नहीं होता कि वो रोड लाइटए नल कनेक्शन और कचरा निस्तारण के लिए उचित व्यवस्था कर सके।

फतह स्कूल में सुबह 8 बजे शुरू होगी मतगणना

उदयपुर, (कासं)। विधानसभा उपचुनाव-2024 के तहत मतगणना 23 नवम्बर को सुबह 8 बजे से प्रारंभ होगी। सलूम्बर विधानसभा की गणना पीएमश्री राजकीय फतह उच्च माध्यमिक विद्यालय सूरजपोल में होगी। इसके लिए जिला निर्वाचन अधिकारी अरविन्द पोसवाल के निर्देशन में समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी दीपेंद्रसिंह राठौड़ ने बताया कि मतगणना के लिए गणना स्थल पर माकूल बंदोबस्त किए गए हैं। मतगणना स्थल के गेट नंबर 1 से सभी नियोजित अधिकारियों, गणना कार्मिकों का प्रवेश होगा। वहीं गेट 2 से राजनैतिक दलों के गणना एजेंट सहित अन्य के प्रवेश की व्यवस्था रहेगी। डाक मत पत्रों की गिनती सुबह 8 बजे प्रारंभ होगी। इसके लिए 2 टेबल लगाई है।

सहायक रिटर्निंग अधिकारी के निर्देशन में प्रत्येक टेबल पर एक माइक्रो आब्जर्वर, 1 गणन पर्यवेक्षक एवं 2 गणन सहायक नियुक्त किए गए हैं। ईवीएम से गणना के लिए 14 टेबल लगाई हैं। प्रत्येक टेबल पर एक माइक्रो आब्वर्जर, एक गणन पर्यवेक्षक एवं एक गणन सहायक नियुक्त रहेंगे। सलूम्बर विधानसभा की गणना 22 राउण्ड में पूर्ण होगी। मतगणना स्थल पर सुरक्षा के माकूल बंदोबस्त किए गए हैं। मतगणना स्थल पर सिर्फ अधिकृत व्यक्तियों को ही प्रवेश दिया जाएगा।

GRAM PANCHAYAT OFFFICE TIDI, PANCHAYAT SAMITI GIRWA (UDAIPUR)

LETTER NO.: 2024-25/58 DATE: 22.11.2024

E-TENDER NOTICE

E-Tender Notice are invited for goods. Details about Tender Specification, cost, EMD, tender inviting and receiving dates etc. available at http://sppp.rajasthan.gov.in and https://eproc.rajasthan.gov.in/.

UBN NO. - ZUD2425GLRC01705

SARPANCH
Gram Panchayat TIDI
P.S. GIRWA

झुंझुनूं में पोस्टमार्टम के बाद युवक के जिंदा होने का मामला : युवक की जयपुर ले जाते मौत

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक डॉ. पवन पूनियां ने आदर्श नगर में मां सेवा संस्थान द्वारा संचालित एमआर होम का निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार की

झुंझुनूं, (निसं)। जिले के सबसे बड़े अस्पताल राजकीय जिला बीडीके हॉस्पिटल में डॉक्टरों की लापरवाही सामने आई है। जहां पर एक जिंदा युवक को मृत बताकर ना केवल उसका कागजी पोस्टमार्टम कर दिया गया, बल्कि दो घंटे तक डीप फ्रीजर में रखकर उसका अंतिम संस्कार करने तक की तैयारी कर ली। लेकिन मुक्ति धाम में जब चिता पर लैटाने के बाद युवक के शरीर में हलचल हुई तो हड़कंप मच गया। आनन-फानन में उसे पहले झुंझुनूं के आईसीयू में भर्ती करवाया गया, जहां पर हालत खराब होने पर देर रात को जयपुर एसएमएस के लिए रैफर किया गया, लेकिन बीच रास्ते में ही युवक ने दम तोड़ दिया।

डॉक्टरों की लापरवाही पर सरकार ने भी गंभीरता दिखाते हुए राजकीय बीडीके अस्पताल के पीएमओ डॉ. संदीप पचार के अलावा इस युवक की जांच कर इसे मृत घोषित करने वाले चिकित्सक डॉ. योगेश जाखड़ तथा कागजी पोस्टमार्टम कर उसे डीप फ्रीजर में रखवाने वाले डॉ. नवनीत मील को सस्पैंड कर बॉर्डर इलाकों जैसलमेर, बाड़मेर और जालौर लगा दिया।

शुक्रवार को इस मामले में दिनभर जांच का दौर चलता रहा। सुबह सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक डॉ. पवन पूनियां ने आदर्श नगर में मां सेवा संस्थान द्वारा संचालित एमआर होम का निरीक्षण किया और रिपोर्ट तैयार की। इस मामले में मां सेवा संस्थान की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे है, जिसकी जांच करवाने के लिए भी जिला कलेक्टर रामावतार मीणा द्वारा कहा गया है। जिला कलेक्टर मीणा ने बताया कि इस मामले में जांच कमेटी गठित कर दी है। साथ ही मां सेवा संस्थान की जांच करने के लिए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता

- **झुंझुनूं शहर के जोधपुरिया परिवार ने इस युवक की पहचान अपने बलबीर जोधपुरिया के रूप में की है, जिसकी शिनाख्त करवाने के लिए कोतवाली पुलिस और परिजन रवाना**

विभाग के निदेशक को निर्देश दिए हैं। उप निदेशक समाज कल्याण को भी संस्थान में जाकर जांच के आदेश दिए गए हैं। कलेक्टर ने बताया कि चिकित्सकों ने तो लापरवाही करी ही है। लेकिन इस मामले में मां सेवा संस्थान की भूमिका संदिग्ध लग रही है। मानसिक विमंदित व्यक्ति की तबियत बिगड़ने, उसका कागजी पोस्टमार्टम कराने तथा दाह संस्कार करने की तैयारी तक में मां सेवा संस्थान के कर्मचारियों और पदाधिकारियों ने जो जल्दबाजी की है, वो संदेह के घेरे में आती है, इसलिए सभी बिंदुओं की जांच की जाएगी और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

वहीं मां सेवा संस्थान के सचिव बनवारीलाल सैनी ने कहा है कि रोहिताश को 28 सितंबर को बगड़ पुलिस ने यहां छोड़ा था, जो लावारिस था, हमने हमारी जिम्मेदारी पूरी की है, कर्तव्य निवर्हन किया है।

इधर देर शाम को इस मामले में पुलिस व सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग का फेलियोर भी सामने आया। जानकारी के अनुसार झुंझुनूं की पुलिस लाइन के सामने रहने वाले जोधपुरिया परिवार के सदस्यों ने इस युवक को लेकर अपना दावा किया है। हालांकि युवक की मौत हो चुकी है, जिसका शव जयपुर के एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में रखा गया है। झुंझुनूं शहर के जोधपुरिया परिवार ने इस युवक की पहचान अपने बलबीर जोधपुरिया के रूप में की है, जिसकी शिनाख्त करवाने के लिए कोतवाली पुलिस और परिजन रवाना हो गए है। यदि शिनाख्त में यह बलबीर ही निकलता है तो पुलिस और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की लापरवाही भी सामने आएगी, क्योंकि बलबीर के परिजनों का दावा है कि उन्होंने बलबीर की गुमशुदगी की रिपोर्ट करीब एक साल पहले ही कोतवाली में दे दी थी। बावजूद इसके बगड़ पुलिस को लावारिस हालत में जब बलबीर उर्फ रोहिताश मिला तो उसके परिजनों की तलाश नहीं की गई। वहीं सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने भी एक लावारिस व्यक्ति का पारिवारिक पुनर्वास करवाने की जहमत नहीं उठाई। गौरतलब है कि कल के अन्य अखबारों में युवक का नाम रोहिताश्व छपा था, जो गलत है।

इधर, इस मामले में परिजनों ने पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा से मुलाकात की। गुढ़ा ने कहा है कि इस मामले में दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। नाम मात्र की तीन चिकित्सकों पर कार्रवाई की गई है, जबकि पूरा का पूरा बीडीके अस्पताल बर्खास्त होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस एमआर होम में बलबीर उर्फ रोहिताश रहता था। उसकी भी जांच होनी चाहिए, क्योंकि वहां पर उसे शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना दी गई है। सीसीटीवी फुटेज जब्त होने चाहिए। अब तक जो भी लावारिस वहां पर रह रहे हैं या फिर जो मृत हुए हैं, उन्हें लेकर भी न्यायिक जांच होनी चाहिए। गुढ़ा ने कहा कि चिकित्सा मंत्री को भी एक मिनट तक इस पद पर रहने का अधिकार नहीं है।

उपभोक्ता मामलात के प्रमुख शासन सचिव वीसी के जरिये सुनवाई में पेश हुए

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय की खंडपीठ के मुख्य न्यायाधीश मनींद्र मोहन श्रीवास्तव और न्यायाधीश मुन्नूरी लक्ष्मण के समक्ष खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामलात के प्रमुख शासन सचिव सुबीर कुमार वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए।

उन्होंने न्यायालय को बताया कि जिला उपभोक्ता आयोग और राज्य उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों के 87 रिक्त पदों की भर्ती का विज्ञापन जारी कर दिया गया है और लिखित परीक्षा 11 जनवरी को आयोजित कर 28 फरवरी तक नियुक्तियां जारी कर दी जाएगी। खंडपीठ ने इस पर आगामी पेशी 3 मार्च तय की। राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन की ओर से दायर जनहित याचिका पर बहस करते हुए अधिवक्ता अनिल भंडारी ने कहा कि पिछले एक

- **खंडपीठ के समक्ष खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामलात के प्रमुख शासन सचिव सुबीर कुमार वीसी के जरिए पेश हुए**

दो साल से राज्य उपभोक्ता आयोग में तीन न्यायिक सदस्य, 4 गैर न्यायिक सदस्य और जिला उपभोक्ता आयोग में जोधपुर में दो अध्यक्ष सहित 21 अध्यक्ष और जोधपुर में चार सदस्य सहित 59 सदस्यों के रिक्त पदों को भरने के वास्ते राज्य सरकार बिल्कुल भी रुचि नहीं ले रही है और आठ नवंबर को खंडपीठ द्वारा प्रमुख शासन सचिव को न्यायालय में हाजिर होने के आदेश के दूसरे दिन ही उन्होंने 87 पदों की रिक्तियां घोषित कर ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित कर लिए। लेकिन परीक्षा तिथि और भर्ती की कोई समय सारिणी नहीं बताई गई।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की ओर से भर्ती प्रक्रिया पर पूर्णतया बैरुखी अपनाने की वजह से राज्य के अधिकांश उपभोक्ता आयोग में न्यायिक कार्रवाई पूरी तरह बाधित हो रही है। उपभोक्ता मामलात विभाग के प्रमुख शासन सचिव सुबीर कुमार खंडपीठ के इस सवाल पर निरुत्तर ही रहे कि खंडपीठ के एक साल से लगातार आदेश के बावजूद उन्होंने रिक्तियां घोषित क्यों नहीं की। उन्होंने न्यायालय को विश्वास दिलाया कि 11 जनवरी को लिखित परीक्षा आयोजित कर 28 फरवरी तक नियुक्तियां जारी कर दी जाएंगी। राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता और वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश पंवार तथा हाइकोर्ट की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. सचिन आचार्य ने पैरवी की।

मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने बहस के दौरान कहा कि यह अफसोसजनक स्थिति है कि एक साल से आदेशों के बावजूद सरकार ने रिक्तियों पर कोई कार्रवाई नहीं की और जैसे ही प्रमुख शासन सचिव को न्यायालय के समक्ष हाजिर होने का आदेश जारी किया और दूसरे ही दिन एकाएक रिक्तियां घोषित कर दी गई। उन्होंने कहा कि जबकि देश के कई राज्य उपभोक्ता आयोग में भर्तियां समयानुसार पूर्ण कर चुके हैं। उन्होंने अतिरिक्त महाधिवक्ता और प्रमुख शासन सचिव सुबीर कुमार के इस आश्वासन पर कि उपभोक्ता आयोगों में अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्तियां आगामी 28 फरवरी तक पूर्ण हो जाएगी, आगामी पेशी 3 मार्च तय की।

इंस्टाग्राम हैक कर वीडियो अपलोड किया

बीकानेर, (निसं)। सोशल मीडिया पर वायरल होने की कोशिश कई बार परेशानी में फंसा देती है। ऐसा ही एक मामला बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ में देखने को मिला है, जहां एक नाबालिग युवती के एकाउंट को युवक ने हैक कर लिया। सेरूणा पुलिस थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग युवती का इंस्टाग्राम अकाउंट 15 नवंबर को किसी हैकर ने हैक कर लिया। युवती के इंस्टाग्राम के फोटो-वीडियो डाउनलोड कर एडिटिंग कर वायरल करने की धमकी दी। 16 साल की लड़की से नगदी की डिमांड की। परेशान युवती के पिता ने थाने पहुंच कर पुलिस से हैकर के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की गुहार लगाई है।

मामले की जांच कर रहे थानाधिकारी इंद्र कुमार ने बताया कि साइबर सेल एक्टिव हो गया है और अज्ञात हैकर की जानकारी ली जा रही है। नए कानूनों में साइबर क्राइम के मामलों में सख्त सजा के प्रावधान निर्धारित किए गए है जिसमें सजा का दायरा भी बढ़ गया है।

- **16 साल की लड़की को ब्लैकमेल कर रुपयों की डिमांड की**
- **युवती के पिता ने थाने पहुंच कर हैकर के खिलाफ कार्रवाई की गुहार लगाई**

नाबालिग छात्रा के एकाउंट को हैक कर उस पर वीडियो भी अपलोड कर दिया। जांच अधिकारी इंद्र कुमार ने बताया कि ये वीडियो आपत्तिजनक है। ऐसे में उसे परिजनों ने सूचना दी कि ये गलत वीडियो अपलोड हुआ। देखने पर पता चला कि लड़की ने ऐसा नहीं किया था। किसी अज्ञात ने इंस्टाग्राम हैक करके ये वीडियो अपलोड कर दिया। पुलिस ये पता लगा रही है कि लड़की के यूजर आईडी और पासवर्ड चोरी करके ये काम किया गया या फिर हैक किया गया।

बस की टक्कर से एक की मौत

सादुलपुर, (निसं)। सिद्धमुख थाने के गांव धानोठी छोटी निवासी एक व्यक्ति की चैनपुरा छोटा के पास बस की टक्कर लगने से मौत हो गई।

सिद्धमुख थानाधिकारी रामकरण सिद्धू ने बताया कि नरेश कुमार पुत्र जयसिंह जाट निवासी धानोठी छोटी पुलिस थाना सिद्धमुख जिला चूरु ने शुक्रवार को सिद्धमुख थाने में मामला दर्ज करवाया है कि 21 नवम्बर को सांय नरेश कुमार एवं उसका रिश्ते में भाई प्रदीप कुमार दोनों सड़क किनारे चैनपुरा छोटा से लगभग 200 मीटर की दूरी पर खड़े थे। उसी दौरान राजगढ़ से भादरा की ओर आ रहे वाहन को साइड देने के लिये मूल रोड से लगभग नीचे उतार कर उसके साथ खड़े उसके भाई को टक्कर मारकर पैरों के ऊपर से बस को निकाल दिया और बस ड्राइवर पेपसिंह बस को भगाकर ले गया। बस को रुकाने की कोशिश भी की गयी, फिर भी बस के ड्राइवर ने दुबारा भागने की कोशिश तथा बस को भागने में सफल भी हो गया।

रजिस्ट्री की प्रतिलिपि के बदले ली थी रिश्वत, एसीबी ने दोषी माना

बीकानेर, (निसं)। एसीबी ने पंजीयन एवं मुद्रांक कार्यालय के वरिष्ठ सहायक को जमीन की रजिस्ट्री की प्रमाणित प्रतिलिपि देने के बदले 1000 रुपए की रिश्वत लेने का दोषी माना है। उसके खिलाफ कोर्ट में चालान पेश कर दिया गया। लूणकरणसर में बामनवाली निवासी परिवादी वासुदेव शर्मा ने 24 जुलाई, 23 को एसीबी में रिपोर्ट दी थी कि उसके पिता पूर्णाराम के नाम सोढ़ावाली हलके किस्तुरिया गांव में रही भूमि की रजिस्ट्री की प्रमाणित प्रतिलिपि लेनी थी। इसके लिए वह पंजीयन एवं मुद्रांक कार्यालय के अभिलेख कक्ष प्रभारी आशीष तंबोली से मिला। उसने एक प्रतिलिपि के 500 रुपए के हिसाब से 1500 रुपए की रिश्वत मांगी। एसीबी ने इसका सत्यापन करवाया तो सौदा 1000 रुपए में तय हो गया। 28 जुलाई को ट्रैप किया गया। परिवादी अभिलेख कक्ष में गया, जहां आरोपी आशीष ने 1000 रुपए अपनी टेबल पर रखवा लिए। एसीबी की टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। मुकदमा दर्ज होने के बाद मामले की विस्तृत जांच में आरोपी को दोषी माना और उसके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण न्यायालय की कोर्ट में चालान पेश कर दिया। एसीबी ने ट्रेप की कार्रवाई पिछले साल की थी। एक साल से इस मामले में जांच चल रही थी।

45 किलो डोडा-चूरा के साथ भटिंडा के तीन तस्कर गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के सुभाष नगर थाना क्षेत्र के अजमेर चौराहे पर चित्तौड़ की ओर से पंजाब की ओर तस्करी कर ले जाया जा रहा 45 किलो डोडा-चूरा के साथ भटिंडा के तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है।

सुभाष नगर थाना प्रभारी शिवराज गुर्जर ने बताया कि डीएसटी टीम के एएसआई अय्यूब मोहम्मद ने सूचना दी कि अजमेर चौराहे पर तीन संदिग्ध व्यक्ति खड़े हैं जो डोडा-चूरा तस्कर हो सकते हैं। इस सूचना के आधार पर सुभाष नगर थाना अधिकारी टीम के साथ मौके पर पहुंचे जहां पर बस के इंतजार में खड़े तीन व्यक्ति रिछपाल सिंह, लभजीत सिंह और निक्का सिंह मिले, जिनसे पूछताछ की तो तीनों ने खुद को भटिंडा का रहने वाला बताया। उनके पास चार बैग थे, जिसमें क्या है इसके बारे में जब जानकारी चाही तो वह संतोषप्रद जवाब नहीं दे पाए। जिस पर पुलिस ने बैग की तलाशी

पुलिस ने डोडा-चूरा के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया।

ली तो उसमें डोडा-चूरा भरा हुआ मिला। पुलिस ने डीएसटी टीम के एएसआई अय्यूब मोहम्मद की मौजूदगी में मौके पर ही डोडा-चूरा का वजन करवाते हुए तीनों तस्करों को गिरफ्तार कर अवैध डोडा चूरा जब्त किया। जब्त किया डोडा-चूरा 45 किलो है जिसकी अनुमानित कीमत करीब एक लाख रुपये बताई जा रही है।

शादी का झांसा देकर युवती के साथ दुष्कर्म करने का आरोपी गिरफ्तार

सांभरझील, (निसं)। सोशल मीडिया पर दोस्ती कर नौकरी लगाने व शादी करने का झांसा देकर दुष्कर्म करने के मामले में सांभर थाना पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी रोहित पुत्र भागमल जट निवासी भिंडूसी थाना तिजारा जिला खैरथल अलवर का रहने वाला है।

आनंद शर्मा जिला पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना सांभरलेक पर युवती को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के संबंध मे प्रकरण दर्ज होने व मामला महिला अत्याचार से संबंधित होने पर शीघ्र कार्रवाई कर आरोपी को गिरफ्तार करने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश पर अति. पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय), जिला जयपुर ग्रामीण रजनीश पूनिया व पुलिस उप अधीक्षक अनुपम मिश्रा के सुपरविजन मे राजेश कुमार वर्मा थानाधिकारी पुलिस थाना सांभरलेक के नेतृत्व में टीम का गठन किया। टीम ने आरोपी के संबंध में तकनीकी सहायता ली जाकर एवं आसूचना संकलन कर अभियुक्त रोहित

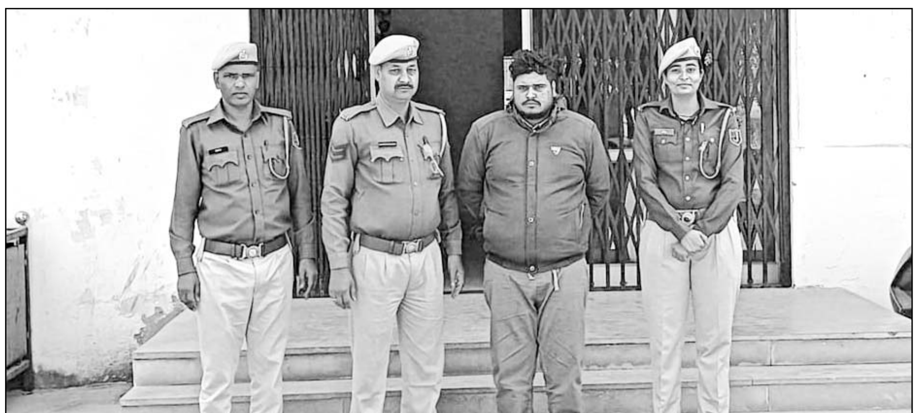

सांभर थाना पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार किया।

को गिरफ्तार किया।

थाना अधिकारी राजेश कुमार वर्मा ने बताया कि राजेश व पुलिंदा गठित टीम द्वारा सोशल मीडिया पर युवती को नौकरी लगाने एवं शादी करने का झांसा देकर दुष्कर्म करने एवं नौकरी लगाने का झांसा देकर करीबन 2 लाख रूपये हड़पने के अभियुक्त रोहित को अलवर से गिरफ्तार किया। आरोपी पहले सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अनजान युवतियों से दोस्ती कर उन्हें सरकारी नौकरी लगाने का झांसा देकर जानकारी बढ़ाकर रूपये हड़पता है, फिर उन्हें शादी को झांसा देकर दुष्कर्म कर दुष्कर्म का वीडियो वायरल करने की धमकियां देकर रूपये हड़पता है। पुलिस ने अभियुक्त से मोबाइल व दो सिम बरामद बरामद की है। पुलिस की ओर से अनुसंधान हेतु जांच की जा रही है।

कार्यालय नगर विकास न्यास, पाली
जिला कलेक्ट्रेट परिसर, पाली
फोन नं. 02932-223222 ई मेल- uitpali@gmail.com
क्रमांक: न्या.पा./निविदा/2024/11945008 दिनांक 22.11.2024

ई-निविदा सूचना संख्या-20/2024-25

नगर विकास न्यास, पाली की और से न्यास/राजकीय विभाग में नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल कार्यों हेतु ऑन-लाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है, इन कार्यों की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण https://eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है तथा न्यास कार्यालय, पाली में कार्य दिवस के दौरान भी देखी जा सकती है।

कार्य	यू.बी.एन नम्बर (sppp.rajasthan.gov.in)
सिविल कार्य	ITP2425WSOB00037

राज.संवाद/सी/24/8158 अधिशाषी अभियन्ता

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, खण्ड सवाई माधोपुर
राजकीय आयुर्वेद औषधालय के पास, सामान्य चिकित्सालय परिसर, सवाई माधोपुर
फोनः 07462-233169, email-eemhswm@gmail.com
क्रमाक : 1830 ई-टेन्डिरिंग निविदा सूचना 20/2024-25 दिनांक : 18/11/24

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत राज्य के स. माधोपुर, बूंदी व गंगापुरसिटी में विभिन्न स्थानों पर रू. 927.00 लाख के 23 निर्माण कार्य/विद्युत कार्य हेतु राजस्थान सरकार के समकक्ष उपयुक्त श्रेणी में विद्युत कार्य/निर्माण कार्य हेतु सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेब साईट www.dipronline.Org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता हैं।
MHS2425WSOB03924, MHS2425WSOB03925, MHS2425WSOB03926, MHS2425WSOB03927
MHS2425WSOB03928, MHS2425WSOB03929, MHS2425WSOB03930, MHS2425WSOB03931
MHS2425WSOB03932, MHS2425WSOB03934, MHS2425WSOB03935, MHS2425WSOB03936
MHS2425WSOB03938, MHS2425WSOB03939, MHS2425WSOB03940, MHS2425WSOB03941
MHS2425WSOB03942, MHS2425WSOB03943, MHS2425WSOB03944, MHS2425WSOB03945
MHS2425WSOB03947, MHS2425WSOB03948, MHS2425WSOB03949
DIPR/C/11526/2024 अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, खण्ड सवाई माधोपुर

राजस्थान सरकार
कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, धौलपुर
जिला परिषद के पीछे, बाडी रोड, धौलपुर-328001 दूरभाष 05642-220763
Email-deo.dholpur.excise@rajasthan.gov.in
क्रमांकः-351 दिनांकः-12-11.2024

जब्त शुदा वाहनों की नीलामी सूचना

इच्छुक बोली दाताओं को सूचित किया जाताहै कि राजस्थान आबकारी अधिनियम 1950 के तहत राजसात किये गये जब्त शुदा वाहनों की सार्वजनिक नीलामी दिनांक 26.11.2024 को प्रातः 11 बजे से कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, धौलपुर पता जिला परिषद के पीछे, बाड़ी रोड़, धौलपुर-328001 पर रखी गई है। नीलामी किये जाने वाले वाहनों को विस्तृत विवरण (यथा वाहनों प्रकार, मॉडल/मैक इत्यादि) SPPP वेबसाईट https://sppp.rajasthan.gov.in और विभागीय वेबसाईट https://excise.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
DIPR/C/11482/2024 (घनश्याम शर्मा) जिला आबकारी अधिकारी, धौलपुर

Government of Rajasthan
Office of the Member Secretary, Rajasthan Medicare Relief Society, Barmer
Mail id-pmo.barmer@gmail.com
Sr.no./Barmer/DH/Acct/2024/3013 Date: 18.1124

Notice Inviting Bid no.- 3012/18.11.2024

Bids for Rate Contract for Orthopedic Implants at government hospital barmer are invited from interested bidders up to 20/12/2024, 11.00 AM. Other Particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in, http://eproc.rajasthan.gov.in) of the state. approximate value of the procurement is Rs. 240 lacs.
UBN. NO. - MHS2425GLRC03963 Member Secretary Rajasthan Medicare Relief Society, Barmer
DIPR/C/11602/2024

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग, खण्ड फालना
E-mail:- eephedfalna@yahoo.com, Ph.: 02938-233684

-: ई-निविदा सूचना 101/2024-25:-

राजस्थान के सरकार के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु सार्वजनिक निर्माण विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं अन्य मान्यता प्राप्त ठेकेदारों से मोहरबन्द निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा दिनांक 09.12.2024 को मध्यान्ह पश्चात् 2.00 बजे तक ऑनलाईन बेची जाकर, उसी दिनांक को मध्यान्ह पश्चात् 2.00 बजे तक ऑनलाईन प्राप्त की जाकर उसी दिनांक को दोपहर 03.30 बजे तक उपस्थित ठेकेदारों या उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष ऑनलाईन खोली जाने की कार्यवाही की जायेगी। धरोहर राशि फालना में देय किसी भी बैंक के Demand Draft/ ई-ग्रास चालान के रूप में स्वीकार्य होगी। उक्त निविदा की नियम व शर्तें http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
शर्त- 1. निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार निम्न हस्ताक्षरकर्ता के पास होगा। 2. निविदा बेचने एवं प्राप्ति के दिन यदि राजकीय अवकाश होगा तो निविदा दूसरे दिन बेची व प्राप्त की जायेगी।

NIT No.	UBN No.
101	PHE2425WSOB06222

DIPR/C/11551/2024 (महेन्द्र सिंह राठौड) अधिशाषी अभियन्ता जन. स्वा. अभि. विभाग, खण्ड फालना

जयपुर विकास प्राधिकरण
इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांक : जविप्रा/व.उ.वि./2024-25/डी-682 दिनांक : 22.11.2024

अल्पकालीन बिड आमंत्रण सूचना
बिड संख्या - व.उ.वि./2024-25/38

जयपुर विकास प्राधिकरण वरिष्ठ उद्यानविज्ञ में "Beautification and maintenance of Jawahar Circle outer ring and near by link roads for one year (Including watch and ward)" कार्य जिसकी लागत रू. 104.38 लाख के लिए दिनांक 25.11.2024 सायं 6.00 बजे तक ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण जो कि निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है, अद्योहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में अथवा राजस्थान सरकार के उपापन पोर्टल www.sppp.raj.nic.in व www.eproc.rajasthan.gov.in एवं जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट www.jda.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
(UBN No. JDA2425WSOB00384)
निविदादाता को निविदा में भाग लेने हेतु आवश्यक है कि :-
1. जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट www.jda.rajasthan.gov.in पर पंजीकृत हो। निविदा शुल्क व आर.आई.एस.एल. प्रक्रिया शुल्क केवल ऑन लाईन ही देय होगी। बोली प्रतिभूति ऑनलाईन अथवा बैंक गारन्टी के द्वारा दी जा सकती है।
2. ऑन लाईन निविदा में भाग लेने हेतु राजस्थान सरकार के पोर्टल www.eproc.rajasthan.gov.in पर पंजीकृत हो।
राज.संवाद/सी/24/8201 वरिष्ठ उद्यानविज्ञ

राजस्थान सरकार
निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर
क्रमांक-निदे/अ.ख.अ.नीलामी/निलामी (ML VIII)/2024/ई-09117

ई-नीलामी विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के अध्याय-III के तहत विभाग के अप्रधान खनिजों के खननपट्टों के आवंटन के लिए 269 प्लॉट ई-नीलामी के माध्यम से दिये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर खुली बोली आमंत्रित की जाती है। संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है-

क्र.सं.	जिला	तहसील	ग्राम	खनिज	कुल प्लॉट
1	दूदू	दूदू	साखून	ग्रेनाईट एवं मेसेनरी स्टोन	05
2	जयपुर (ग्रामीण)	बस्सी	गढ एवं दुबली ढिढोल	मेसेनरी स्टोन व मार्बल	03
3	नीमकाथाना	उदयपुरवाटी	पचलंगी	मेसेनरी स्टोन	02
4	उदयपुर	भीण्डर	माण्डकला	क्वार्टज/ फैल्सपार	03
5	ब्यावर	रायपुर	सुमेल	क्वार्टज/ फैल्सपार	50
6	नागौर	मुण्डवा	पालडीव्यासा	मेसेनरी स्टोन	50
7	नीमकाथाना	खेतड़ी	गोविन्ददासपुरा	मेसेनरी स्टोन	10
8	चित्तोड़गढ़	बड़ी सादड़ी	निकुम्भ	मेसेनरी स्टोन	20
9	करौली	करौली	मोहनपुर	मेसेनरी स्टोन	09
10	ब्यावर	जैतारण	गुडा हेमडाई	मार्बल	08
11	केकड़ी	भिनाय	रामालिया	ग्रेनाईट व मेसेनरी स्टोन	23
12	बारां	किशनगंज	गोरधनपुरा (परानिया)	मेसेनरी स्टोन	24
13	बाड़मेर	बायतु	करनीपुरा चक चारणौत (नौसर)	मेसेनरी स्टोन	29
14	पाली	रानी	जवाली	मेसेनरी स्टोन	14
15	सीकर	दातारामगढ़	रूपपुरा	मेसेनरी स्टोन	08
16	कोटपूतली-बहरोड	विराटनगर	मैड	मेसेनरी स्टोन	01
17	चित्तौडगढ	निम्बाहेड़ा, भदेसर	बिनोता, भालोट	मेसेनरी स्टोन एवं मार्बल	10

विशेष नोटः-
1 प्लॉटों का विस्तृत विवरण, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण, ई-ऑक्शन की शर्तें विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाताकंपनी MSTC Ltd की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध है।
(भगवती प्रसाद) IAS निदेशक
DIPR/C/11547/2024

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता,
सार्वजनिक निर्माण विभाग नगर खण्ड-द्वितीय, जयपुर
क्रमांकः- 2800 दिनांक-19.11.2024

ई- निविदा सूचना संख्याः 28/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नलिखित कार्योः-

क्र. सं.	कार्य का नाम	संवेदक की श्रेणी	डिफेक्ट लाईब्लिटी	UBN No.
1	Making Accessible Building Features under Accessible India Campaigning at khanij Bhawan jaipur. (Civil work).	"D" Class (Civil work)	अनुबन्धानुसार	PWD2425 WSOB09875
2	Making Accessible Building Features under Accessible India Campaigning at khanij Bhawanjaipur. (Sanitary work).	"S-3" Class (Sanitary work)	अनुबन्धानुसार	PWD2425 WSOB09876
3	Making Accessible Building Features under Accessible India Campaigning at Trauma Hospital Building (SMS Hospital) jaipur. (Civil work).	"C" Class (Civil work)	अनुबन्धानुसार	PWD2425 WSOB09877
4	Making Accessible Building Features under Accessible India Campaigning at Trauma Hospital Building (SMS Hospital) jaipur. (Sanitary work).	"S-1" Class (Sanitary work)	अनुबन्धानुसार	PWD2425 WSOB09878
5	Making Accessible Building Features under Accessible India Campaigning at Dental Hospital jaipur. (Civil work).	"D" Class (Civil work)	अनुबन्धानुसार	PWD2425 WSOB09879
6	Making Accessible Building Features under Accessible India Campaigning at Dental Hospital jaipur. (Sanitary work)	"S-4" Class (Sanitary work)	अनुबन्धानुसार	PWD2425 WSOB09880
7	Making Accessible Building Features under Accessible India Campaigning at Gangori Hospital jaipur. (Civil work)	"C" Class (Civil work)	अनुबन्धानुसार	PWD2425 WSOB09881
8	Making Accessible Building Features under Accessible India Campaigning at Gangori Hospital jaipur. (Sanitary work).	"S-2" Class (Sanitary work)	अनुबन्धानुसार	PWD2425 WSOB09882

हेतु सम्मुख अंकित दोष निवारण एवं उनके सुधार (डिफेक्ट लाइबिलिटी पीरीयड) सहित सा.नि.वि. में उपयुक्त श्रेणी (नियमानुसार) में पंजीकृत संवेदक एवं संवेदक जो कि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, डाक एवम् दूर संचार, रेल्वे या अन्य राज्य सरकार / केन्द्रीय सरकार के अधिकृत संगठनों जो कि राजस्थान सरकार के "एए" अथवा "ए" श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित परिपत्र में ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया द्वारा निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण वेबसाइट www.dipronline.org, www.eproc.rajasthan.gov.in, http://www.pwd.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
(अशोक कुमार सिंघल) अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि. नगर खण्ड-2, जयपुर
DIPR/C/11588/2024

राज्य सरकार की पहली वर्षगांठ पर विभिन्न वर्गों को मिलेंगी सौगातें

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार के 1 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सम्पूर्ण प्रदेश में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के जरिये युवा, महिला, किसान, मजदूर सहित विभिन्न वर्गों को विकास कार्यों के लोकार्पण, शिलान्यास एवं योजनाओं का शुभारम्भ कर विशेष सौगातें दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण आयोजन की सभी तैयारियां समय से पूरा कर ली जाए।

शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राज्य सरकार का एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने उच्च अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की गतिविधियों की निरंतर समीक्षा करें, जिससे यह आयोजन सफल बन सके।

मुख्यमंत्री ने उच्च अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश के युवाओं को 1 वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रोजगार उत्सव के जरिये नियुक्ति एवं भर्तियों की सौगात दी जाएगी, इसके लिए संबंधित विभाग पूर्व में ही सभी तैयारियां सुनिश्चित कर लें। उन्होंने 'रन फॉर विकसित राजस्थान' के आयोजन में युवाओं की अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कृषक एवं पशुपालकों को दी जाने वाली विभिन्न सौगातों की समीक्षा की। शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि महिला सशक्तिकरण राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इस आयोजन में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से जरूरतमंद महिलाओं को लाभान्वित किया जाना सुनिश्चित करें।

शर्मा ने निर्देश दिए कि राज्य एवं जिला स्तर पर आयोजित होने वाली विकास प्रदर्शनियों में राज्य सरकार की उपलब्धियों, जन कल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों की सम्पूर्ण जानकारी आकर्षक तरीके से प्रदर्शित की जाए, ताकि अधिक से अधिक लोगों को इनकी जानकारी प्राप्त हो। मुख्यमंत्री ने राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान होने वाले विभिन्न लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यों की भी समीक्षा की।

बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन अभय कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोडा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव सार्वजनिक निर्माण प्रवीण गुप्ता, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) आलोक गुप्ता सहित अन्य उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

- युवा, किसान एवं महिला कल्याण हमारी प्राथमिकता : भजनलाल शर्मा
- आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के संबंध में दिए दिशा-निर्देश

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राज्य सरकार का एक वर्ष का कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की समीक्षा की। इस दौरान बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत और अतिरिक्त मुख्य सचिव अभय कुमार भी मौजूद थे।

उपचुनाव की सात विधानसभा सीटों का परिणाम आज

जयपुर। राजस्थान की सात विधानसभा सीटों पर 13 नवंबर को हुए उपचुनावों के रिजल्ट शनिवार को आएंगे। प्रदेश के 7 जिला मुख्यालयों झुंझुनूं, अलवर, दौसा, टोंक, नागौर, उदयपुर और डूंगरपुर पर सुबह 8 बजे से वोटों की गिनती शुरू होगी। सबसे पहले पोस्टल बैलट गिने जाएंगे। इसके बाद ईवीएम के वोटों की गिनती होगी। पांच सीटों पर विधायकों के सांसद बनने और दो पर विधायकों के निधन की वजह से उपचुनाव हुए हैं। इन 7 सीटों पर उपचुनाव हुए, उन में भाजपा के पास सलूंबर को छोड़कर कोई सीट नहीं थी।

दौसा सीट से कांग्रेस के मुरारीलाल मीणा, देवली-उनियारा से हरीश मीना, झुंझुनूं से बृजेंद्र सिंह ओला, खींवसर से हनुमान बेनीवाल, और चौरासी विधानसभा सीट से विधायक राजकुमार रोत के सांसद बन जाने से सीटें खाली हुई थी। सलूंबर से भाजपा विधायक अमृतलाल मीणा और रामगढ़ से कांग्रेस विधायक जुबेर खान का निधन होने की वजह से सीट खाली हुई है।

- जिला मुख्यालयों झुंझुनूं, अलवर, दौसा, टोंक, नागौर, उदयपुर और डूंगरपुर पर सुबह 8 बजे से वोटों की गिनती शुरू होगी

ईवीएम से वोटों की गिनती सुबह 8:30 बजे शुरू की जाएगी। इसके लिए, 98 टेबल लगाई गई है। सभी 7 विधानसभा क्षेत्रों के लिए कुल 141 राउंड में ईवीएम से वोटों की गिनती होगी। वोटर्स की संख्या के आधार पर 18 से 22 राउंड में गिनती होगी। 13 नवंबर 2024 को हुए मतदान में 7 सीटों पर औसतन कुल 69.72 प्रतिशत वोटिंग हुई थी।

वहीं, 2023 में विधानसभा चुनाव के दौरान इन क्षेत्रों में 74.74 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। सात सीटों में से 6 सीटों पर 2023 के विधानसभा चुनाव की तुलना में कम वोटिंग हुई थी। इन सात में सबसे ज्यादा 75 प्रतिशत से अधिक मतदान खींवसर और रामगढ़ सीट पर हुआ था।

वहीं, खींवसर सीट पर उपचुनाव में विधानसभा चुनाव 2023 से 2.13 फीसदी ज्यादा वोटिंग हुई थी। खींवसर सीट पर 2023 के मतदान प्रतिशत 73.49 की तुलना में अब उपचुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़कर 75.8 हो गया। दौसा सीट पर पिछली बार से 12.10 प्रतिशत कम वोट वोटिंग हुई थी।

झुंझुनूं बी.डी.के. अस्पताल के पी.एम.ओ. सहित तीन चिकित्सक निलम्बित

जयपुर। झुंझुनूं के राजकीय बीडीके अस्पताल की आपातकालीन इकाई में एक जीवित युवक को मृत घोषित करने के प्रकरण को स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही मानते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देश पर विभाग ने सख्त एक्शन लिया है। प्रकरण में झुंझुनूं कलक्टर द्वारा गठित जांच कमेटी की रिपोर्ट पर विभाग ने प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. संदीप पचार, डॉ. योगेश कुमार जाखड़ एवं डॉ. नवनीत मील को तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया गया है। साथ ही मामले की विस्तृत जांच के लिए चार सदस्यीय कमेटी भी गठित कर दी गयी है।

प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने बताया कि राज्य सरकार ने प्रकरण को बेहद गंभीरता से लेते हुए संयुक्त निदेशक जयपुर जोन डॉ. नरोत्तम शर्मा की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय कमेटी गठित की है। कमेटी में कांवटिया अस्पताल में मेडिकल जूरिस्ट डॉ. अजय श्रीवास्तव, डॉ. हिम्मत सिंह राठौड़ एवं डॉ. धीरज वर्मा को शामिल किया गया है। कमेटी को 7 दिवस में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर आगामी कार्यवाही की जाएगी।

निलम्बन अवधि में डॉ. संदीप का मुख्यालय सीएमएचओ कार्यालय जैसलमेर, डॉ. योगेश का सीएमएचओ बाड़मेर एवं डॉ. नवनीत मील का सीएमएचओ जालोर कार्यालय किया गया है।

अडानी की गिरफ्तारी की मांग

जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि सेबी के अमेरिकी समकक्ष, प्रतिभूति विनिमय आयोग का आरोप है कि गौतम अडानी और उनके सात सहयोगियों ने भारत में उच्च-मूल्य वाले सौर ऊर्जा अनुबंधों को हासिल करने के लिए 2,000 करोड़ (250 मिलियन) की रिश्वतखोरी की योजना बनाई। ऐसे में इस मामले की जांच कर मामले की सच्चाई सबके सामने आनी चाहिए। डोटासरा ने कहा कि अडानी पर आरोप लगने पर भाजपा की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस करना संदेह के घेरे में आता है। उन्होंने अडानी की गिरफ्तारी करने की मांग की है। डोटासरा ने कहा कि अमेरिकी अभियोग में आरोप लगाया गया है कि 2020 और 2024 के बीच, अडानी और उनके सह-प्रतिवादियों ने 16,000 करोड़ से अधिक लाभ अर्जित करने वाले अनुबंधों को हासिल करने के लिए भारतीय सरकारी अधिकारियों को रिश्वत की पेशकश की।

ई.आर.सी.पी. का शिलान्यास भी हम करेंगे और लोकार्पण भी हम करेंगे : सुरेश रावत

जयपुर। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने नेता प्रतिपक्ष के ईआरसीपी पर दिये गये बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेसी बयानवीर ईआरसीपी पर अपने झूठे बयानों से जनता को गुमराह नहीं करें। भजनलाल सरकार ईआरसीपी के सपने को साकार करने का कार्य कर रही है और जल्द ही शिलान्यास होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के क्रियान्वयन के लिए हमारी सरकार द्वारा 10 हजार करोड़ के कार्यों को शीघ्र आरम्भ कराये जाने हेतु शिलान्यास कराया जाएगा।

- 'कांग्रेसी बयानवीर झूठे बयानों से जनता को गुमराह नहीं करें'
- 'पूर्ववर्ती सरकार ने ईआरसीपी पर जनता को गुमराह किया जिसका नतीजा सबके सामने है'
- 'हमारी सरकार परियोजना के क्रियान्वयन के लिए 10 हजार करोड़ के कार्यों के शीघ्र शिलान्यास करेगी'

रावत ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि नेता प्रतिपक्ष को राष्ट्रीय परियोजना में स्वीकृति किये जाने का सन्दर्भ देकर प्रदेश की जनता को भ्रमित कर रहे हैं। ईआरसीपी योजना (पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक परियोजना-एकीकृत ईआरसीपी) को भारत सरकार द्वारा नदी जोड़ो परियोजना में शामिल किया गया है। भारत सरकार की नदी जोड़ो परियोजना राष्ट्रीय महत्व की है। इसके अन्तर्गत सिंचाई, पेयजल लाभों को शामिल करते हुए इसे वृहद् रूप दिया है।

जल संसाधन मंत्री रावत ने कहा कि कांग्रेसी ईआरसीपी परियोजना पर बयान देने से पहले अपनी गिरेबां में झांक लेते कि नवनेरा-बैराज-ईसरदा बांध का कार्य हमारी पूर्ववर्ती भाजपा सरकार द्वारा आरम्भ कर दिया गया था परन्तु पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा पर्याप्त बजट उपलब्ध नहीं कराये जाने के कारण समय पर कार्य पूरा नहीं हुआ। क्योंकि इनकी मंशा इसे आगे बढ़ाने की नहीं थी। अब हम इन कार्यों को शीघ्र ही पूरा कराने जा रहे है।

नेता प्रतिपक्ष झूठे आंकड़ो से खेलना बंद करें। ईआरसीपी के लिए इनकी सरकार के समय 10 हजार करोड़ रूपए देने के कागजात जनता के सामने रखे ताकि जनता को इनकी कथनी और करनी में अंतर पता चल सके। क्योंकि होटलों में समय बिताने वाले इन बयानवीरों ने अपने बयानों से ही राजस्थान का विकास किया था। जिसको जनता ने धूल चटा दी और आज कांग्रेस उपचुनाव में भी इन झूठे बयानवीरों के कारण चुनाव हार रही है।

'ई.आर.सी.पी. को राष्ट्रीय परियोजना घोषित किया जाय'

जयपुर। राजस्थान विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मांग की है कि वे पार्वती-काली सिंध-चंबल एवं ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट (पीकेसी-ईआरसीपी प्रोजेक्ट) को नदी जल राष्ट्रीय परियोजना घोषित करें। इसके साथ ही राजस्थान और पड़ोसी राज्यों के बीच हुए एमओयू को राज्य हित में सार्वजनिक किया जाए।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आगामी 15 दिसंबर को इस बहुउद्देश्यीय परियोजना का शिलान्यास करने राजस्थान आ रहे हैं। इस मौके पर उन्हें इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित करना चाहिए। इस बारे में मोदी ने अजमेर में एक जनसभा में राज्य की जनता से वादा भी किया था। प्रधानमंत्री को अब अपना यह वादा निभाना चाहिए।

शास्त्रीय विधाओं की प्रस्तुति के साथ 100वां तानसेन समारोह शुरू

जयपुर। वायलिन की मधुर धुन, तबला वादन और गायन प्रस्तुति में शास्त्रीय राग-रागनियों की गूंजा जवाहर कला केन्द्र में शुक्रवार को शास्त्रीय विधाओं की सम्मिलित प्रस्तुतियां हुई। मौका रहा मध्य प्रदेश शासन संस्कृति विभाग और जवाहर कला केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 100वें तानसेन समारोह का। "तानसेन शताब्दी समारोह" के अंतर्गत राष्ट्रीय "आगाज" श्रृंखला की शुरुआत जयपुर से हुई। विभिन्न शहरों में भी समारोह का आयोजन किया जाएगा।

रंगायन में दोपहर को तानसेन केंद्रित संगोष्ठी में विशेषज्ञों ने विचार रखा। चर्चा में वरिष्ठ ध्रुवपद गायिका प्रो. डॉ. मधु भट्ट तैलंग, वरिष्ठ कला समीक्षक और संस्कृतिकर्मी डॉ. राजेश कुमार व्यास और प्रख्यात सुरबहार वादक डॉ. अश्विन दलवी ने हिस्सा लिया। विशेषज्ञों ने संगीत सम्राट तानसेन की जीवनी, शास्त्रीय संगीत में उनके अद्वितीय योगदान पर प्रकाश डाला। डॉ. मधु भट्ट तैलंग ने बताया कि ध्रुवपद गायिकी तानसेन की देन है, तानसेन महान कलाकार थे जिनकी महत्ता को सभी धर्मों और हर काल में स्वीकार किया गया। उन्होंने यह भी बताया कि शास्त्रीय गायन में विभिन्न वाणियों के जनक भी तानसेन ही रहे। डॉ. राजेश कुमार व्यास ने कहा कि आधुनिक भारतीय संगीत की कल्पना तानसेन की बिना नहीं की जा सकती, उन्होंने ध्रुवपद को परिष्कृत कर जन जन तक पहुंचाया। डॉ. अश्विन दलवी ने एक किस्से का जिक्र करते हुए बताया कि जब अकबर ने तानसेन से पूछ कि आपसे श्रेष्ठ कौन है तो उन्होंने अपने गुरु हरिदास जी के बारे में बताया। यह बात न केवल गुरु शिष्य परंपरा का महत्व बताती है बल्कि कलाकार का व्यवहार किस तरह सरल और सहज होना चाहिए इस बात पर जोर देती है। शाम को शास्त्रीय संगीत की महफिल सजी जिसमें वायलिन वादन, तबला वादन और शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति हुई। पं. प्रवीण शेवलिकर एवं चेताली शेवलिकर ने वायलिन वादन किया। राग यमन के साथ उन्होंने प्रस्तुति की शुरुआत की और विभिन्न राग प्रस्तुत की। रामेन्द्र सिंह सोलंकी ने तबले पर संगत की। इसके बाद पं. प्रवीण उद्धव व श्रुतिशील उद्धव ने अपना परंपरागत स्वतंत्र तबला वादन सर्वलोक प्रिय ताल 'तीन ताल' में प्रस्तुत किया। जिसमें विलंबित लय में आलापचारी सदृश्य पेशकार दिल्ली, फर्रुखाबाद और पंजाब की खुशबू के साथ मुक्त रूप से विस्तारित करते हुए अजराड़ा, बनारस और लखनऊ घरानों के विशिष्ट कायदें, बांट, गत कायदे आदि के साथ कायदे के विविध प्रकार प्रस्तुत किये। प्रो प्रवीण उद्धव व श्रुतिशील उद्धव जी ने अपने स्वतंत्र वादन के प्रस्तुतीकरण की एक अलग शैली विकसित की है। आपके वादन में मंद्र और तार दो सप्तक के तबले की नादात्मकता का आनंद श्रोताओं को प्राप्त हुआ। अपने परंपरागत वादन पद्धति के साथ-साथ आधुनिक वादन भी प्रस्तुत किया। इनके वादन में नाद विविधता, भाषा सौदर्य, साहित्य, काव्यात्मकता, जाति, छंद आधारित अनेक रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया तत्पश्चात मध्य लय में पंजाब घराने और बनारस की छंदाधारित गत, लमछड़ चक्रदार बंदिशे, अलग-अलग जातियों के रेलें आदि प्रस्तुत किया। संपूर्ण तबला वादन में सभी घराने के बंदिशों के साथ-साथ घराने के मूर्धन्य विद्वान पंडित किशन महाराज, उस्ताद अल्ला रखा खां साहब, पंडित सुरेश तलवलकर, उस्ताद जमाल खां, उस्ताद अफाक हुसैन खान साहब ,पंडित अनोखेलाल, पंडित सामता प्रसाद आदि अनेक विद्वानों की रचनाओं को प्रस्तुत कर उनके चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित किया। पं. धर्मनाथ मिश्र ने हारमोनियम पर संगत की।

जयपुर के जवाहर कला केंद्र में आयोजित तानसेन समारोह में तबला वादकों ने अपनी प्रस्तुति देकर श्रोताओं का मन मोह लिया।

यू.टी.बी कार्मिकों का भाजपा कार्यालय पर प्रदर्शन

जयपुर। यूटीबी कार्मिक एक बार फिर सरकार और प्रशासन के खिलाफ लामबंद हो गए है। शुक्रवार को यूटीबी कार्मिकों ने बड़ी संख्या में प्रदेश भाजपा कार्यालय और स्वास्थ्य भवन पर विरोध प्रदर्शन किया। यूटीबी कार्मिक सुबह 11 बजे सैकड़ों की संख्या में पहुंचे और करीब चार घंटे तक विरोध प्रदर्शन किया। जिसके बाद यूटीबी कार्मिकों को भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण बगड़ी ने वार्ता के लिए बुलाया और यूटीबी कार्मिकों ने अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन दिया। इस दौरान यूटीबी कार्मिकों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा।

भर्तियों में मुद्दों के निस्तारण के लिए क्यों ना एस.ओ.पी. व विभागीय कमेटी बने : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने सरकारी भर्तियों में विभिन्न मुद्दों के चलते पूरी भर्ती प्रक्रिया प्रभावित होने और इसमें देरी होने से जुड़े मामले में राज्य सरकार से कहा है कि क्यों ना अभ्यर्थियों की शिकायतों के निस्तारण के लिए एक एसओपी तैयार की जाए। वहीं हर सरकारी विभाग में शिकायत निवारण कमेटियां बनाई जाए जो अभ्यर्थियों की शिकायतों का शुरुआती स्तर पर ही निस्तारण कर सकें। इसके साथ ही अदालत ने राज्य के एजी बसंत सिंह छाबा व विज्ञान शाह से कहा है कि वे इस संबंध में कार्मिक विभाग से भी चर्चा करें और भर्तियों के संबंध में सभी सरकारी विभागों से प्रपोजल मांगें। जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश एएनएम भर्ती में विभिन्न मुद्दों पर दायर ज्योति कुमारी मीना व अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

- 'हर सरकारी विभाग में शिकायत निवारण कमेटियां बनाई जाए जो अभ्यर्थियों की शिकायतों का शुरुआती स्तर पर ही निस्तारण कर सकें'

अदालती आदेश के पालना में प्रमुख चिकित्सा सचिव गायत्री राठौड़ और प्रमुख विधि सचिव ब्रजेन्द्र कुमार जैन अदालत में उपस्थित हुए। मेडिकल विभाग की ओर से अधिवक्ता अर्चित बोहरा ने कहा कि विभाग की भर्तियों में अस्थाई सूची जारी होने के बाद अभ्यर्थियों से परिवेदनाएं ली जाती हैं और इन्हें परिवेदना कमेटी के पास भेजा जाता है। इसके बाद इन्हें नीति निर्धारण समिति में रखा जाता है। वहीं विधि विभाग की ओर से कहा गया कि एडीजे भर्ती में भी आपत्तियों का निस्तारण किया और राज्य सरकार के विभागों से चर्चा कर एसओपी बनाई जा सकती है। सुनवाई के दौरान अदालत ने आरपीएससी की कार्यशैली पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि अखबारों की खबरों से पता चल रहा है कि आरपीएससी में चयन कैसे हो रहे हैं। वहां पर पारदर्शिता की कमी है और भेदभाव होता है। कई बार जिन अभ्यर्थियों के लिखित परीक्षा में कम अंक होते हैं उनके साक्षात्कार में ज्यादा अंक दे दिए जाते हैं। वहीं अदालत ने मामले में सभी पक्षों को सुनकर मामले की सुनवाई 28 नवंबर को तय की है।

ज्योति कलश रथ यात्रा का स्वागत

जयपुर। टीम 39 "जहां चाह वहां राह" जन कल्याण ट्रस्ट पानीपेच द्वारा गायत्री तीर्थ शान्तिकुंज हरिद्वार से देश के 2400 तीर्थों के पवित्र जल-रज के साथ ज्योति कलश रथ का शुक्रवार को सुबह स्वर्णकार सेवा सदन, आर.पी.एफ रोड पर टीम 39 द्वारा पुष्प वर्षा करके व आरती द्वारा स्वागत किया गया। टीम 39 के मीडिया प्रभारी मनीष केडिया व प्रधान ट्रस्टी विष्णु बियानी ने बताया कि कार्यक्रम में नेहरू नगर विकास समिति के नवनिर्वाचित अध्यक्ष ताराचंद खंडेलवाल, पूर्व अध्यक्ष संजीव सरोलिया भंवरलाल मीणा मौजूद थे।

ज्यादा से ज्यादा कृषकों को दिया जाये प्रशिक्षण : राजन विशाल

जयपुर। शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने शुक्रवार को दुर्गापुरा स्थित इन्टरनेशनल हॉर्टिकल्चर इनोवेशन एण्ड ट्रेनिंग सेन्टर का दौरा कर अधिकारियों को ट्रेनिंग सेन्टर में ज्यादा से ज्यादा कृषकों को उन्नत तकनीकी का कृषि प्रशिक्षण देने के लिए कहा।

राजन विशाल ने कृषकों को प्रशिक्षण के दौरान प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किये जाने हेतु संस्थान के फल वृक्ष क्षेत्र, संरक्षित खेती, सब्जी उत्पादन, नर्सरी, ड्रिप इरिगेशन आदि गतिविधियों का निरीक्षण किया। उन्होंने आईएचआईटीसी के कैम्पस, छात्रावास, प्रयोगशाला आदि सभी जगहों का बारीकी से निरीक्षण किया और संस्थान की साफ-सफाई एवं मेन्टिनेन्स के आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये।

शासन सचिव ने अधिकारियों को प्रशिक्षण में कृषकों की संख्या को बढ़ाने व पूरा ट्रेनिंग प्लान तैयार रखने के लिए निर्देशित किया। साथ ही संस्थान में हाइड्रोपॉनिक्स की स्थापना के लिए भी कहा। हाइड्रोपोनिक प्रणाली मिट्टी के बजाय पानी आधारित पोषक घोल का उपयोग करके पौधे उगाने की तकनीक है। हाइड्रोपॉनिक उत्पादन प्रणाली का प्रयोग छोटे किसानों और वाणिज्यिक उद्यमों द्वारा किया जाता है।

इसके बाद शासन सचिव ने श्री कर्ण नरेन्द्र विश्वविद्यालय के संघटक संस्थान राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर में स्थित समन्वित कृषि प्रणाली प्रक्षेत्र का दौरा किया। यह समन्वित कृषि प्रणाली डेढ़ हैक्टेयर कृषि जोत हेतु राजस्थान के सिंचित क्षेत्र के किसानों की पोषण उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए विकसित की गई है। इस समन्वित कृषि प्रणाली क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की फसल पद्धितयां, उद्यानिकी फल एवं सब्जियां, डेयरी यूनिट, बकरी यूनिट, पोल्ट्री यूनिट, अजोला यूनिट, वर्मी कम्पोस्ट यूनिट और गोबर खाद यूनिट है।

समन्वित कृषि प्रणाली के मुख्य शष्य वैज्ञानिक डॉ. उम्मेद सिंह ने किसानों के लिए सालभर आय का अच्छा स्त्रोत होने एवं किसान के परिवार के लिए पोषण युक्त भोजन जैसे फल, सब्जी, अनाज, दाल, मोटे अनाज, तिलहन, पशुओं के लिए चारा एवं इससे जनित अपशिष्ट के सदुपयोग हेतु वर्मी कम्पोस्ट, गोबर की खाद इत्यादि के रूप में प्रयोग करने से मृदा के स्वास्थ्य में सुधार एवं बाहरी उर्वरकों पर निर्भरता कम करने की जानकारी दी। विश्वविद्यालय के कुलपति श्री बलराज सिंह ने कृषि विश्वविद्यालय एवं दुर्गापुरा में संचालित विभिन्न कृषि अनुसंधान योजनाओं की जानकारी दी।

इस दौरान आयुक्त उद्यानिकी सुरेश कुमार ओला, अतिरिक्त निदेशक कृषि (रसायन), एच.एस. मीना, संयुक्त निदेशक कृषि (रसायन) अजय कुमार पचौरी, संयुक्त निदेशक उद्यान महेन्द्र कुमार शर्मा, संयुक्त निदेशक कृषि (गुण नियंत्रण) गजानंद यादव, उप निदेशक उद्यान (आईएचआईटीसी) राजेश कुमार गुप्ता सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी राजन विशाल ने शुक्रवार को दुर्गापुरा स्थित इन्टरनेशनल हॉर्टिकल्चर इनोवेशन एण्ड ट्रेनिंग सेन्टर का दौरा किया।

राइजिंग राजस्थान से प्रदेश की पूरे देश में उभरेगी नई पहचान : भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने के लिए राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का वृहद् स्तर पर आयोजन करने जा रही है तथा इस समिट के माध्यम से प्रदेश की पूरे देश में एक नई पहचान उभरेगी। उन्होंने कहा कि इस दौरान होने वाली सभी गतिविधियों का सुनियोजित एवं भव्य स्तर पर आयोजन सुनिश्चित किया जाए, ताकि यह समिट निवेशकों को आकर्षित करने के साथ ही पूरे देश में अपनी छाप छोड़ सके।

- समिट के सुनियोजित आयोजन एवं ब्रांडिंग के दिए विस्तृत निर्देश
- 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' की तैयारियों की समीक्षा बैठक

शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि समिट के दौरान होने वाले सभी कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के लिए कार्य निर्धारण के साथ अधिकारी नियुक्त किए जाएं और उनकी पूरी जिम्मेदारी तय की जाए।

शर्मा ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के आयोजन का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश देते हुए कहा कि जयपुर में आयोजित होने वाले मुख्य कार्यक्रम के दौरान एयरपोर्ट से लेकर विभिन्न कार्यक्रम स्थलों के रास्तों पर आकर्षक होर्डिंग्स एवं बैनर लगाए जाएं। साथ ही, समिट में कंट्री पार्टनर के तौर पर शामिल होने वाले देशों की जानकारी को भी प्रमुख स्थानों पर विशेष रूप से दर्शाया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान अपने आतिथ्य-सत्कार के लिए पूरे देश में जाना जाता है। उन्होंने कहा कि समिट में भाग लेने के लिए आने वाले ब्रांड एम्बेसडर, निवेशकों एवं अन्य अतिथियों को सरल एवं सहज सुविधाएं उपलब्ध कराने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाए। साथ ही, उन्होंने उद्घाटन सत्र के दौरान आयोजित होने वाली गतिविधियों, अतिथियों की बैठक व्यवस्था तथा अन्य तैयारियों के विषय में जानकारी लेते हुए अधिकारियों को तैयारियों को अन्तिम रूप देने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री) शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव उद्योग अजिताभ शर्मा, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) आलोक गुप्ता, आयुक्त उद्योग एवं वाणिज्य रोहित गुप्ता, राजस्थान फाउंडेशन आयुक्त डॉ. मनीषा अरोड़ा सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सार-समाचार

सड़क हादसे में घायल युवक की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के आसपुर थाना क्षेत्र के खोती गांव के पास 13 नवंबर को देर शाम दो बाइक आमने-सामने टकरा गई थी। हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई थीए जबकि दोनों बाइक सवार 3 युवक घायल हो गए थे। घायलों को आसपुर अस्पताल लाया गया। जहां से गंभीर एक घायल को रेफर किया। इलाज के दौरान गुरुवार देर रात युवक की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार लिमडी निवासी सुरेन्द्र पुत्र वेलजी गायरी 13 नवंबर को अपनी बाइक से ससुराल टोकवासा से अपने घर लिमडी जा रहा था। इस दौरान उदयपुर-बांसवाडा स्टेट हाइवे पर खोती के पास एक बाइक पर बैठकर 3 युवक सामने आ रहे थे। इनकी बाइक सामने से आ रही सुरेंद्र की बाइक से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार सुरेन्द्र घायल हो गया था। इसे आसपुर सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद उदयपुर रेफर किया गया था। जहां इलाज के दौरान गुरुवार देर रात मौत हो गई। शुक्रवार सुबह आसपुर मोर्चरी में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को दिया गया। मृतक सुरेंद्र के दो लडकी और 9 माह का एक लडका है। सुरेद्र गुजरात में होटल में नौकरी कर अपना गुजारा करता था। अब घर में कमाने वाला कोई नहीं है। जिससे परिवार का रो-रो कर बुरा हाल है। दूसरी बाइक पर सवार झोथरी निवासी सुनील पुत्र मरता कोटेड निवासी झौंथरी की मौके पर ही मौत हो गई थी। जबकि उसके दो साथी बादल पिता सूरजमल रोत निवासी केसरपुरा पंकज पिता धुला निवासी झौंथरी घायल हो गए थे। मौके पर खडे लोगो ने बताया था कि एक बाइक पर सवार तीन युवक जो बाइक पर स्टंट करते हुए दूसरी बाइक से टकरा गए थे।

गुड टच-बैड टच की दी जानकारी

देवगढ़, (निसं)। कॅरियर संस्थान राजसमन्द द्वारा शुक्रवार को राजकीय प्राथमिक विद्यालय वेरावास में मिशन वात्सल्य अभियान के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कॅरियर संस्थान राजसमन्द के पर्यावरण प्रभारी भूपेन्द्र सिंह परिहार और संस्थान अध्यक्ष पेडवूमन भावना पालीवाल और अध्यापक भरत सिंह राजपूत और रामलखन रहे। प्रथम सत्र में मुख्य वक्ता पालीवाल ने बच्चो को सबसे पहले समझाया कि गुड टच और बैड टच होता क्या है। यह भी बताया की बड़ों द्वारा पीठ पर थपथपाना, सिर पर हाथ फिराना या फिर हाथ पकड़ कर रास्ते में चलना गुड टच होता है। वहीं शरीर के प्राइवेट अंगों में हाथ लगाना बैड टच होता है। वर्तमान समय में बच्चों को वर्चुअल टच का ज्ञान भी जरुरी है इसके कारण बच्चे अपने अभिभावकों से और शिक्षा से दूरी बना रहे है। कार्यक्रम में बालक व बालिकाओं के प्रति हो रहे अपराधों जैसे छेड़छाड़, शोषण, उत्पीड़न, बाल अपराध, सोशल मीडिया के माध्यम से उत्पीड़न की जानकारी दी गयी। बच्चों को किसी भी गलत बात पर नो कहना बोलने के लिए प्रेरित किया गया। बच्चों को चाइल्ड हेल्प लाइन नंबर 1098 के बारे में भी विस्तार पूर्वक बताया गया ।दुसरे सत्र में बर्ड हाउस प्रदान कर प्रकृति से जुडाव बताया कार्यक्रम के दुसरे सत्र में सोंन चिड़िया मेरी बिटिया के तहत पर्यावरण प्रभारी भूपेन्द्र सिंह परिहार द्वारा विद्यालय परिवार को बर्ड हाउस प्रदान किये और बच्चो को कहा की जिस प्रकार हमारे रहने के लिए घरो की आवश्यकता होती है उसी प्रकार पक्षी भी अपना घर बनाते है और हमे उनकी मदद करनी चाहिए ।इस अवसर पर रानी राजकुमारी, भगवतीलाल, जगदीश सिंह, पूनम,पूजा, ललिता, ममता, किरण, उम्मेदसिंह, राधा, लोकेश, गोपाल कमलेश सहित कई छात्र छात्राओ की उपस्थिति रहीं।

पवन खोखर ने बढ़ाया देवगढ़ का मान

देवगढ़, (निसं)। देवगढ़ नगर के करणी माता मेला ग्राउंड पर स्थित महाराणा स्टेडियम पर बास्केटबॉल खेल में नियमित अभ्यासरत छात्र पवन खोखर ने राजस्थान बास्केटबॉल टीम में चयनित होकर प्रतियोगिता में भाग लिया और टीम को कांस्य पदक दिलाया है। विस्तृत जानकारी के अनुसार देवगढ नगर के लिए बहुत खुशी की बात है कि स्थानीय नगर के महात्मा गाँधी विद्यालय शास्त्री नगर विद्यालय में अध्ययनरत छात्र और महाराणा स्टेडियम देवगढ में खेलने वाला पवन खोखर राजस्थान बास्केटबॉल टीम में शामिल रहा और वर्तमान में प्रतियोगिता राजनांदगांव, छत्तीसगढ में आयोजित 68 वी राष्ट्रीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता में राजस्थान ने दिल्ली को हराकर राजस्थान टीम ने कांस्य पदक जीता है।देवगढ के लिए गौरव की बात है की इस वर्ष पवन 14 वर्ष, जानवी 14 वर्ष, ओर गौरी धाभाई 19 वर्ष में राजस्थान टीम से खेल रहे है। यह हमारे नगर के लिए गौरव की बात है।इस नई पौध को देवगढ में तैयार करने के लिए इनको मार्गदर्शन दे रहे है पूर्व अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल खिलाडी चन्द्र प्रकाश त्रिवेदी, जिला बास्केटबॉल संघ के सचिव दीनदयाल त्रिवेदी, डॉक्टर ललित दादीच, हितेन्द्र सिह खिंची, मनोज त्रिवेदी, हेमसिंह, भगवत सिह चौहान, मधुसूदन, जयनारायण आशिष त्रिवेदी, संजय टेलर, पवन मेवाड़ा, प्रियांशी जोशी सहित सभी सीनियर खिलाडी इन जूनियर खिलाड़ियों को तैयार करने में अपना सहयोग प्रदान कर रहे है। इस उपलब्धि को लेकर नगर वासियों सहित बास्केटबॉल खेलप्रेमी सहित खिलाड़ियों द्वारा शुभकामनायें दी गई।

दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। दोवडा थाना पुलिस ने नाबालिग से मारपीट कर रेप करने के मामले में आरोपी को शुक्रवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त बाइक को भी जब्त किया है। आरोपी ने नाबालिग के हाथ तोडकर उससे ज्यादती की थी। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। पुलिस ने बताया की दोवडा थाना क्षेत्र निवासी एक पीडिता ने 19 नवंबर को थाने पर आकर मामला दर्ज कराया था। रिपोर्ट में बताया कि 6 नवम्बर को आरोपी युवक ने फोन करके घर के बाहर बुलाया था। जिस पर घर के बाहर गई तो आरोपी बाइक लेकर घर के बाहर खडा था। आरोपी उसे डरा धमकाकर जबरन बाइक पर बैठाकर एक जंगल में ले गया। जंगल में एक मकान में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म करने की कोशिश की। जिस पर उसने विरोध किया, लेकिन आरोपी ने उसके साथ मारपीट की।

12.27 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ एक गिरफ्तार

डूंगरपुर, (निसं)। कोतवाली थाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में बडी कार्यवाही को अंजाम दिया है। पुलिस ने कृषि उपज मंडी के पास ब्राउन शुगर के साथ एक बाइक सवार युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने युवक से1.20 लाख कीमत की 12.27 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त की है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

कोतवाली थाने के थानाधिकारी ने बताया कि अवैध नशे की तस्करी की सूचना मिली थी। जिस पर एसआई रमेशचंद्र,हेड कॉनि. लक्ष्मणसिंह, कॉनि. जितेंद्र सिंह, पंकज, रोहित,

■ **जब्त ब्राउन शुगर की कीमत करीब एक लाख 20 हजार रुपए है**

उज्जवल, महेंद्र कुमार की टीम ने शहर में कृषि उपज मंडी के पास नाकेबंदी की गई थी। इस दौरान एक बाइक सवार युवक नाकेबंदी को देखकर भागने का प्रयास करने लगा। जिस पर हेड कानि.लक्ष्मणसिंह के साथ टीम ने भागते हुए युवक को पकडा और उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान पुलिस ने युवक की जेब से ब्राउन शुगर जब्त की। जिसका वजन करीब 12.27 ग्राम था। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। वहीं बाइक और ब्राउन शुगर को जब्त किया है। थानाधिकारी भगवानलाल ने बताया कि जब्त ब्राउन शुगर की कीमत करीब 1 लाख 20 हजार रुपए है। वहीं पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

कोतवाली पुलिस ने ब्राउन शुगर के साथ आरोपी को दबोचा।

ए.डी.एम. बुनकर को सौंपा ज्ञापन

राजसमंद, (निसं)। राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) जिला शाखा ने जिलाध्यक्ष सतीश आचार्य के नेतृत्व में जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा के नाम एडीएम नरेश बुनकर को ज्ञापन सौंपकर जिले में आयोजित की जाने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं में शिक्षकों की एक पारी में ही ड्यूटी लगाने की मांग की है।

संगठन के जिला मीडिया प्रभारी राजेंद्रसिंह चारण ने बताया कि विगत समय में कर्मचारी आयोग द्वारा आयोजित की गई परीक्षाओं में कर्मचारियों की एक ही दिन में दोनों पारियों में ड्यूटी लगाई गई। जिससे सुबह साढे छः बजे से शाम साढे छः बजे तक उनको ड्यूटी करनी पडी और आगामी समय में पशु परिचर परीक्षा में भी दो पारियों में ड्यूटी लगाई गई हैं जो अनुचित है। साथ ही मांग की गई कि जयपुर जिला कलक्टर द्वारा एक ही पारी में ड्यूटी लगाने के निर्देश प्रदान किए हैं। उसी तर्ज पर उचित आदेश प्रदान करें, जिससे स्वैच्छिक रूप से दो पारियों में ड्यूटी का विकल्प देते हुए जो अनिच्छुक हों उन कर्मचारियों की एक पारी में ही ड्यूटी लगाई जाए। इस दौरान अधिकारी संपर्क के तहत उन्हें संगठन की विस्तृत जानकारी देकर संगठन के कार्यों का फोल्डर भी भेंट किया। इस दौरान जिला संगठन मंत्री शंकर माली, जिला मंत्री सुजीत कुमार आदि मौजूद रहे।

काल भैरव अष्ठमी आज

डूंगरपुर, (निसं)। जय अम्बे पद यात्रा मित्र मण्डल के संस्थापक पद्मेश गांधी ने बताया कि काल भैरव अष्ठमी के उपलक्ष्य में 'श्री गंगा भैरवजी'' मंदिर नगर परिषद् के सामने मंदिर में भव्य श्रृंगार आंगी की जायेगी। संस्था अध्यक्ष प्रदीप श्रीमाल ने बताया कि संस्था के संस्थापक पद्मेश गांधी के सानिध्य में आज शाम को 6.30 बजे महाआरती एवं महाप्रसाद का आयोजन किया जावेगा।

विद्यार्थियों को कराया पुलिस थानों का भ्रमण

बांसवाड़ा, (निसं)। डॉ नागेन्द्र सिंह विधि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ विक्रम सिंह के निर्देशानुसार विधि विद्यार्थियों के दल ने सिटी पुलिस कोतवाली एवं साइबर पुलिस थाना का शैक्षणिक भ्रमण किया। विद्यार्थियों ने पुलिस की कार्यप्रणाली तथा साइबर अपराधो से निपटने के तरीकों को जाना।

सिटी पुलिस कोतवाली थाना प्रभारी ने विद्यार्थियों को आपराधिक घटनाओ के घटित होने से लेकर अंतिम रूप से निस्तारित होने तक के मध्य होने वाली सम्पूर्ण प्रक्रिया से अवगत करवाया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ ओम प्रकाश ने संज्ञेय-असंज्ञेय अपराध के बारे में जानकारी देते हुए पुलिस की अन्य कार्यवाही से अवगत कराया। विद्यार्थियों ने रेकार्ड रूम, मालखाना व हवालात आदि का भी अवलोकन किया। साइबर पुलिस थाना प्रभारी ने विद्यार्थियों को ऑनलाइन ठगी, हैकिंग, पर्सनल डाटा का दुरूपयोग, बुलींग और डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन थ्रेट जैसे साइबर अपराधों तथा इनकी रोकथाम, हेल्पलाइन नंबर एवं ऑनलाइन एप के बारे में जानकारी दी। शैक्षणिक भ्रमण के दौरान महाविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ दिनेश कुमार तेली, डॉ. अपरा प्रजापत, हिमानी जोशी एवं अपूर्वा जैन आदि मौजूद रहे।

कड़ी सुरक्षा के बीच पूर्ण पारदर्शिता के साथ मतगणना आज

डूंगरपुर, (निसं)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विधानसभा उप चुनाव 2024 के अन्तर्गत 23 नवम्बर शनिवार को मतगणना स्थल श्री भोगीलाल पण्ड्या राजकीय महा विद्यालय परिसर में मतगणना होगी। चौरासी विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी कपिल कोठारी ने बताया कि कमरा नंबर 56 व 57 में 18 राउंड में मतगणना होगी। मतगणना के लिए 14 टेबल लगाई गई है। सुबह 8 बजे से मतगणना शुरू होगी।

सुरक्षा घेरे का पहला स्तर मतगणना परिसर के चारों ओर 1०० मीटर की परीधि से शुरू होगा, जिसे पैदल यात्री क्षेत्र के रूप में सीमांकित किया गया है। इस परिधि के भीतर किसी भी वाहन को अनुमति नहीं दी जाएगी। ईसीआई के विधिवत जारी प्राधिकार पत्र या संबंधित डीईओ या आरओ द्वारा जारी फोटो आई कार्ड के बिना किसी भी व्यक्ति को सुरक्षा घेरे के प्रथम स्तर से गुजरने की अनुमति नहीं दी जाएगी। वहीं, द्वितीय एवं मध्य घेरा एसबीपी कॉलेज के सागवाडा रोड वाले मुख्यद्वार पर होगा। मतगणना कार्मिकों और मतगणना ड्यूटी में नियुक्त अधिकारी-कर्मचारी इसी द्वार से प्रवेश करेंगे। वहीं, मतगणना स्थल पर राजनीतिक प्रत्याशियों और काउंटिंग एजेंट्स का

■ **मीडिया सेंटर में इलेक्शन ट्रेंड्स टीवी से मिलेंगे नवीनतम रूझान और परिणाम**

■ **सामान्य प्रेक्षक ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा**

■ **आमजन को मिलेगी पल-पल की अपडेट**

प्रवेश वीकेबी गर्ल्स कॉलेज वाले गेट से होगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अंकित कुमार सिंह ने बताया कि मतगणना स्थल पर मीडियाकर्मियों को मतगणना के नवीनतम रूझान एवं परिणाम से अवगत कराने के लिए श्री भोगीलाल पण्ड्या राजकीय महाविद्यालय, डूंगरपुर के कमरा नंबर 33 में मीडिया सेंटर स्थापित किया गया है। यहां बडी एलईडी स्क्रीन पर आयोग की आईटी एप्लिकेशन इलेक्शन ट्रेंड्स टीवी के माध्यम से प्रदर्शित करने की व्यवस्था की गई है, जिससे मीडियाकर्मियों को एक ही स्थान पर मतगणना के नवीनतम रूझान एवं परिणाम उपलब्ध होंगे। मीडिया सेंटर में भारत निर्वाचन आयोग की ओर से जारी प्राधिकार पत्र से ही प्रवेश मिलेगा। उन्होंने बताया कि लाउडस्पीकर के माध्यम से एसबीपी कॉलेज, वीकेबी कॉलेज परिसर और लक्ष्मण मैदान में श्याम प्रसाद मुखर्जी हॉल में आमजन को मतगणना के परिणामों की जानकारी दी जाएगी। मीडिया सेंटर के दूरभाष नंबर ०2964-294672 से भी परिणामों की जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

सामान्य प्रेक्षक श्री के. विवेकानंदन ने शुक्रवार को मतगणना स्थल पर पहुंचकर काउंटिंग हॉल, मीडिया सेंटर, सीसीटीवी कंट्रोल रूम, राजनीतिक प्रत्याशियों व काउंटिंग एजेंट्स की बैठक व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था, मतगणना कार्मिकों के प्रवेश, पार्किंग और पब्लिक एनाउंसमेंट सिस्टम सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक मोनिका सेन, उप जिला निर्वाचन अधिकारी दिनेश धाकड, जिला परिषद सीईओ हनुमान सिंह राठौड, मीडिया प्रभारी विपुल शर्मा, पीडब्ल्यूडी एक्सईएन हरिश रोत, एईएन दीपिका पाटीदार, लाइजन ऑफिसर मेहुल कटारा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सार-समाचार

मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा

बांसवाड़ा, (निसं)। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति जनजाति विकास परिषद् के प्रतिनिधि मंडल ने टीएसपी क्षेत्र उदयपुर संभाग में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति वर्ग को जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण एवं प्रदेश व देश में जाति आधारित जनगणना की मांग को लेकर प्रशासनिक अधिकारी रफीक के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में टीएसपी क्षेत्र उदयपुर संभाग में अनुसूचित जाति वर्ग को जनसंख्या के अनुपात में राज्य में आरक्षण एवं 16 प्रतिशत आरक्षण यथावत करने, अनुसूचित क्षेत्र की स्थानीय भर्तियो में पदोन्नति एवं प्रदेश में जनजाति वर्ग को जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण की मांग, अनुसूचित क्षेत्र के जनजाति एवं अनुसूचित जाति वर्ग को राज्य सेवा में पृथक से 6.5 प्रतिशत आरक्षण की मांग की गयी। ज्ञापन में बताया गया कि राज्य में वर्तमान में अनुसूचित जाति वर्ग की जनसंख्या 17.63 है अतरू उस अनुपात में संपूर्ण राजस्थान एवं जनजाति उपयोजना क्षेत्र उदयपुर संभाग में सरकारी एवं अर्धसरकारी नौकरियों में राज्य की जनसंख्या के अनुपात में नियुक्तियां दिलाने, अनुसूचित जाति वर्ग के कल्याण के लिए अनुसूचित जाति कल्याण बोर्ड का गठन करने, टीएसपी क्षेत्र सहित अन्य मांगों को लेकर ज्ञापन दिया गया। प्रतिनिधि मंडल में कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष कोदर लाल बुनकर, अमरजी भगत संरक्षक, एडवोकेट मणिलाल यादव, प्रदेश महासचिव ऊंकार लाल बुनकर शामिल रहे।

छात्राओं ने आत्मरक्षा के गुर सीखे

राजसमंद, (निसं)। जिला मुख्यालय के समीपवर्ती मोही कस्बे में संचालित पीएम श्री नंदलाल जोशी राउमावि में शुक्रवार को 15 दिवसीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ। प्रधानाचार्य उमेश कुमार शर्मा ने बताया कि विद्यालय में 8 नवबंर को आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर शुरू हुआ। शिविर की अध्यक्षता प्राचार्य उमेश कुमार शर्मा ने की। विद्यालय की शारीरिक शिक्षिका अंजना पंचोली ने प्रशिक्षण ले रही छात्राओं को पंच ब्लॉक किक, हैंड मूवमेंट व काता का अभ्यास कराया। इस दौरान लगभग 70 छात्राओं ने इस शिविर में भाग लिया। शिविर का नेतृत्व आशा खटीक एवं कुसुम जिनगर ने किया। इस दौरान कार्यक्रम अधिकारी शैलेश कणिक, प्रवीण सेन, उपसरपंच दिग्विजय सिंह भाटी, उप प्राचार्य रोशनलाल रेगर, कृष्ण गोपाल नंदवाना, व्याख्याता ललित रावत, सरिता जोशी, आनंदिता व्यास, राम गोपाल आचार्य, सुरेश कुमार कीर, निवेदिता शर्मा मौजूद थे। पीएमश्री नन्दलाल जोशी राउमावि में चौकसी हरियस प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से 6० सेट टेबल स्टूल भेंट किए गए। शुक्रवार को विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपसरपंच दिग्विजय सिंह भाटी और संस्था प्रधान उमेश शर्मा ने संस्थान का आभार प्रकट किया। संस्थान के सीएसआर हेड डॉ प्रवीण यादव ने बताया कि चौकसी हैरिसन समूह ने पूर्व में भी इस विद्यालय को 25 ट्री गार्ड भेंट कर भौतिक प्रगति में योगदान दिया गया है। भामाशाह प्रेरक और संस्था के स्थानीय प्रतिनिधि शैलेश कणिक ने बताया कि स्थापना के समय से ही समूह लोक कल्याणकारी कार्यों में संलग्न रहा है।

द्वितीय रेण्डमाइजेशन सम्पन्न

डूंगरपुर, (निसं)। विधानसभा उपचुनाव-2024 के तहत निर्वाचन विभाग के निर्देशानुसार मतगणना दल कार्मिकों एवं माइक्रो पर्यवेक्षक का द्वितीय रेण्डमाइजेशन सामान्य प्रेक्षक के. विवेकानंदन की उपस्थिति में शुक्रवार को जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी डूंगरपुर के कार्यालय में आयोजित किया गया। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) अंकित कुमार सिंह, उप जिला निर्वाचन अधिकारी दिनेश धाकड, मुख्य कार्यकारी अधिकारी हनुमान सिंह राठौड, रिटर्निंग अधिकारी चौरासी कपिल कोठारी, उपखण्ड अधिकारी डूंगरपुर मुकेश चन्द्र मीणा सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे। बैठक में विधानसभा उप चुनाव-2024 के तहत निर्वाचन विभाग द्वारा तैयार सॉफ्टवेयर प्रणाली की जानकारी जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी द्वारा प्रदान की गई। तद्नुसार चुनाव आयोग, जयपुर द्वारा अधिकृत सॉफ्टवेयर के माध्यम से द्वितीय रेण्डमाइजेशन की प्रक्रिया पूर्ण की गई। इस प्रक्रिया के अन्तर्गत मतगणना कार्य में नियुक्त कार्मिकों एवं माईक्रो पर्यवेक्षकों का विधानसभा क्षेत्र चौरासी के लिए 2 दल ईटीपीबीएस, पीबी के लिए एवं ईवीएम के लिए 14 सक्रिय दलों का गठन किया गया तथा नियमानुसार आरक्षित दलों का प्रावधान किया गया।

कार्यशाला का आयोजन

राजसमंद, (निसं)। जिला मुख्यालय स्थित पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में विद्यार्थियों के मोटिवेशन एवं कैरियर गाइडेंस के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्राचार्य घनश्याम मीना ने बताया कि इस कार्यशाला में इंडिया के नंबर वन माइंड ट्रेनर एवं काउंसलर डॉ मनुकूल ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए जीवन में कुछ बेहतर करने के लिए लक्ष्य निर्धारित करने की सलाह दी। उन्होंने विद्यार्थियों को ध्यान एकाग्रचित करने के लिए मेडिटेशन करने का तरीका समझाया।

शुचिता और साधना के साथ भजन से ही भगवत्प्राप्ति संभव : राजेन्द्रदास

बांसवाड़ा, (निसं)। श्रीमद्जगद्गुरु द्वाराचार्य श्री अग्रमलूकपीठाधीश्वर संत स्वामी राजेन्द्रदास देवाचार्य महाराज ने शुचिता और साधना मार्ग के अवलम्बन के माध्यम से निरन्तर भजन में रत रहकर जीवन्मुक्ति पाने के लिए दृढ संकल्प से जुटने का आव्हान करते हुए कहा कि भगवत्प्राप्ति ही मनुष्य जीवन का मूल उद्देश्य है।

लालीवाव मठ में आठ दिवसीय विराट धार्मिक महोत्सव के दौरान श्रीमद्भागवत कथा करते हुए विभिन्न स्कंधों में वर्णित कथाओं व उपदेशों की व्याख्या की। उन्होंने कहा कि साधना की प्रवृत्ति में बढोतरी और सफलता के लिए सत्त्वगुण में वृद्धि महत्त्वपूर्ण है और इसके लिए हरि, गुरु एवं संत के प्रति अगाध श्रृद्धा, आलस्य और प्रमाद में समय गंवाने की मनोवृत्ति का परित्याग तथा आहार शुद्धि को अपनाते हुए तमाम प्रकार के व्यंसनों से मुक्ति जरूरी है। ज्ञान केवल प्रवचन में ही नहीं हो बल्कि जीवन व्यवहार में भी होना चाहिए। कथा समापन के उपरान्त महोत्सव आयोजन समिति अध्यक्ष एड्वोकेट लक्ष्मीकान्त त्रिवेदी परिवार ने भागवतजी की आरती उतारी। संत रघुवीरदास व भारतमाता मन्दिर के महंत रामस्वरूप महाराज ने भी आरती उतारी। आरंभ में लालीवाव पीठाधीश्वर महामण्डलेश्वर महंत हरिओमदास महाराज ने श्रीमद्भागवत पूजन किया तथा अग्रमलूक पीठाधीश्वर को पुष्पहार पहनाया। महोत्सव संयोजक पं. भुवन मुकुन्द पण्ड्या, महायज्ञ यजमानों एवं पोथी यजमानों की ओर से नरेश भट्ट, पुष्पेन्द्रसिंह तंवर, नटवर तेली एवं ने महाराज का अभिनन्दन करते हुए भागवत पर पुष्प अर्पित किये। जनजाति अंचलों में स्थापित धूंणी-धामों और भक्ति आन्दोलन के जरिये धर्म-अध्यात्म और सामाजिक चेतना की अलख जगा रहे जनजाति संत-महंतों ने कथा में शामिल होकर श्रवण किया। आयोजकों की ओर से सभी का स्वागत किया गया।लालीवाव मठ में दिवंगत आत्माओं की मुक्ति के लिए बडी संख्या में यजमान परिवार पूर्वाह्न काल में विभिन्न अनुष्ठानों में भाग लेकर विधि विधान से भागवत पोथी पूजन के उपरान्त पितरों के नाम दुग्ध, दर्भ, तिल इत्यादि से मंत्रों के नाम जलांजलि एवं तर्पण का विधान कर रहे है। आचार्य पं. दिव्यभारत पण्ड्या के आचार्यत्व में यजमान परिवारों द्वारा भागवत पोथी पूजन के उपरान्त श्रीधाम वृन्दावन के भागवताचार्य आचार्य योगेन्द्र मिश्र, पं. बृजबिहारी उपाध्याय एवं पं. भक्तराज ने भागवत पारायण विधान का शुभारंभ किया। इसमें देश के विभिन्न हिस्सों से आए भागवत के विद्वानों द्वारा 108 सस्वर भागवत पारायण श्रद्धालुओं के आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है।

भागवत पारायण में अपने-अपने पितरों के छायाचित्र सम्मुख रखकर उनका स्मरण कर भागवत पोथी का पूजन करते हुए महाविष्णु से इनके मोक्ष की कामना से प्रार्थना का क्रम जारी है। इधर श्रीविद्या महायज्ञ एवं श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ के अन्तर्गत महानुष्ठान के आचार्य पं. दिव्यभारत पण्ड्या एवं यज्ञ आचार्य पं. निकुंज मोहन पण्ड्या के आचार्यत्व में श्रीयंत्रों के पूजन, श्रीविद्या मंत्रों से सम्पुटित श्रीसूक्त एवं लक्ष्मीनारायण यज्ञ विधान से यज्ञ में विभिन्न समिधाओं एवं दिव्य द्रव्यों से आहुतियां दी गई।

श्रीमद्जगद्गुरु द्वाराचार्य श्री अग्रमलूकपीठाधीश्वर संत स्वामी राजेन्द्रदास देवाचार्य महाराज का स्वागत एवं व्यासपीठ का पूजन करते संतजन।

■ **भागवत के विद्वानों द्वारा 108 सस्वर भागवत पारायण श्रद्धालुओं के आकर्षण का केन्द्र बना**

■ **लालीवाव में सर्वपितृ मोक्ष के लिए अनुष्ठान जारी**

चौपाल में श्मशान घाट के रास्ते की सफाई की मांग

बडारडा में रात्रि चौपाल में आमजन की समस्या को सुनते एसडीएम बृजेश गुप्ता सहित अन्य अधिकारी।

राजसमंद, (निसं)। जिला मुख्यालय के समीपवर्ती ग्राम पंचायत बडारडा में उपखंड स्तरीय रात्रि चौपाल का आयोजन एसडीएम बृजेश गुप्ता की अध्यक्षता में किया गया।

विकास अधिकारी महेश गर्ग ने बताया कि चौपाल में कुल 32 परिवाद प्राप्त हुए। इन परिवादों पर एसडीएम गुप्ता ने तत्परता दिखाते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ आमने-सामने सुनवाई की व्यवस्था की गई, जिसमें 10 प्रकरणों का मौके पर ही समाधान किया गया। शेष 22 प्रकरणों को सीएम हेल्पलाइन और राजस्थान संपर्क पोर्टल पर ऑनलाइन दर्ज कर संबंधित विभागों को सात दिनों के भीतर निस्तारण के निर्देश दिए गए। चौपाल के दौरान विभिन्न विभागों से जुडे मुद्दे सामने आए। विद्युत विभाग से 3, रसद विभाग (उज्ज्वला कनेक्शन) से 2, पीडब्ल्यूडी से 2, पीएचईडी से 1, पंचायत राज विभाग से 7 और राजस्व विभाग से 7 परिवाद दर्ज हुए। सभी प्रकरणों की सुनवाई में विभागीय अधिकारियों को उनकी जिम्मेदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। पीईईओ बडारडा ने चौपाल में जानकारी दी कि ग्राम के विद्यालयों और आंगनवाडियों में पेयजल कनेक्शन की आवश्यकता है। इस पर एसडीएम गुप्ता ने सहायक अभियंता पीएचईडी को निर्देश दिए कि निकटतम लाइन से इन संस्थानों को जल्द से जल्द पेयजल कनेक्शन उपलब्ध कराया जाए। इसके साथ ही ग्राम में सफाई व्यवस्था को नियमित बनाए रखने के लिए वीडीओ को पाबंद किया गया। चौपाल में वार्ड पंच कालूलाल कालबेलिया ने श्मशान घाट के रास्ते की सफाई की मांग रखी। इस पर एसडीएम ने तत्काल सफाई कार्य शुरू कराने के निर्देश दिए। साथ ही समस्त ब्लॉक स्तरीय और पंचायत स्तरीय अधिकारियों और कर्मचारियों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में एसडीएम ने निर्देश दिया कि हर पात्र व्यक्ति को जनकल्याणकारी योजनाओं से जोडने के लिए सक्रियता से काम किया जाए।

मैं पुरुष जूनियर एशिया कप 2024 के लिए बेहद उत्साहित हूं। हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं और आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हैं। - आमिर अली

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम के कप्तान, भविष्य में खेल के प्रति अपनी नीतियों को लेकर बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी — ऋषभ पंत

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का आगाज हो चुका है। जहां पहला टेस्ट मैच पर्थ में खेला जा रहा है। इस दौरान पहले दिन टीम इंडिया मुश्किल में दिखी जहां टीम पहली पारी में महज 150 रन ही बना पाई और ऑलआउट हो गई। हालांकि, टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने एक उपलब्धि अपने नाम की है। पंत भारती पारी के 17वें ओवर में बल्लेबाजी करने उतरे जब टीम इंडिया ने 16.2 ओवर में विराट कोहली के रूप में अपनी तीसरा विकेट खो दिया। कोहली 12 गेंदों पर पांच रन बनाकर जोश हेजलवुड का शिकार हो गए।

क्या आप जानते हैं ?... पाकिस्तान के तेज गेंदबाज मोहम्मद सामी ने एक ओवर में 17 गेदें फेंककर एक ओवर में सर्वाधिक गेंद फेंकने वाले पाकिस्तानी खिलाड़ी बने।

मोदी ने गुयाना में विंडीज के प्रमुख क्रिकेट खिलाड़ियों से बातचीत की

जॉर्जटाउन, 22 नवंबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुयाना में वेस्टइंडीज टीम के क्रिकेट खिलाड़ियों मुलाकात कर दोनों देशों के बीच क्रिकेट के जरिए जुड़ाव को लेकर बातचीत की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वेस्टइंडीज के क्रिकेट खिलाड़ी क्लाइव लॉयड, एल्विन कालीचरण, शिवनारायण चंद्रपॉल, देवेन्द्र बिशू, स्टीवन जैकब्स और डॉ. रंजीसिंघी रामरूप के साथ बातचीत में कहा कि क्रिकेट ने भारत और गुयाना के बीच आत्मीयता स्थापित करते हुए सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत बनाया है। मोदी ने आज साशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, क्रिकेट के माध्यम से जुड़ाव। गुयाना के प्रमुख क्रिकेट खिलाड़ियों के साथ एक सुखद वार्तालाप। इस खेल ने हमारे देशों के बीच आत्मीयता बनाई है और हमारे सांस्कृतिक संबंधों को और परिपुष्ट किया है। उन्होंने एक्स पर इस मुकालत और बातचीत की फोटो भी साझा की। जिसमें प्रधानमंत्री सहित कुछ खिलाड़ी क्रिकेट का बल्ला हाथों में लिये हुये है और बातचीत करते हुए दिख रहे है।

बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया में रचा इतिहास, ऐसा करने वाले पहले भारतीय बने

बुमराह और सिराज ने कराई भारत की मैच में वापसी

पर्थ, 22 नवंबर। जसप्रीत बुमराह (चार विकेट), मोहम्मद सिराज (दो विकेट) और हर्षित राणा (एकविकेट) की शानदार गेंदबाजी ने भारत को पहले टेस्ट मैच में वापसी करा दी। इन तीनों गेंदबाजों ने दिन का खेल समाप्त होने के तक ऑस्ट्रेलिया के 67 रन सात विकेट गिरा दिये है और वह अभी भी भारत के पहली पारी में बनाये गये स्कोर से 83 रन पीछे है।

मैच के तीसरे सत्र में चायकाल के बाद बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही। बुमराह ने शानदार गेंदबाजी का मुजाहिरा करते हुए ऑस्ट्रेलिया के तीन शीर्ष बल्लेबाजों को 19 के स्कोर पर पवेलियन भेज दिया। नेथन मैकस्वीनी (10), उस्मान ख्वाजा (आठ) और स्टीव स्मिथ (शून्य) बुमराह का शिकार बने। मार्नस लाबुशेन (दो) को मोहम्मद सिराज ने आउट किया। लाबुशेन ने टेस्ट इतिहास की सबसे धीमी पारी खेलते हुए 52 गेंदों में मात्र दो रन बनाये। ट्रैविस हेड (11) को हर्षित राणा ने बोल्ड आउट किया। मिचेल मार्श (छह) और पैट कमिंस (तीन) रन बनाकर आउट हुये।

25वें ओवर भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह ने कप्तान पैट कमिंस को पंत के हाथों कैच आउट करा कर ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका दिया। पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय ऑस्ट्रेलिया ने 27 ओवर में सात विकेट पर 67 रन बना लिये है और एलेक्स कैरी (नाबाद 16) और मिचेल स्टार्क (नाबाद छह) क्रीज पर मौजद है। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह (चार विकेट), मोहम्मद सिराज (दो विकेट) और हर्षित राणा (एक विकेट) लिया। इससे पहले जॉश हेजलवुड (चार विकेट) सहित अन्य गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय पारी को 150 के स्कोर पर समेट दिया था। आज यहां ऑप्टस स्टेडियम में भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।

बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही उसने तीसरे ही ओवर में सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (शून्य) का विकेट गवां दिया। जायसवाल को मिचेल स्टार्क ने नेथन मैकस्वीनी के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये देवदत्त पड़िक्कल, के एल राहुल के साथ संघर्ष करते दिखे। 11वें ओवर में जॉश हेजलवुड ने देवदत्त पडिक्कल (शून्य) को पेवलियन भेज दिया। पडिक्कल ने 24 गेंदे खेली और वे अपना खाता भी नहीं खोल सके। विराट कोहली (पांच) भी जॉश हेजलवुड का शिकार बने। भोजनकाल से पहले 23वें ओवर में मिचेल स्टार्क ने के एल राहुल (26) को आउट कर भारत को बड़ा झटका दिया।

आईपीएल 2025 का सत्र 14 मार्च से होगा शुरू

मुम्बई, 22 नवंबर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) अगला सत्र 14 मार्च 2025 से शुरु होगा और फाइनल मुकाबला 25 मई को खेला जायेगा। फ्रेंचाइजी को भेजे गए ईमेल में आईपीएल के तीन सत्रों के लिए घोषित तारीखों के बारे में बताया गया है। घोषणा के अनुसार टूर्नामेंट का अगला सत्र 14 मार्च 2025 से शुरू होगा और फाइनल मुकाबला 25 मई को खेला जाएगा। वहीं 2026 का सत्र 15 मार्च से 31 मई तक चलेगा। जबकि 2027 का सत्र 14 मार्च से 30 मई तक होगा। घोषणा के अनुसार पिछले सत्र की तरह 2025 सत्र में 74 मैच होंगे। हालांकि यह संख्या आईपीएल द्वारा 2022 में सूचीबद्ध 84 मैचों से दस कम है। नए चक्र के लिए टेंडर दस्तावेज में आईपीएल ने हर सत्र में मैचों की अलग अलग संख्या का वर्णन किया है। 2023 और 2024 में 74 मैच जबकि 2025 और 2026 में 84 और इस अनुबंध के अंतिम वर्ष यानी 2027 में 94 मैच खेले जाने का जिक्र था। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अपने सभी खिलाड़ियों अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दोनों को 2025 सत्र में खेलने की मंजूरी दे दी है। इसके अलावा अधिकतर पूर्ण सदस्य देश इंग्लैंड, श्रीलंका बंगलादेश, दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान, जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के क्रिकेट बोर्डों ने अपने खिलाड़ियों को अगले तीन सत्र के लिए आईपीएल में खेलने की अनुमति दे दी है। इसमें पाकिस्तान शामिल नहीं है, जिनके खिलाड़ियों को 2011 के बाद से ही आईपीएल में खेलने का मौका नहीं मिला है।

असावा इंडियन ऑयल सर्वो मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त 9वें स्थान पर पहुंचे

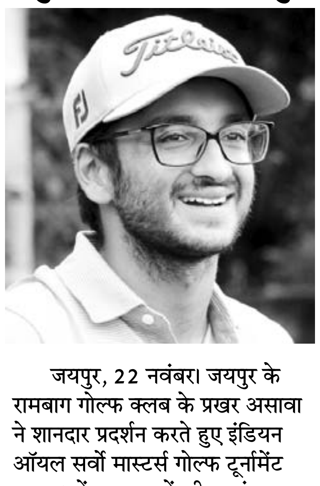

जयपुर, 22 नवंबर। जयपुर के रामबाग गोल्फ क्लब के प्रखर असावा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इंडियन ऑयल सर्वो मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट 2024 में 12 स्थानों की छलांग लगाकर संयुक्त 9वां स्थान हासिल कर लिया है। यह टूर्नामेंट प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) द्वारा डिगबोई गोल्फ लिंक्स, असम में आयोजित किया गया था। प्रखर ने तीसरे दिन-4 के स्कोर के साथ 3, 4, 7, 9, 12, 16 और 18 होल पर बर्डी लगाई। इसके पहले उन्होंने पहले दिन 1 ओवर पार और दूसरे दिन 3 अंडर पार का स्कोर किया।

भारतीय जूनियर हॉकी टीम एशिया कप के लिए रवाना

बेंगलुरु, 22 नवंबर। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम 26 नवंबर से 4 दिसंबर तक ओमान के मस्कट में होने वाले पुरुष जूनियर एशिया कप 2024 के लिए शुक्रवार को मस्कट के लिये रवाना हुई।

टूर्नामेंट में इस बार 10 टीमें भाग ले रही हैं, भारत को कोरिया, जापान, चीनी ताइपे और थाईलैंड के साथ पूल ए में रखा गया है। जबकि पूल बी में शेष पांच टीमें पाकिस्तान, मलेशिया, बांग्लादेश, ओमान और चीन हैं।

कप्तान आमिर अली और उप कप्तान रोहित की अगुआई में भारत 27 नवंबर को थाईलैंड के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा, उसके बाद 28 नवंबर को जापान से, 30 नवंबर को चीनी ताइपे के खिलाफ तथा दक्षिण कोरिया के खिलाफ एक दिसंबर को आखिरी ग्रुप मुकाबला खेला है।

आईपीएल नीलामी 3 बजे शुरू होगी

जेद्दा, 22 नवम्बर। आईपीएल के 18वें सीजन का आगाज होने से पहले मेगा नीलामी होगी। जिसका आयोजन 24 और 25 नवंबर को सऊदी अरब के जेद्दा में होगा। यहां जानें नीलामी कितने बजे शुरू होगी और कहां आप लाइव देख सकेंगे? दरअसल, आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी के लिए कुल 574 खिलाड़ियों का चुना गया है। इसमें 366 भारतीय जबकि 208 विदेशी प्लेयर्स शामिल हैं। हालांकि, नीलामी में सिर्फ 104 खिलाड़ी ही बिक सकेंगे। बाकी सभी अनसोल्ड जाएंगे। अक्टूबर के आखिर तक सभी टीमें अपने अपने रिटेन खिलाड़ियों की लिस्ट जारी कर चुकी हैं। वहीं आईपीएल 2025 की नीलामी के लिए 13 देशों के कुल 574 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया गया है। इसमें स्कॉटलैंड का एक और जिम्बाब्वे के 3 खिलाड़ी भी शामिल हैं। जबकि इस मेगा ऑक्शन में 81 खिलाड़ियों की बेस प्राइस 2 करोड़ रुपये हैं, तो 27 खिलाड़ियों की बेस प्राइस 1.50 करोड़ रुपये है। इस लिस्ट में 18 खिलाड़ी ऐसे हैं, जिनकी बेस प्राइस 1.25 करोड़ रुपये है। आईपीएल 2025 की नीलामी के लिए 13 देशों के कुल 574 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया गया है। इसमें स्कॉटलैंड का एक और जिम्बाब्वे के 3 खिलाड़ी शामिल हैं। इस मेगा ऑक्शन में 81 खिलाड़ियों की बेस प्राइस 2 करोड़ रुपये हैं, जबकि 27 खिलाड़ियों की बेस प्राइस 1.50 करोड़ रुपये है। वहीं इस लिस्ट में 18 खिलाड़ी ऐसे हैं, जिनकी बेस प्राइस 1.25 करोड़ रुपये है।

इंडिया ओपन शूटिंग शॉटगन चैम्पियनशिप का शुभारंभ

जयपुर, 22 नवंबर। ओएसिस शूटिंग रेंज, जगतपुरा, जयपुर में आज इंडिया ओपन शूटिंग शॉटगन चैंपियनशिप 2024 का शुभारम्भ किया गया। यह प्रतियोगिता 22 नवंबर से 2 दिसंबर तक आयोजित की जाएगी जिसमे भारत के सभी राज्यों के 500-600 खिलाडी भाग लें रहे है। प्रतियोगिता के शुभ आरम्भ के अवसर पर समस्त नेशनल राइफल एसोसिएशन के जूरी मेंबर्स राजस्थान राइफल एसोसिएशन के अध्यक्ष यज्ञिमत्र देव सिंह, उपाध्यक्ष गिरधर प्रताप सिंह एवं सचिव शशांक कुरानी उपस्थित रहे।आयोजन को सफल बनाने के लिए चीफ गेस्ट नीरज कुमार पवन चेयरमैन राजस्थान स्टेट स्पोर्ट्स कॉउंसिल उपस्थित रहे। राजस्थान राइफल एसोसिएशन के अधिकारियो ने बुके और मोमेंटो देकर उनका स्वागत किया और प्रतियोगिता में भाग ले रहे सभी खिलाड़ियों की हौंसला अफ़ज़ाई की।

केएल राहुल को गलत आउट दिया गया : मांजरेकर

पर्थ, 22 नवंबर। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है आज के मैच में भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल को डीआरएस के जरिए गलत आउट दिया गया। आज टेस्ट मैच के पहले दिन भोजनकाल से पहले केएल राहुल जब 26 के निजी स्कोर पर बल्लेबाजी कर रहे थे तब मैदानी अंपायर रिचर्ड कैटलब्रॉ ने उन्हें मिचेल स्टार्क की गेंद पर कॉट बिहाइंड की अपील पर नॉट आउट करार दिया था। ऑस्ट्रेलिया ने रिव्यू लिया और रिप्ले में जब गेंद बल्ले के करीब से गुजर रही थी तब स्निको में स्पाइक दिखाई दिया था, लेकिन उसी समय राहुल का बल्ला भी पैड से टकराया था। थर्ड अंपायर रिचर्ड इलिंगवर्थ ने कैटलब्रॉ से अपना निर्णय पलटने के लिए कह दिया। इस निर्णय पर राहुल अपनी असहमति जताते हुए पवेलियन की ओर लौट गए और भारत के 47 के स्कोर पर चार विकेट हो गये थे।

मांजरेकर ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, सबसे पहले तो मैं टीवी अंपायर को उपलब्ध कराई गई सुविधा से निराश हूं। उन्हें और सबूत मुहैया कराए जाने चाहिए थे। केवल कुछ एंगल के आधार पर मुझे नहीं लगता कि इतना महत्वपूर्ण निर्णय लिया जाना चाहिए था। मेरा प्वाइंट यह है कि नेकेड आई से केवल यही चीज नज़र आ रही थी कि बल्ले का पैड से संपर्क हुआ था। इसके अलावा आपको किसी भी नतीजे पर पहुंचने के लिए स्निको की जरूरत थी। उन्होंने कहा, इसलिए अगर बल्ले पर गेंद लगी थी तब ज़ाहिर तौर पर स्निको पर एक और स्पाइक होना चाहिए था क्योंकि बिना किसी संदेह के दो घटनाएं हुई थीं। देखने में यह पूरी तरह से स्पष्ट था कि बल्ले और पैड का संपर्क हुआ है। अगर स्पाइक उसका था तब बाहरी किनारा लगने के सवाल पैदा नहीं होता।

अगर दो स्पाइक दिखाई देते तब यह कहा जा सकता था कि पहला स्पाइक बल्ले के गेंद पर लगने का था। ऐसे में यह टीवी अंपायर को उपलब्ध कराई गई ख़राब सुविधा से अधिक कुछ नहीं था। उन्होंने कहा, अगर दो स्पाइक नहीं थे तब फैसला बल्ले के पैड से टकराने के आधार पर ही लिया जाना चाहिए था। मेरे हिसाब से यह कुलमिलाकर खराब निर्णय था और इसके लिए मैदानी अंपायर को दोष नहीं दिया जा सकता। राहुल के लिए बुरा लगता है, पारी की शुरुआत करने में कितनी मेहनत लगती है और भारत के साथ साथ उनके स्वयं के करियर के लिए यह कितना महत्वपूर्ण समय है।

वीरेन्द्र सहवाग ने बेटे की 297 रन की पारी पर किया ट्वीट, लिखा तुमने सिर्फ 23 रन से फरारी मिस की

कूच बिहार, 22 नवम्बर। वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर सहवाग ने कूच बिहार ट्रॉफी टूर्नामेंट में दिल्ली के लिए खेलते हुए मेघालय के खिलाफ पहली पारी में 297 रन की जबरदस्त पारी खेली। उन्होंने ये स्कोर 309 गेंदों का सामना करते हुए 51 चौके और 3 छक्कों की मदद से खेली। आर्यवीर की इस पारी के बाद उनके पिचा वीरेंद्र सहवाग काफी खुश नजर आए और ट्वीट करते हुए उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी, लेकिन उन्होंने ये भी लिखा कि तुमने 23 रन से फेरारी मिस कर दी। बता दें कि, सहवाग ने ट्वीट करते हुए लिखा कि, तुमने अच्छा खेला आर्यवीर, लेकिन 23 रन से तुमने फेरारी मिस कर दी।

राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद : 26 को संविधान दिवस का आयोजन चित्रकूट स्टेडियम पर होगा

जयपुर, 22 नवंबर। संविधान के 75वें वर्षगांठ के उपलक्ष्य पर युवा मामले एवं खेल विभाग द्वारा 26 नवंबर को इसका आयोजन चित्रकूट स्टेडियम पर किया जायेगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए युवा मामले एवं खेल विभाग के शासन सचिव डा. नीरज कुमार पवन ने शुक्रवार को राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद्, नगर निगम ठोटर, राजस्थान युवा बोर्ड के अधिकारियों के साथ चित्रकूट स्टेडियम का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया।

डॉ. नीरज कुमार पवन ने कार्यक्रम के भव्य आयोजन के लिए सभी व्यवस्थाओं के पुख़्ता इंतज़ाम सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किये। सभी प्रतिभागियों के लिए जलपान, टी शर्ट, प्ले कार्ड, मोबाईल टॉयलेट्स के समुचित प्रबंध सुनिश्चित किए जायेगे। कार्यक्रम में बैंडवादन की प्रस्तुति दी जाएगी। पदयात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर सेल्फी बूथ लगाये जायगे। इस अवसर पर राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद् के सचिव राजेंद्र सिंह सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहें।

अदविका ने राष्ट्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिता में टीम इवेंट में दूसरी बार गोल्ड मेडल प्राप्त किया

जयपुर, 22 नवंबर। मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम में चल रहे 68वें नेशनल स्कूल गेम्स में सीबीएसई वेलफेयर गर्ल्स अंडर-17 बैडमिंटन टीम ने टीम कैटेगरी में स्वर्ण पदक जीता। टीम ने सेमीफाइनल में तमिलनाडु को हराया और फाइनल में महाराष्ट्र को हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। गौरतलब है कि यही टीम पिछले साल दिल्ली में आयोजित अंडर-14 एसजीएफआई नेशनल्स में भी स्वर्ण पदक जीत चुकी है। इस बार की बड़ी उपलब्धि यह है कि टीम की अधिकांश खिलाड़ी अभी भी अंडर-14 आयु वर्ग में आती हैं, लेकिन उन्होंने ऊंची श्रेणी (अंडर-17) में खेलते हुए गोल्ड मेडल जीता। इस टीम की एक अहम खिलाड़ी राजस्थान के भीलवाड़ा की अद्विका शर्मा रहीं। उन्होंने राजस्थान की बैडमिंटन के इतिहास में पहली बार लगातार दो एसजीएफआई बैडमिंटन स्वर्ण पदक जीतने वाली खिलाड़ी बनकर इतिहास रच दिया।

आईपीएल के सभी मैच देखे जाएंगे, करोड़ों में 2032 तक का हुआ करार

नई दिल्ली, 22 नवम्बर। एशिया कप को लेकर बड़ा अपडेट आया है। दरअसल, एशिया कप का पिछला सीजन 2023 में खेला गया था, जो स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क के जरिए टीवी पर लाइव प्रसारित किया गया था। अब 2031 तक एशिया कप के सभी मैच दूसरे चैनल पर देखने को मिलेंगे। एशिया कप के लिए एशियाई क्रिकेट काउंसिल का बड़ा फैसला है। अब से 2031 तक एशिया कप के सभी मुकाबले सोनी नेटवर्क पर देखने को मिलेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, इस करार में पिछले मीडिया राइट्स के मुकाबले की तुलना में 70 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली। इस करार में बात सिर्फ एशिया कप तक सीमित नहीं रही, बल्कि एशियाई क्रिकेट काउंसिल के सभी मैच 2031 तक सोनी नेटवर्क पर आएंगे।

आईपीएल ऑक्शन को लेकर पंत को नाथन लियोन ने छेड़ा, पूछा किस टीम में जाओगे

नई दिल्ली, 22 नवम्बर। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत 5 मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत हो चुकी है। दोनों टीमों के बीच पर्थ में पहला टेस्ट खेला जा रहा है। जिसके पहले दिन गेंदबाजों का बोलबाला रहा। वहीं इस दौरान मैदान पर कई ऐसे किस्से भी हुए जब दोनों टीमों की तरफ से एक-दूसरे को स्लेज किया गया। अब भारत-ऑस्ट्रेलिया मुकाबले के दौरान ऐसा ना हो वो कैसे हो सकता है।

खैर इस टेस्ट के पहले दिन पहली पारी में जब ऋषभ पंत बल्लेबाजी कर रहे थे तो उस दौरान नाथन लियोन ने उन्हें स्लेज करके उनका ध्यान भटकाने की कोशिश की। नाथन लियोन और ऋषभ पंत के बीच जो मजेदार बात हुई तो आईपीएल 2025 की नीलामी को लेकर हुई। इस बार आईपीएल 2025 की नीलामी 24 और 25 नवंबर तो जेद्दा में किया जाएगा। इस नीलामी को लेकर ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी भी उत्साहित हैं और उनका भी ध्यान उधर ही लगा है और ऐसा लियोन की बात से समझ में आया। हालांकि, लियोन आईपीएल नीलामी का हिस्सा नहीं होंगे, लेकिन उन्हें भी पता है कि ये नीलामी होने वाली है और खिलाड़ियों के लिए ये कितना अहम है।

वहीं पर्थ में पंत की बल्लेबाजी के दौरान लियोन ने उनसे पूछा कि वो आईपीएल नीलामी के बाद किस टीम में जाएंगे तो इसके जवाब में पंत ने कहा कि उन्हें कुछ पता नहीं।

जेनरीवाल के शतक और चौधरी के 6 रन पर 5 विकेट

जयपुर, 22 नवम्बर। आज जी आर क्रिकेट ग्राउंड पर जयपुर अंडर-14 टीम ने कोवित् जेनरीवाल शतक 107 रन की शतकीय पारी और हंस चौधरी 6 रन पर 5 विकेट तथा हर्षवर्धान शर्मा 11 रन पर 3 विकेट की घातक गेंदबाज़ी की बदौलत बूँदी जिले की टीम को 273 रन से हराकर मैच जीत लिया। जयपुर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कोवित जेनरीवाल, 107 रन, मानवीर सरावगी 55रन, पुरांजय सिंह राठौड़ 38 सचिन मीना 27 रन की मदद से निधारित 50 ओवर मे 7 विकेट खोकर 322 रन बनाये, बूँदी की तरफ से विभांश कसाट व मोहित कुमार 2-2 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। जवाबी पारी में बूँदी की पूरी टीम जयपुर के हंस चौधरी 6 रन पर 5 विकेट, हर्श वर्धान शर्मा 11 रन पर 3 विकेट तथा युवराज मुंडोतिया18 रन पर 2 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे।

मैदान पर लाबुशेन से भिड़ गए मो. सिराज

जमकर जुबानी जंग, कोहली भी लड़ाई में कूदे

पर्थ, 22 नवम्बर। ये नया हिंदुस्तान है, घर में घुसेगा भी और मारेगा भी।... साल 2019 में रीलिज हुई बॉलीवुड फिल्म उरी का ये डायलॉग तो आपने जरूर सुना होगा। भारतीय क्रिकेट टीम कुछ इसी अंदाज में ऑस्ट्रेलिया को ऑस्ट्रेलिया में जाकर चैलेंज कर रही है। पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में 22 अगस्त से शुरू हुई बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट के पहले दिन टीम इंडिया ने कंगारुओं को मुंहतोड़ जवाब दिया। मैदान पर गर्मी तब बढ़ गई जब मोहम्मद सिराज और मार्नस लाबुशेन आपस में भिड़ गए। दरअसल, मोहम्मद सिराज ने 13वें ओवर की तीसरी गेंद शॉर्ट ऑफ लैंथ फेंकी, जो पिच पर टप्पा खाने के बाद अंदर की ओर आई और लाबुशेन के पैड पर लगी। गेंद स्टंप के करीब जा रही थी, जिसे सिराज अपने फॉलोथ्रू में उठाना चाहते थे, लेकिन इससे पहले कि सिराज बॉल उठाते मार्नस ने उसे अपने बल्ले से दूर धकेल दिया। सिराज इसी बात पर खफा हो गए क्योंकि उस समय तब मार्नस क्रीज के अंदर नहीं थे। दरअसल, सिराज की चाहत गेंद को उठाकर स्टंप पर मारने की थी, मार्नस लाबुशेन ने ऐसा नहीं करने दिया, जिसके बाद भारतीय तेज गेंदबाज गुस्सा गया और विरोधी बल्लेबाज लाबुशेन को घूरने लगे। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज भी उन्हें घूरने लगा। अगले कुछ सेकंड तक दोनों के बीच जुबानी जंग चली। दूसरी ओर कोहली भी मार्नस लाबुशेन की हरकत को देखकर गुस्सा में आ गए थे, उन्होंने गेंद मांगी और गिल्लियां गिराते हुए अपना रिएक्शन दिया। कुल मिलाकर कुछ मिनट तक मैदान पर

राजस्थान-केरल अंडर-19 कूच बिहार ट्रॉफी मैच, राजस्थान पारी व 280 रनों से जीती

अंडर-19 कूच बिहार ट्रॉफी मैच : राजस्थान की जीत में जतिन, अनस, आभास, राज शर्मा, आकाश मुंडेल, गुलाब चमके

जयपुर, 22 नवम्बर। राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम पर खेले जा रहे बीसीसीआई की राष्ट्रिय अंडर 19 क्रिकेट प्रतियोगिता कूच बिहार ट्रॉफी के राजस्थान - केरल मैच के तीसरे दिन राजस्थान ने केरल को पारी व 280 रनो के विशाल अंतंसे हराया। राजस्थान के गेंदबाज जतिन ने केरल की दूसरी पारी में 7 बल्लेबाजों को पेविलियन लौटते हुए राजस्थान को बड़ी जीत दिलाई। मैच में राजस्थान के लिए जतिन, अनस, राज शर्मा, आभास श्रीमाली, आकाश मुंडेल व गुलाब का शानदार प्रदर्शन रहा। राजस्थान के गेंदबाज जतिन , गुलाब व आभास श्रीमाली ने शानदार गेंदबाजी करते हुए केरल की पूरी टीम को मात्र 87 रनो पर आउट करते हुए मैच में राजस्थान को बड़ी जीत दिलाई। जतिन ने सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करते हुए केरल के विरुद दूसरी पारी में 7 विकेट प्राप्त किये। राजस्थान के गेंदबाज जतिन 32/7, आभास श्रीमाली 4/1 व गुलाब 27/1 विकेट प्राप्त किये।

आज मैच से पूर्व दोनों टीमों, मैच ओफिश्यल्स ने राजस्थान क्रिकेट संघ के पूर्व सचिव व वरिष्ठ खेल प्रशासक स्वर्गीय अशोक ओहरी जी के आकस्मिक निधन पर श्रद्धांजलि देते हुए 2 मिनट का मौन रखा। राजस्थान क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित की जा रही राज्य स्तरीय अंडर-14 क्रिकेट प्रतियोगिता के मैचों से पूर्व भी सभी टीमों, मैच ओफिश्यल्स ने क्रिकेट संघ के पूर्व सचिव व वरिष्ठ खेल प्रशासक स्वर्गीय अशोक ओहरी जी के आकस्मिक निधन पर श्रद्धांजलि देते हुए 2 मिनट का मौन रखा।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया फिलिप ह्यूज को देगी 10वीं बरसी पर खास सम्मान

नई दिल्ली, 22 नवम्बर। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया फिलिप ह्यूज के निधन की 10वीं बरसी पर उन्हें श्रद्धांजलि देने की तैयारी कर रहा है। इस मौके पर घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय मैचों में कई श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। झंडे आधे झुके रहेंगे, खिलाड़ी काले आर्मबैंड पहनेंगे और ह्यूज की याद में मौन रखा जाएगा। शनिवार से शुरू हो रहे शेफील्ड शील्ड मैचों से यह शुरू होगा। ह्यूज का निधन 2014 में उनके 26वें जन्मदिन से कुछ दिन पहले ही मैदान पर एक हादसे में हुआ था। उनकी असमय मौत 27 नवंबर 2014 को हुई थी। साउथ ऑस्ट्रेलिया, जो ह्यूज की पुरानी टीम थी, एडिलेड में वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलेगी। वहीं, न्यू साउथ वेल्स, जो उनकी बचपन की टीम थी, एससीजी में तस्मानिया की मेजबानी करेगी। क्वींसलैंड और विक्टोरिया की टीमें भी हिस्सा लेंगी। मैचों के चौथे दिन से पहले काले आर्मबैंड पहनकर और मौन रखकर उन्हें याद किया जाएगा। सिडनी और ब्रिस्बेन में होने वाले मैचों के अंतिम दिन, फिलिप ह्यूज की बरसी का दिन होगा। खिलाड़ी, अधिकारी और प्रशंसक उनके जीवन और करियर को याद करेंगे। ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच एडिलेड में 6 दिसंबर से शुरू हो रहे टेस्ट मैच को इस राष्ट्रीय श्रद्धांजलि का केंद्र बनाया गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने ह्यूज के परिवार के साथ मिलकर उनके जीवन, विरासत और उपलब्धियों पर एक डॉक्यूमेंट्री तैयार की है। इसे मैच से पहले दिखाया जाएगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ निक हॉकली ने कहा, हम जानते हैं कि यह समय उन सभी लोगों के लिए भावुक होगा, जो फिलिप ह्यूज को जानते और पसंद करते थे। हमने यह सुनिश्चित किया है कि ह्यूज परिवार को इन श्रद्धांजलि आयोजनों से संतुष्टि मिले और हम उनके जीवन और उपलब्धियों को सही ढंग से सम्मान दें।

नम्बर मिलाइए
9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

'योजनाओं के लिए धन की कमी नहीं आने दी जायेगी'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा, जल जीवन मिशन में 11 माह में 10.32 लाख कनैक्शन दिये

जयपुर, 22 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा, राज्य सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो। इसके लिए राज्य सरकार प्राथमिकता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा, इसके लिए धन की किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। उन्होंने कहा, विभागीय अधिकारी योजनाओं को चरणबद्ध रूप से आगे बढ़ाते हुए केन्द्र एवं राज्य सरकार से प्राप्त बजट का समय पर उपयोग करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल जीवन मिशन एवं अमृत 2.0 योजना के तहत चल रहे कार्यों तथा बजट घोषणाओं से जुड़े कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग कर इन्हें शीघ्र पूरा किया जाए।

- मुख्यमंत्री ने विभाग को, राजपत्रित, अराजपत्रित, तकनीकी और चतुर्थ श्रेणी संवर्ग के रिक्त पड़े 12 हजार से अधिक पदों पर शीघ्र भर्ती करने के निर्देश दिये।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा तथा मुख्य सचिव सुधांश पंत ने भाग लिया। प्रमुख शासन सचिव भास्कर ए. सावंत ने विभागीय योजनाओं और बजट घोषणाओं की प्रगति पर प्रैज़ैन्टेशन दिया।

मुख्यमंत्री शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में प्रमुख शासन सचिव, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी भास्कर ए. सावंत ने मुख्यमंत्री को प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विभागीय योजनाओं एवं बजट घोषणाओं की प्रगति की जानकारी दी।

शर्मा ने कहा, हमारी सरकार के कार्यकाल के मात्र 11 महीनों में ही जल जीवन मिशन के तहत 10.32 लाख कनेक्शन दिए जा चुके हैं। उन्होंने इस योजना के कार्यों में तेजी लाते हुए गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में पेयजल उपलब्ध कराने के लिए केन्द्र सरकार की अमृत 2.0 योजना के तहत चल रहे कामों की नियमित मॉनिटरिंग करते हुए उन्हें शीघ्र पूरा किया जाए।

शर्मा ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में रिक्त पदों की स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि राज्य के युवाओं को रोजगार देना सरकार का प्रमुख लक्ष्य है। अतः विभाग में राजपत्रित, अराजपत्रित, तकनीकी एवं चतुर्थ श्रेणी संवर्ग के रिक्त पड़े 12 हजार से अधिक पदों पर शीघ्र भर्ती की जाए। उन्होंने 3500 पदों पर चल रही भर्ती प्रक्रिया में भी तेजी लाने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल जीवन मिशन एवं अमृत 2.0 सहित विभागीय योजनाओं के तहत, पाइपलाइन बिछाने के कार्यों में इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि आमजन को इससे परेशानी न हो। उन्होंने निर्देश दिए कि विभाग द्वारा पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़कों का जिला कलेक्टरों के स्तर पर निरीक्षण करवाकर विस्तृत रिपोर्ट मंगवाई जाए और कार्य समाप्ति के तुरंत बाद सड़क की मरम्मत-पुनर्निर्माण करवाया जाए।

शर्मा ने कहा कि प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर अवैध कनेक्शनों को चिन्हित कर उन्हें काटा जाए तथा संबंधित व्यक्ति पर जुर्माने सहित अन्य सख्त कार्रवाई की जाए।

इस अवसर पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भूजल मंत्री कन्हैयालाल, मुख्य सचिव सुधांश पंत, अतिरिक्त मुख्य सचिव वित्त, अखिल अरोड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) आलोक गुप्ता, मिशन निदेशक जल जीवन मिशन कमर उल जमान चौधरी सहित पी.एच.ई.डी., जल जीवन मिशन एवं भूजल विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद थे।

पेपर लीक : 10 ट्रेनी एस.आई. को जमानत मिली

जयपुर, 22 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने पुलिस उप निरीक्षक भर्ती-2021 पेपर लीक मामले में दस ट्रेनी एस.आई. को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। वहीं, अदालत ने डमी अभ्यर्थी के तौर परीक्षा में शामिल आरोपियों सहित कुल 9 आरोपियों को राहत देने से इनकार करते हुए उनकी जमानत याचिकाओं को खारिज कर दिया है। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने ये आदेश मामले में पेश कुल 19 जमानत याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए। डमी अभ्यर्थी गिरधारी राम की ओर से कहा गया कि उसके खिलाफ आरोप है कि उसने 10 लाख रुपए लेकर विक्रमजीत के स्थान पर डमी उम्मीदवार के रूप में परीक्षा दी, जबकि जिस दिन परीक्षा हुई थी, वह जैसलमेर में शिक्षक के रूप में स्कूल में उपस्थित था, उसके उपस्थिति रजिस्टर से भी यह साबित होता है। इसके अलावा विक्रमजीत के प्रवेश पत्र में लगी उसकी फोटो और परीक्षा के दौरान दी गई दूसरी फोटो से यह साबित है कि उसने स्वयं ही लिखित परीक्षा दी थी। इसके अलावा, उसका नाम भी एफ.आई.आर. में नहीं है और वह गत 18 अप्रैल से न्यायिक अभिरक्षा में चल रहा है। इसका विरोध करते हुए सरकारी वकील अनुराग शर्मा ने कहा कि ओ.एम.आर. शीट में किए गए हस्ताक्षर को एफ.एस.एल. भेजा गया था, जो याचिकाकर्ता की हैंडराइटिंग से मैच हुए हैं।

'बुरे दिन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दो दिन से राजस्थान प्रभारी रंधावा चुप्पी साधे हुए हैं, यह रहस्य हो गया है कि क्या एक पूर्व मुख्यमंत्री की मनमानी कांग्रेस में बदस्तूर जारी रहेगी और प्रदेश संगठन को सत्ता की लालसा में डूबे उम्र दराज़ हो चुके और तीन-तीन बार हारे मुख्यमंत्री की जेब में रहने वाली संस्था बनने दिया जाएगा या सभी कार्यकर्ताओं को संदेश दिया जाएगा कि वे गहलोत की चाकरी करने से बचें।

जयपुर एयरपोर्ट पर जिस तरह से अशोक गहलोत अपने साथ धर्मेंद्र राठौड़ को ले गए और राहुल गांधी से हाथ मिलवाया उससे यह साबित हो गया है कि कांग्रेस राजस्थान के प्रति बिल्कुल गंभीर नहीं है। एयरपोर्ट पर दिखाई दी मंडली के रहते राजस्थान में भाजपा को 2028 में रिपीट होने से रोक पाना किसी के बस में नहीं है।

कैनडा में हिंसा के लिए प्र.मंत्री मोदी के खिलाफ कोई सबूत नहीं है

कैनडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की गुप्तचर सलाहकार नैतली डूइन ने यह दावा किया

- कैनडा सरकार ने, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ओर एन.एस.ए. अजित डोभाल के खिलाफ भी सबूत नहीं होने की बात कही।
- कैनडा सरकार ने अपने ही इस पूर्व बयान को खारिज कर दिया कि कैनडा में हुई निज्ज़र की हत्या की साजिश के बारे में प्रधानमंत्री मोदी, विदेश मंत्री एस.जयशंकर व अजीत डोवल को पता था।

- श्रीनंद झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 22 नवंबर। कैनडा ने अब इस बात से इंकार किया है कि उसके पास कैनडा की धरती पर हुई हिंसा से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, विदेश मंत्री एस. जयशंकर या राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोवल से किसी प्रकार के किसी 'लिंक' के कोई प्रमाण है।

कैनडा के विदेश मंत्रालय ने पिछले महीने आरोप लगाया था कि गृह मंत्री अमित शाह कैनडा में डराने-धमकाने (इन्टिडिमेशन) के अभियान के मास्टर माइंड है। सरकारी प्रवक्ता ने कहा था कि कैनडा के पास कैनडा की धरती पर सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार के एजेंटों की लिप्तता के सबूत है। इस सप्ताह के आरंभ में एजेंसियों का मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी को हिंसक षडयंत्र के बारे में जानकारी थी तथा विदेश मंत्री जयशंकर तथा एन.एस.ए. अजीत डोवल भी इस घेरे में थे। कैनडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के इन्टिलिजेंस एडवाइज़र, नैटली डूइन ने कहा कि, 'क़ैनडा सरकार ने ना तो ऐसा कहा है, और इसे किसी प्रमाण या सबूत की जानकारी है। जो प्रधानमंत्री मोदी, विदेश मंत्री जयशंकर या एन.एस.ए. डोवल को कैनडा की किसी गंभीर क्रिमिनल गतिविधि से जोड़ता है। इसके विपरीत कोई भी संकेत मात्र अटकल तथा गलत है।' जहां भारत सरकार ने कैनडा में हिंसक अपराधों में उसकी लिप्तता के आरोप सिरे से खारिज कर दिये है, वहीं कैनडा सरकार निज्जर की हत्या में चारों भारतीय नागरिकों पर आरोप लगाये है। कैनडा, अपने गृह राज्य पंजाब से बाहर रहने वाली सिखों की बहुत बड़े संख्या का घर बना हुआ है। तथा उस देश में इस प्रकार के प्रदर्शन होते रहते है। तथा मांग की जाती रहती है कि सिखों के लिये पृथक होम लैंड भारत से अलग किया जाना चाहिये। भारत इन अलगाववादियों को 'आतंकवादी' बताता है, जो भारत की सुरक्षा के लिये खतरा है।

जहां दोनों देशों के बीच कूटनीति तनाव अभी तक खदबदा रहे है। वहीं कैनडा और भारत के प्रधानमंत्री अभी हाल ही, रियो डी जेनेरो में जी-20 के दौरान मंच साझा करते हुए दिखाई दिये थे। जब ट्रूडो ने गत वर्ष सार्वजनिक रूप से यह आरोप लगाये थे कि निज्जर की हत्या में भारत सरकार के एजेंटों की लिप्तता है, उसके बाद दोनों देशों के संबंध बिल्कुल नीचे उतर आये है। जब कैनडा ने निज्जर प्रकरण में 'पर्सन्स ऑफ इन्ट्रैस्ट' के रूप में भारतीय अधिकारियों पर सवाल खड़े करने की कोशिश की थी, तो भारत ने कैनडा के छह राजनयिकों को निष्कासित कर दिया था तथा ओटावा से अपने राजदूत को वापस बुला लिया था। कैनडा में चल रही खालिस्तान समर्थक गतिविधियों, जिनमें अभी हाल ही में टोरंटो के नजदीक एक मंदिर पर हुआ हमला शामिल है, ने दोनों देशों के बीच के संबंधों को ओर ज्यादा उत्तेजक कर दिया है।

शरद पवार पर नारायण राणे की टिप्पणी आकस्मिक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अघाड़ी (एम.वी.ए.) सरकार कभी नहीं बनेगी तथा उद्धव ठाकरे फिर से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री कभी नहीं बनेंगे।"

भाजपा नेता नारायण राणे ने यह भी कहा, "महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद, उद्धव ठाकरे और आदित्य ठाकरे का सड़क पर चलना मुश्किल हो जायेगा। संजय राउत ने शिवसेना (उद्धव बाल ठाकरे) के पुनरुद्वार की प्रतीक्षा की, लेकिन पार्टी का अब पहले जैसा दबदबा नहीं रहा है।"

लेकिन, एन.सी.पी. (एस.पी.) का इस संभावना से अधिकृत इनकार, कि शनिवार, 23 नवम्बर को महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव परिणामों की घोषणा हो जाने के बाद, शरद पवार भाजपा से हात मिला लेंगे, राजनैतिक अटकलों को विराम नहीं दे पा रहा है।

एक राजनैतिक पर्यवेक्षक ने, उनका नाम गुप्त रखने की शर्त पर कहा, "राजनीति में कुछ भी असंभव नहीं है। इस बात का असली कारण जान पाना बहुत मुश्किल है कि भाजपा नेता नारायण राणे ने इस बयान को जारी करने के लिये चुनाव परिणामों की घोषणा से ठीक एक दिन पहले का ही दिन क्यों चुना। लेकिन, इसके सूत्र अडानी-प्रकरण से जुड़े हो सकते हैं।"

जब उनसे विस्तार में जाने का आग्रह किया गया तो उन्होंने कहा, "कांग्रेस अडानी तथा उनकी धारावी पुनर्विकास योजना का खुला विरोध कर रही है। शिव सेना (यू.बी.टी.) भी इसका विरोध कर रही है, जबकि तथ्य यह है कि यह प्रोजेक्ट अडानी को उद्धव ने ही दिया था, जब वे सत्ता में थे। लेकिन यह भी सुविदित है कि शरद पवार अडानी के नजदीक रहे हैं और हो सकता है कि पवार, अडानी के सम्बंध में कांग्रेस या शिवसेना के दृष्टिकोण को शेयर करना नहीं चाहें।"

लेकिन, अभी यह कहना वास्तव में बहुत जल्दबाजी होगी कि अडानी - प्रकरण शरद पवार को भाजपा-समर्थित महायुति की ओर ले जा सकता है, जो अडानी-समर्थक माना जाता है। जो भी हो, इस मामले में बहुत बड़ी सौदेबाजी होगी तथा जो भी पार्टी सत्ता में आती है, उसके साथ अडानी खुशी-खुशी कार्य करना चाहेंगे।

सरकारी गवाह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गया था और अन्य आरोपी कटारा से पूर्व गिरफ्तार हो चुके थे। इसके अलावा, मामले में ऐसी परिस्थितियां मौजूद हैं कि कटारा को सरकारी गवाह बनाए बिना भी पत्रावली में पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं। इसके साथ ही, अदालत ने मामले में निचली अदालत की ओर से आरोपी कटारा का प्रार्थना पत्र खारिज करते के आदेश को सही माना है।

सी.आर.पी.सी. की धारा 306 के तहत पेश प्रार्थना पत्र में कटारा की ओर से कहा गया कि वह स्वेच्छा से माफी गवाह बनने का इच्छुक है। वह घटना को लेकर अदालत के समक्ष साक्ष्य पेश करने की इच्छा रखता है। ऐसे में उसे क्षमादान दिया जाए। प्रार्थना पत्र में कहा गया कि उसने निचली अदालत में भी यह प्रार्थना पत्र पेश किया था, जिसका जांच एजेंसी ने विरोध नहीं किया था। ऐसे में निचली अदालत ने उसका प्रार्थना पत्र गलत तरीके से खारिज किया है।

मामले में फिलहाल अनुसंधान लंबित है। इसलिए उसे माफी गवाह बनाकर क्षमादान दिया जाए। वहीं, मामले के परिवादी नियाज मोहम्मद खान की ओर से कहा गया कि यदि कटारा महत्वपूर्ण साक्ष्य देता है तो उसे कोई एतराज नहीं है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने कटारा के प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया।

एस.आई. भर्ती-2021...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लिया है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश कैलाश चन्द्र शर्मा व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया।

सुनवाई के दौरान, अतिरिक्त महाधिवक्ता भुवनेश शर्मा ने राज्य सरकार की ओर से जवाब पेश करने के लिए चार सप्ताह का समय मांगा। इस पर अदालत ने कहा कि यह युवाओं के भविष्य से जुड़ा मामला है। ऐसे में सरकार दो सप्ताह में अदालत में जवाब पेश करे। वहीं, कुछ ट्रेनी एस.आई. की ओर से अदालत में प्रार्थना पत्र पेश कर मामले में पक्षकार बनने की गुहार की गई। ट्रेनी एस.आई. की ओर से प्रार्थना पत्र में कहा गया कि याचिका में होने वाले निर्णय से उनके हित प्रभावित होंगे। ऐसे में याचिका में उन्हें भी पक्ष रखने का मौका दिया जाए। इस प्रार्थना पत्र का राज्य सरकार और याचिकाकर्ता के वकील ने विरोध नहीं किया। इस पर अदालत ने उन्हें पक्षकार बना लिया।

याचिका में अधिवक्ता हरेन्द्र नील ने अदालत को बताया कि आर.पी.एस.सी. ने 3 फरवरी, 2021 को पुलिस उपनिरीक्षक के पदों पर आवेदन मांगे थे। इसमें चार सौ अंक की लिखित परीक्षा और पचास अंक का साक्षात्कार रखा गया। भर्ती में 7.93 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया और 3.83 लाख अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। वहीं, परीक्षा का आयोजन 13 सितंबर से 15 सितंबर 2021 तक हुआ, लेकिन भर्ती की पाली में हुई पहली परीक्षा के दौरान ही पेपर लीक हो गया। इसकी एफ.आई.आर. भी दर्ज हो गई, लेकिन उसके बाद भी राज्य सरकार ने भर्ती की प्रक्रिया जारी रखी और 21 सितंबर 2023 को अभ्यर्थियों को नियुक्ति दे दी। इसके बाद, एस.ओ.जी. ने 3 मार्च 2024 को परीक्षा के पेपर लीक का मामला दर्ज किया। एस.ओ.जी., पुलिस मुख्यालय व राज्य के महाधिवक्ता भर्ती परीक्षा को रद्द करने की अनुशंसा कर चुके हैं। याचिका में कहा गया है कि ऐसे में संभावना है कि भर्ती में चयनित हुए अभ्यर्थियों को ट्रेनिंग के बाद फील्ड पोस्टिंग दे दी जाएगी। भर्ती में धांधली के कारण याचिकाकर्ता चयन से वंचित हुए हैं। इसलिए इस भर्ती को रद्द किया जाए।

दिल्ली में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जैसे ही ए. क्यू. आई. स्तर बढ़े स्कूलों को उनका पालन करना चाहिए।

- सुबह के समय प्रदूषण सबसे ज्यादा होता है इसे देखते हुए स्कूल सुबह 9 बजे बाद शुरू किए जा सकते हैं। यह व्यवस्था नवम्बर, दिसम्बर और जनवरी के लिए ही होनी चाहिए।
- एकैडमिक कैलेण्डर फिर से बनाया जाए ताकि जब प्रदूषण चरम पर हो तब दो सप्ताह के लिए स्कूल बंद रखे जा सकें। ये दो हफ्ते अन्य छुट्टियों के साथ एडजस्ट किए जाएं।
- सरकार बच्चों को एन 95 मॉस्क उपलब्ध करवाए।
- जिस समय ए.क्यू.आई. स्तर ज्यादा हो तब स्कूल उन बच्चों के लिए ब्रॉडकास्ट क्लास चला सकते हैं जिन्हे सांस की भारी तकलीफ है।
- याचिका में इस बात पर जोर दिया गया है कि स्कूल बंद करने की बजाय इस समस्या का हल किया जाए।

डॉक्टर पहले अपना इलाज़ तो ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक पल के लिए यह सोचें कि, एक भारतीय अदालत अमेरिका में एक अमरीकी कंपनी द्वारा अमेरिकी भूमि पर लागू की जा रही किसी परियोजना में भ्रष्टाचार और परियोजना के कायान्वयन में लापरवाही पर निर्णय दे। इसे तुरंत खारिज कर दिया जाता।

इतना ही नहीं, इसे भारतीय अदालतों द्वारा अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाने के घटिया व उद्दंड प्रयास के रुप में देखा जाता।

अमेरिका में एक फॉरैन प्रिवैंशन ऑफ करप्शन एक्ट (विदेशी भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम है, जिसके तहत गौतम अडानी और उनके भतीजे पर अभियोग दायर किया गया है और उन्हें गिरफ्तार करने का आदेश दिया गया है। भारत भी ऐसा कुछ कानून बना सकता है, जिनके तहत विदेशी भूमि पर दोषी पाए गए किसी व्यक्ति को निर्वाचित पदों से अयोग्य घोषित किया जा सके।

तथापि, मुद्दा यह है कि अमेरिका का ऐसा प्रभाव है जो अपनी ही सीमाओं और कानूनी अधिकार क्षेत्र से बाहर तक अपनी अकड़ को फैलाता है। ऐसा इसलिए, क्योंकि, यदि एक व्यवसायिक इकाई अमेरिकी बाज़ारों में धन जुटाने का प्रयास कर रही है तो वह स्वतः ही अमेरिकी कानूनों के अधीन हो जाती है और अमेरिका के लोगों द्वारा इन संस्थानों में निवेश किए गए धन की सुरक्षा के लिए यू.एस. के कानून व प्रावधान लागू होते हैं।

गौतम अडानी ने वास्तव में आंध्र प्रदेश सरकार व उसके अधिकारियों व राजनेताओं को रिश्वत दी है या नहीं, यह जांच का विषय है। इस देश में कोई भी विश्वास नहीं करता कि बड़ी-बड़ी सरकारी मंजूरियाँ राजनेताओं को पैसा दिए बिना मिल सकती हैं। जैसी कि कहावत है, रिश्वत दिए बिना किसी सरकारी संगठन को एक पिन भी नहीं बेचा जा सकता है।

भले ही कथित अपराध किए गए हों, भारतीय जाँच ऐजेन्सियों को इनकी जांच करनी चाहिए थी। वैसे, ऐतिहासिक रुप से ऐजेन्सियों का रिकॉर्ड सुस्त रहा है, और लालू यादव को छोड़कर, शायद ही कभी किसी बड़े राजनेता को दोषी ठहराया गया है।

पश्चिम बंगाल में सत्तारुढ़ तृणमूल कांग्रेस नेताओं के कथित अपराधों को ही देखें। एक सरकारी अस्पताल में हुई हत्या में मिलीभगत के आरोप से लेकर, बड़े स्तर पर पब्लिक फण्ड में हेराफेरी तक, अभी तक किसी को भी दोषी नहीं ठहराया गया है। जबकि, तृणमूल कांग्रेस नेताओं और उनकी प्रेमिकाओं के घर से कई करोड़ रुपए कैश में मिले। वर्षों तक जेल में रखने के बाद कथित अपराधियों को एक एक करके रिहा किया जा रहा है। तथापि, भारतीय कानून प्रवर्तन (लॉ एन्फोर्समैंट) और अपराध रोकथाम संस्थानों और रिकॉर्ड्स में ऐसी प्रत्यक्ष चूकों के बावजूद, एक राष्ट्र के रुप में भारत, भारत की भूमि पर हुए भारतीय मामलों में, अमेरिका की लॉ एन्फोर्समैंट एजेन्सियों की जीत का जश्न नहीं मनाया जा सकता। अमेरिकी अभियोग से प्रेरित होकर, तृणमूल कांग्रेस जैसी, बुरी तरह से निन्दित राजनीतिक पार्टियाँ अरबपति अडानी के विरुद्ध कार्यवाही की मांग कर रही हैं।

गौतम अडानी और उनके संगठन से गल्ती यह हुई कि उन्होंने इन आरोपों पर यू.एस. डिपार्टमैंट ऑफ जस्टिस द्वारा की जा रही जांच के बारे में जानकारी से इंकार किया, जबकि, उन्हें इसकी जानकारी थी। तथा, चूँकि वो अमेरिकी सिक्यूरिटीज़ मार्केट से धन जुटा रहे थे, इसलिए जानकारी से इंकार करना, संभावित निवेशकों से तथ्यों को छुपाना था।

कोई भी निवेशक को अपना पैसा देने को मजबूर नहीं कर रहा है। लेकिन, संगठन तथा उस योजना के बारे में पूरी जानकारी नहीं देना, जिसे वह निवेश के लिए पेश कर रहा है, निश्चित रुप से एक उल्लंघन है। इसलिए, इस हद तक अडानी संगठन जिम्मेवार है।

तथापि, जब तक संगठन अमेरिका के पूंजी बाज़ारों से दूर है, तब तक, यह निश्चित करना भारतीय अधिकारियों का काम है कि रिश्वत दी गई या नहीं।

जहाँ तक अपराधिक दायित्वों का सवाल है, भोपाल गैस त्रासदी याद आती है। यूनियन कार्बाइड कॉर्पोरेशन, जो गैस लीक तथा उसके कारण हुए भारी त्रासदी के लिए जिम्मेवार थी, उसे भारतीय अधिकारियों की स्पष्ट जानकारी में भारत छोड़ने की अनुमति दे दी गई। जिन लोगों ने इस अपराध को अंजाम दिया, उन्हें अपराध के अनुपात में कभी सजा नहीं मिली और प्रभावित लोगों के जीवन में जो विकृति आई उसके लिए उन्हें कभी जिम्मेदार नहीं ठहराया गया। अमेरिका कानूनों ने उन्हें कभी सजा नहीं दी, इसके बावजूद कि दुनिया भर में इस लापरवाही की कड़ी निंदा हुई।

यह शायद इसलिए था, क्योंकि, त्रासदी में पीड़ित भारतीय गरीब थे, ना कि अमेरिकी कर्मचारी, जो अमेरिकी संयंत्र में काम कर रहे थे। कल्पना कीजिये, यदि ऐसा ही एक गंभीर हादसा अमेरिका की धरती पर भारतीय संयंत्र में हुआ होता।

रिश्वत हो या ना हो, यह तथ्य स्थापित किया जाना चाहिए, कि यदि कोई संस्था स्थानीय कानूनों का उल्लंघन करती है, तो उसे वहीं, यानि देश में परिणाम भुगतने होंगे, ना कि किसी अन्य विदेशी देश में। जल्द ही गौतम अडानी और उनकी कंपनी के खिलाफ अमेरिका द्वारा प्रत्यर्पण की मांग की जा सकती है। भारत को इसका साहसिक तरीके से जवाब देने के लिए तैयार रहना चाहिए, चाहे विपक्षी राजनेता कुछ भी कहें।

और एक साधारण भारतीय के दृष्टिकोण में, इसका एकमात्र जवाब हो सकता है, "डॉक्टर, पहले अपना इलाज करे। एक अपराधी को चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य घोषित करो।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908